संसेक्स	~	82,259.24
निफ्टी	~	25,111.45
सोना	~	99,330
चांदी	~	1,14,000
डॉलर	~	86.04

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 18 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 293
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बारिश-बाढ़, भूस्खलन का कहर

हिमाचल में अब-तक 109 की मौत, 818 करोड़ का नुकसान,अमरनाथ रूट पर लैंडस्लाइड, 1 की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है।जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से बुधवार को अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। यात्रा गुरुवार को दिनभर के रोक दी गई है।

मप्र में बाढ़ से लोग पलायन को मजबूर

मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में लगातार बारिश की वजह से ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोग सामान लेकर सुरक्षित स्थान की ओर जा रहे हैं। वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में बुधवार को बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, राज्य में इस सीजन में औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

अमरनाथ यात्रा रुकी

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी के बाद अमरनाथ यात्रा गुरुवार को दिनभर के लिए रोक दी गई। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से पटरियों की तुरंत मरम्मत किए जाने की जरूरत है। इस वजह से फैसला किया गया है कि आज दोनों रूटों पर किसी भी प्रकार की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, पंचतरणी कैंप में रुके यात्रियों को क्रऋह्ल और पर्वतीय बचाव दलों के साथ बालटाल की ओर जाने की अनुमति दी जा रही है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर ने बताया कि दिन में मौसम की स्थिति के आधार पर शुक्रवार से यात्रा फिर शुरू होगी। अब तक 2.47 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

झारखंड के कुछ जिलों में स्कूल बंद

लगातार बारिश और मूसलाधार बारिश के पूर्वानुमान के बीच झारखंड के पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के सभी स्कूल गुरुवार को बंद रहे। मौसम विभाग के मुताबिक तीनों जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। पलामू में उत्तर कोयल परियोजना के अंतर्गत भीम बैराज के 40 में से 38 स्लुइस गेट बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर बुधवार को खोल दिए गए। गढ़वा और लातेहार में, प्रशासन ने कहा कि जिलों में भारी बारिश के बीच एहतियाती उपाय के तौर पर स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

भूस्खलन से बेंगलुरु-मंगलुरु यातायात ठप

दक्षिण कन्नड़ जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण कदबा तालुका के पास ह॥ 75 पर भूस्खलन हो गया, जिससे बेंगलुरु और मंगलुरु के बीच वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। लगातार बारिश के बाद ह॥-75 के धर्मस्थल क्रॉस स्ट्रेच के पास भूस्खलन हुआ।दोनों शहरों के बीच ट्रकों, लॉरियों और बसों सहित सभी भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई है।

केरल में लैंडस्लाइड, नदियों का जलस्तर बढ़ा

केरल में लगातार बारिश के कारण गुरुवार को कोझिकोड जिले में लैंडस्लाइड हुई। साथ ही निचले इलाकों में जलभराव हो गया। राज्य के कई हिस्सों में विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। कासरगोड जिले में भारी बारिश के कारण उप्पला, मंजेश्वरम, मधुर और पुथिगे समेत कई नदियों का वाटर लेवल बढ़ गया। अधिकारियों ने इन नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी।

मुंगेर में तटबंध टूटने से पानी का बहाव तेज

बिहार के मुंगेर जिले में खडग़पुर-तारापुर के बीच सडक़ चौड़ीकरण और पुल बनाया जा रहा था। इसी बीच डांगरी नदी में पानी के तेज दबाव के कारण दो जगह पर तटबंध टूट गए। इस वजह से ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। कुछ किसान अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पास करके खेत पर जाने को मजबूर हैं। अब तक किसी तरह की प्रशासनिक मदद नहीं की गई है।

खास खबर

6 मेडिकल कॉलेज को नहीं मिली मान्यता, जीरो सेशन

नई दिल्ली। नेशनल मेडिकल काउंसिल द्वारा 6 मेडिकल कॉलेज को इस बार मानता नहीं दी है। इन सभी मेडिकल कॉलेज में सीबीआई ने छापा डाला था। इन मेडिकल कॉलेज के खिलाफ सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की है। जिसको देखते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन ने इस बार इन मेडिकल कॉलेजों को मान्यता नहीं दी है। जिन मेडिकल कॉलेज को मान्यता नहीं मिली है। उनमें रावतपुरा मेडिकल कॉलेज जो छत्तीसगढ़ में है। इसके अलावा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अन्य पांच मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा जारी विज्ञप्ति में चार एसेसर को भी ब्लैकलिस्टेड किया गया है। इनके द्वारा पैसा लेकर गड़बड़ी की गई थी। मेडिकल कॉलेज और ऐसेसर के नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। सीबीआई ने जब कार्रवाई की थी। उस समय उनके नाम का उल्लेख किया जा चुका है।

कपिल राज ने भारतीय राजस्व सेवा से इस्तीफ़ा दिया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वरिष्ठ अधिकारी रहे आईआरएस अधिकारी कपिल राज ने भारतीय राजस्व सेवा से इस्तीफ़ा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। कपिल राज हाल ही में जीएसटी इंटेलिजेंस मुख्यालय में अतिरिक्त निदेशक के रूप में कार्यरत थे। कपिल राज 2009 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने ईडी में रहते हुए कई अहम कार्रवाइयां की हैं। उनके सबसे चर्चित मामलों में से एक दिल्ली के (पूर्व) मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी रही। केजरीवाल को मार्च 2024 में दिल्ली शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। यह भारत में पहली बार था, जब किसी सिटिंग मुख्यमंत्री को ईडी ने गिरफ़्तार किया हो।

छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर ईडी की रेड

लखनऊ/बलरामपुर। उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन के ठिकानों पर ईडी की रेड हुई। गुरुवार सुबह 5 बजे से बलरामपुर के 12 ठिकानों और मुंबई के 2 ठिकानों पर छापेमारी हुई। सूत्रों के मुताबिक, 100 करोड़ की फंडिंग के मामले में ईडी ने यह कार्रवाई की। दरअसल, यूपी एटीएसको छांगुर बाबा गिरोह के हवाला नेटवर्क, संदिग्ध बैंक ट्रांजैक्शन और विदेशी फंडिंग के कई सुराग हाथ लगे थे। इस संबंध म एटीएस ने ईडी को दस्तावेज सौंपे थे। इसके बाद ईडी ने यह एक्शन लिया है।

गुजरात में शुरु हुआ देश का पहला 'ट्राइबल जीनोम सीक्केंसिंग प्रोजेक्ट'

अहमदाबाद। गुजरात देश का पहला राज्य बन गया है जिसने 'ट्राइबल जीनोम सीक्केंसिंग प्रोजेक्ट' शुरु किया है। इस योजना का उद्देश्य आदिवासी समुदायों में पाए जाने वाली बीमारियों को समझना और बेहतर इलाज देना है। यह जानकारी आदिवासी विकास मंत्री डॉ. कुबर डिंडोर ने गांधीनगर में एक बैठक में दी। यह योजना विज्ञान और परंपरा को जोड़ते हुए आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार लाने की एक कोशिश है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा।

भोपाल बना देश का दूसरा सबसे साफ शहर

- राष्ट्रपति ने दिया पुरस्कार, निगम अध्यक्ष ने सफाई मित्रों को मिठाई खिलाई, बजाया ढोल

भोपाल । भोपाल को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में दिया। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है।

Sampoorna Swachhata Ka Sankalp
Swachh Survekshan

पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि छह साल बाद भोपाल फिर से टॉप-2 में आया है, इसलिए शहर में जश्न भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। स्वच्छता मित्रों और नागरिकों के साथ मिलकर लड्डू बांटे जाएंगे और सम्मान का जश्न मनाया जाएगा।

पिछली बार पांचवें नंबर पर था भोपाल

पिछले सर्वे में भोपाल 5वें नंबर पर था। कचरे की प्रोसेसिंग में सुधार और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था को और पुख्ता कर भोपाल ने दावा मजबूत किया है। वहीं, फरवरी में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की वजह से भी भोपाल को फायदा मिलेगा। जीआईएस के चलते राजधानी में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के काम शहर में हुए हैं। इसमें स्वच्छता से जुड़े काम भी शामिल थे। इसी दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण टीमें भी भोपाल पहुंची थी।

निगम अध्यक्ष ने बांटे लड्डू और बजाया ढोल

भोपाल को देश का दूसरा सबसे साफ शहर बनने पर खुशी का माहौल रहा। नगर निगम के माता मंदिर स्थित दफ्तर में जश्न मनाया गया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सफाई मित्रों को माला पहनाकर सम्मान किया और लड्डू खिलाकर बधाई दी। खुशी में सभी लोग ढोल की थाप पर झूमने लगे। अध्यक्ष सूर्यवंशी ने खुद भी ढोल बजाया।

कर्मचारियों ने जश्न मनाया, जमकर थिरके

जोन-16 मीनल रेजिडेंसी में भोपाल को स्वच्छता में देशभर में दूसरी रैंक मिलने की खुशी में कर्मचारियों ने जश्न मनाया। मिठाई बांटी गई, एक-दूसरे को बधाई दी गई और सभी जमकर थिरके।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आदिवासियों में भी महिलाओं का भी उत्तराधिकार में हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आदिवासियों में भी महिलाओं का भी उत्तराधिकार में हक है। उत्तराधिकार से संबंधित विवाद में आदिवासी परिवार की महिलाओं को भी पुरुषों के समान अधिकार है। महिलाओं को उत्तराधिकार से वंचित करना अनुचित और भेदभावपूर्ण है। ये महिलाओं के समानता के अधिकार का उल्लंघन है, हालांकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होता, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आदिवासी महिलाओं को स्वत: ही उत्तराधिकार से वंचित कर दिया जाए। पीठ ने कहा कि यह देखा जाना चाहिए कि क्या कोई प्रचलित प्रथा मौजूद है, जो पैतृक संपत्ति में महिलाओं के हिस्से के आदिवासी अधिकार को प्रतिबंधित करती है। जस्टिस संजय करोल ने फैसला लिखते हुए कहा कि इस मामले में पक्षकार ऐसी किसी प्रथा के अस्तित्व को स्थापित नहीं कर सके, जो महिलाओं को उत्तराधिकार से वंचित करती हो। यदि ऐसी कोई प्रथा है भी तो उसे विकसित होना होगा। कानून की तरह रीति-रिवाज भी समय के बंधन में नहीं बंधे रह सकते। दूसरों को रीति-रिवाजों की शरण लेने या उनके पीछे छिपकर दूसरों को उनके अधिकार से वंचित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लिंग के आधार पर उत्तराधिकार के अधिकारों से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है, जो कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है, केवल पुरुष उत्तराधिकारियों को उत्तराधिकार की अनुमति देने का कोई औचित्य नहीं है। फैसले में ये भी कहा गया है कि महिलाओं के अधिकारों पर रोक लगाने वाले किसी विशिष्ट आदिवासी रिवाज या संहिताबद्ध कानून के अभाव में अदालतों को न्याय, समानता और अच्छे विवेक का प्रयोग करना चाहिए अन्यथा महिला (या उसके) उत्तराधिकारी को संपत्ति में अधिकार देने से इनकार करना केवल लैंगिक विभाजन और भेदभाव को बढ़ाता है, जिसे कानून को दूर करना चाहिए।

छात्रा की मौत पर ओडिशा बंद के दौरान कांग्रेस समेत 8 पार्टियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

-दुकानें रहीं बंद हुआ चक्काजाम, यात्रियों ने पैदल किया सफर, ट्रेन भी रोकी

भुवनेश्वर। ओडिशा में सेक्शुअल हैरेसमेंट मामले में छात्रा की मौत को लेकर विपक्ष ने गुरुवार 17 जुलाई को ओडिशा बंद के दौरान जबरदस्त प्रदर्शन किया है। बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने भद्रक में ट्रेन को भी रोक दिया। भुवनेश्वर में यात्री बसों का चक्काजाम रहा, जिससे यात्रियों ने पैदल ही घर तक का सफर तय किया।

ओडिशा बंद के दौरान गुरुवार को भद्रक जिले के चेन्नई-कोलकाता हाईवे पर कुछ लोगों ने टायरों में आग लगा दी, इसके चलते ट्रकों की लंबी कतार लग गई। बंद के दौरान हुए प्रदर्शन को देखते हुए आसपास की दुकाने भी स्वत- बंद कर दी गई थीं। बंद के समर्थन में बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं मयूरभंज की बात करें तो यहां पर भी लोग सड़क पर प्रदर्शन करने उतरे और छात्रा को न्याय दिलाने और कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग करते देखे गए।

यहां बताते चलें कि ओडिशा बंद के दौरान हुए प्रदर्शन में कांग्रेस समेत 8 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं। इनमें प्रमुख रुप से बीजू जनता दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, मार्क्सवादी सीपीआई(एम), सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के नेतागण और अनेक कार्यकर्ता प्रदर्शन करते नजर आए।

छात्रा ने किया था आत्मदाह

दरअसल ओडिशा के बालासोर में फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज की एक 20 वर्षीय छात्रा ने लगातार हो रहे हैरेसमेंट और कोई सुनवाई नहीं होने से तंग आकर 12 जुलाई को खुद को आग लगा ली थी। गंभीर रुप से जल चुकी उक्त छात्रा को इलाज के लिए एम्स ले जाया गया, जहां 14 जुलाई को उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

राष्ट्रपति मुर्मू छात्रा से मिलने पहुंचीं थीं एम्स

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पीड़ित छात्रा से 14 जुलाई को ही एम्स के बर्न यूनिट में जाकर मुलाकात की थी। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मू दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए भुवनेश्वर एम्स पहुंची थीं। इसी बीच उन्होंने पीड़ित छात्रा के परिवार वालों को भी अच्छे से अच्छा इलाज कराए जाने के प्रति आश्वस्त किया था, लेकिन उसी दिन छात्रा ने दम तोड़ दिया।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने 968.47 ग्राम सोना जब्त किया

अमृतसर,। पंजाब के अमृतसर में मौजूद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है। कस्टम की टीम ने 2 यात्रियों से कुल 968.47 ग्राम सोना जब्त किया है, जिसकी बाजार कीमत 96 लाख 75 हजार आंकी गई है। यह कार्रवाई विशेष खुफिया सूचना के आधार पर की गई।

जानकारी के अनुसार दोनों ही यात्री इंडिगो की फ्लाइट से कोलकाता से अमृतसर पहुंचे थे। जैसे ही दोनों यात्री एयरपोर्ट पर पहुंचे, कस्टम अधिकारियों ने उन्हें संदेह के आधार पर रोककर गहन जांच की।

निमिषा मामले पर विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान, सजा फिलहाल स्थगित

नई दिल्ली। केरल की नर्स निमिषा प्रिया की यमन में होने वाली फांसी की सजा पर विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मामले को संवेदनशील बताते हुए कहा, कि इस संवेदनशील मामले में भारत सरकार हर संभव मदद कर रही है।

उन्होंने कहा कि निमिषा प्रिया के मामले में हमने कानूनी मदद मुहैया कराई है और वकील भी नियुक्त किया गया है। इसी के साथ हमने सुनिश्चित किया कि निमिषा के परिजनों के लिए नियमित कांसुलर मुलाक़ातें होती रहें। इसी के साथ उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों में हमने अहम कोशिशें की, कि निमिषा प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी समझौते के लिए और समय मिल सके। उन्होंने बताया कि यमन के स्थानीय अधिकारियों ने उनकी सज़ा के क्रियान्वयन को फिलहाल स्थगित कर दिया है। हम इस मामले पर क़रीबी नज़र रखे हुए हैं और हम कुछ मित्र देशों से भी संपर्क में हैं।

मृतक का परिवार नहीं मान रहा

गौरतलब है कि मृतक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी का परिवार निमिषा प्रिया को फांसी दिलाने की मांग पर डटा हुआ है। जबकि निमिषा को माफ करने के लिए उन्हें मनाने की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें लगातार की जा रही हैं।

इंदौर सुपर स्वच्छ लीग में, अहमदाबाद सबसे स्वच्छ बड़ा शहर

नई दिल्ली/इंदौर । भारत के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणामों ने आज एक नई तस्वीर पेश की। अहमदाबाद को सबसे स्वच्छ बड़े शहर का ताज पहनाया गया, जिसके बाद भोपाल और लखनऊ ने अपनी जगह बनाई। वहीं, इंदौर, सूरत, नवी मुंबई, और विजयवाड़ा ने स्वच्छता में अपने बेजोड़ प्रदर्शन से एक नई पहचान बनाई है - इन्हें प्रतिष्ठित सुपर स्वच्छ लीग सिटीज़ में शामिल किया गया है।

गुरुवार को घोषित सर्वेक्षण परिणामों में 4,500 से अधिक शहरों से 14 करोड़ लोगों ने भागीदारी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वयं इन शहरों को सम्मानित किया, जहाँ केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल भी उपस्थित थे।

मंत्रालय ने बताया कि यह वर्ष कम उपयोग करें, पुन: उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें (3क्र) के मंत्र पर केंद्रित था। सुपर स्वच्छ लीग में 3 से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में नोएडा सबसे स्वच्छ शहर के रूप में उभरा, जिसके बाद चंडीगढ़ और मैसूर रहे। यह सर्वेक्षण न केवल शीर्ष शहरों को बल्कि मजबूत संभावना और प्रगति दिखाने वाले छोटे शहरों को भी पहचानता और प्रोत्साहित करता है।

संसद के मानसून सत्र में होगा शक्ति प्रदर्शन, गठबंधन की मजबूरी में सरकार

-21 जुलाई से शुरु होगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक निर्णायक संघर्ष का मैदान बनने जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह सत्र न केवल विधायी एजेंडे को लेकर, बल्कि सत्ता की स्थिरता और विपक्ष की शक्ति प्रदर्शन को लेकर भी बेहद अहम होने वाला है।

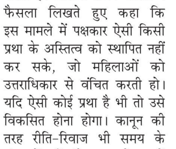

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो कि इससे पहले तक पूर्ण बहुमत वाली सरकारों का नेतृत्व करते रहे हैं, अब गठबंधन की सरकार चला रहे हैं। इस बार संसद में विपक्ष भी पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुआ है। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपने अस्तित्व और प्रभाव के लिए पूरी ताकत झोंक सकते हैं। सरकार में भाजपा के दो प्रमुख सहयोगी—तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू)—केंद्रीय सत्तारूढ़ गठबंधन की रीढ़ बने हुए हैं। लेकिन दोनों दलों के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद उभरते दिख रहे हैं। यदि इन दलों का समर्थन हटा, तो सरकार संकट में आ सकती है और मध्यावधि चुनाव की नौबत भी आ सकती है।

विवादित मुद्दों से माहौल होगा गर्म

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने पहले ही कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। ऐसे ही मुद्दों में बिहार में मतदाता सूची पर विवाद और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल, जम्मू-कश्मीर का पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर में कथित खामियां, पाकिस्तान-चीन गठजोड़, सेना पर राजनीतिक हस्तक्षेप, मणिपुर में अशांति, दलाई लामा पर चीन की नाराज़गी, भारत-चीन व्यापार घाटा और चीन दौरे पर भारतीय मंत्रियों की चुप्पी, अमेरिका से व्यापारिक दबाव, रूस से डिफेंस डील पर दवाब प्रमुख हैं। इनके अतिरिक्त विपक्ष चुनाव आयोग पर विश्वास की कमी, सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों, और जजों पर महाभियोग के प्रयास को लेकर भी सत्तापक्ष को घेरने की तैयारी में है।

सरकार के एजेंडे में हैं कई महत्वपूर्ण विधेयक

सरकार इस सत्र में कई प्रमुख विधेयक पास कराना चाहती है, जिनमें शामिल हैं-

डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक, जीएसटी न्यायाधिकरण विधेयक, दिवालियापन एवं ऋण शोधन संहिता संशोधन, खेलों में नैतिक आचरण विधेयक, भू-वैज्ञानिक विरासत संरक्षण विधेयक, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने का विधेयक और इसी के साथ ही साथ वक्फ बिल और बिहार मतदाता सूची पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी सदन में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

विपक्ष के तेवर आक्रामक

विपक्ष का रुख साफ है—अगर अभी ताकत नहीं दिखाई, तो भविष्य में कोई अस्तित्व नहीं बचेगा। विपक्ष के रणनीतिकार 1975 के आपातकाल पूर्व के माहौल से इस समय की तुलना कर रहे हैं, जब छात्र आंदोलनों और महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों ने सत्ता बदलने की भूमिका तैयार की थी।

रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ीं

शिकोहपुर लैंड केस से जुड़ी 36 करोड़ की 43 प्रॉपर्टी अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकोहपुर जमीन सौदा मामले में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक सप्लीमेंट्री प्रोक्यूटेशन कंप्लेंट (चार्जशीट) दायर की है। ये मामला हरियाणा के शिकोहपुर गांव में 3.2 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार, जालसाजी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। वहीं, इस मामले में ईडी ने 36 करोड़ की 43 प्रॉपर्टी अटैच कर ली हैं। ईडी द्वारा दायर ये सप्लीमेंट्री चार्जशीट इस मामले में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये चार्जशीट जांच के दौरान सामने आए नए सबूतों और फैक्ट पर आधारित है जो इस मामले को और मजबूत करता है। इससे पहले की गई जांच में रॉबर्ट वाड्रा और अन्य आरोपियों से कई बार पूछताछ की जा चुकी है। ईडी की जांच का मुख्य केंद्र डीएलएफ, स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी (जो रॉबर्ट वाड्रा से जुड़ी कंपनी है) और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के बीच हुए कथित वित्तीय लेनदेन हैं। जांच एजेंसी ने इन लेनदेन में अनियमितताओं और संदिग्ध गतिविधियों का दावा किया है। ईडी का कहना है कि इस सौदे में नियमों का उल्लंघन किया गया और इसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय हेराफेरी की गई है।

शिक्षकों के बाद अब अतिथि शिक्षकों पर भी लागू कर दी गई ई-अटेंडेंस

विरोध में अतिथि शिक्षकों ने कि सामूहिक हड़ताल, सौपा ज्ञापन, मांगें पूरी न होने पर दी अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सरकारी स्कूलों में शिक्षको की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश शासन शिक्षा मंत्री की तरफ से लोक शिक्षण संचानालय ने शिक्षको के लिए पूर्व में एक आदेश जारी किया था ।जारी किए गए इस आदेश में 1 जुलाई से सभी शिक्षकों को सार्थक मोबाईल एप के माध्यम से ई अटेंडेंस प्रणाली के तहत हाजरी लगाना अनिवार्य किया गया था ।जिसका शिक्षकों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा था। जहां शिक्षकों के इस लगातार विरोध को देखते हुए शासन द्वारा यह नियम शिक्षकों के लिए शिथिल कर दिया है ।लेकिन अब शासन द्वारा सरकारी स्कूलों में पढाने वाले अतिथि शिक्षकों के लिए यह नियम लागू कर दिया गया है ।जिसका अतिथि शिक्षक भी अब खुलकर विरोध कर रहे हैं। शासन द्वारा जारी किए गए इस आदेश का विरोध अतिथि शिक्षकों ने गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमे उन्होंने ई अटेंडेंस प्रणाली के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए ।उनका नियमितीकरण ना होने तक शासन के इस नियम को नही मानने की बात कही। जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि चाहे कुछ भी हो जाए वे ई-अटेंडेंस नहीं तब तक नहीं लगाएगे। जब तक उन्हें नियमित नहीं कर दिया जाता। जहां अतिथि शिक्षकों द्वारा नियमित किए जाने ,सरकारी कर्मचारी घोषित करने और सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली विभिन्न सुविधाएं देने सहित अन्य मांगों को पूरा करने के उपरांत ही ऐसे कोई नियम को मानने की बात कही। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर गुरुवार को एकदिवसीय सामूहिक हड़ताल कर अल्टीमेटम ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने मांग पूरी न होने पर बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में प्रदेश संगठन के आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

ये नियम सिर्फ हमारे लिए ही क्यो बनाया गया है

बताया गया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा सार्थक मोबाइल एप के नए वर्जन के जरिए अब अतिथि शिक्षकों की अटेंडेंस को, वेतन से भी जोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार अगर एप से अटेंडेंस नहीं लगाई तो वेतन भी जनरेट नहीं होगा ।इसलिए अतिथि शिक्षकों को हर हाल में ई-अटेंडेंस लगाना अनिवार्य किया गया है। जिसका अतिथि शिक्षको द्वारा विरोध किया जा रहा है ।अतिथि शिक्षको का आरोप है कि यह नियम सिर्फ अतिथि शिक्षकों के लिए ही क्यों बनाया गया है। यदि सरकार को नियम बनाना ही है तो सभी 52 विभागों के लिए एक सा नियम बनाएं,पहले हमें सरकारी कर्मचारी घोषित करे, अवकाश सहित अन्य प्रकार की सुविधा दी जाए उसके बाद इस नियम का हम स्वागत करने तैयार है ।लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया है सरकार ने केवल अतिथि शिक्षकों को ही टारगेट बनाते हुए उन पर यह नियम थोप दिया है ।जिसका समस्त अतिथि शिक्षको द्वारा विरोध किया जा रहा है।

अतिथि शिक्षकों के लिए 16 जुलाई को जारी हुए है आदेश

मध्यप्रदेश शासन द्वारा 16 जुलाई को जारी ई-अटेंडेंस संबंधित आदेश के खिलाफ बालाघाट जिले के अतिथि शिक्षकों ने 17 जुलाई को सामूहिक हड़ताल कर विरोध दर्ज कराया। यह विरोध प्रदर्शन अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में किया गया, जहां शिक्षकों ने एकजुट होकर कलेक्टर को 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और शासन को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए बाध्य होंगे।

ई-अटेंडेंस लगाने में हो रही परेशानी

शिक्षकों का मानना है कि शासन द्वारा बिना आवश्यक संसाधन दिए सीधे ई-अटेंडेंस लागू करना अमानवीय और तानाशाहीपूर्ण निर्णय है ।कई ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में नेटवर्क की समस्या है और अधिकांश अतिथि शिक्षकों के पास एंड्रॉयड फोन तक नहीं हैं। बावजूद इसके सरकार द्वारा ई-अटेंडेंस अनिवार्य कर देना, शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है।

हमे नियमित करो, सुविधा दो,फिर ई-अटेंडडेंस लो

अतिथि शिक्षको का मानना है कि पहले सुविधा दो फिर ई-अटेंडडेंस लो, वह ई-अटेंडडेंस देने तैयार है, लेकिन उन्हें पहले नियमित किया जाए अवकाश की पात्रता, महिलाओं को मातृत्व अवकाश, शालाओ में पदस्थ शिक्षको की तरह सीएल-ईएल अवकाश की पात्रता और उनके अनुसार वेतन दिया जाए ।अतिथि शिक्षकों ने ई-अटेंडडेंस को, अंग्रेजी शासनकाल की तरह थोपा गया काला कानून बताते हुए इस पर रोक लगाए जाने की मांग की है। वही रोक नहीं लगने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

अतिथि शिक्षकों द्वारा नियमित शिक्षकों की तरह वेतनवृद्धि और अवकाश की सुविधा देने,ई-अटेंडेंस लागू करने से पूर्व आकस्मिक अवकाश, दुर्घटना बीमा और एंड्रॉयड मोबाइल जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने,रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों को वरीयता देने,पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सितम्बर 2023 को की गई घोषणाओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने,स्कोर कार्ड में अनुभव के आधार पर प्रतिवर्ष 10 अंक जोड़े जाने,चयन परीक्षा में 20 अतिरिक्त अंक तथा विभागीय परीक्षा को राजपत्रित मान्यता प्रदान करने सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा है।

आखिर शिक्षकों को चोर की भांति क्यों समझ रही सरकार-बिंझाड़े

राष्ट्रीय शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन बिंझाड़े ने बताया कि हम ई-अटेंडेंस के विरोध में अतिथि शिक्षकों के साथ खड़े हैं ।प्रदेश सरकार ई-अटेंडेंस का नियम लागू कर हमारे शिक्षको के साथ अन्याय कर रही है। आखिर शिक्षकों को चोर की भांति क्यों समझा जा रहा है। यह समझ नहीं आ रहा है शिक्षकों पर तरह-तरह के शिकंजे कसे जा रहे हैं। हम इसका विरोध करते हैं। यदि सरकार ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो संपूर्ण प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया जाएगा।

तो अनिश्चतकालीन हड़ताल की जाएगी- पारधी

महकेपार के अतिथि शिक्षक पेमेंद्र पारधी ने बताया कि हम लंबे समय से ई-अटेंडेंस का विरोध कर रहे हैं, लेकिन शासन टस से मस नहीं हो रहा। बालाघाट जिले में करीब 988 और प्रदेशभर में 50 से 70 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं ।यदि हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम सभी शिक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। अगर हमें नियमित शिक्षक की तरह सुविधाएं दी जाती हैं तब हम ई-अटेंडेंस का पालन करने को तैयार हैं।

चरित्र शक पर एक महिला को उसके पति ने बेरहमीपूर्वक की मारपीट

शादी के बाद से प्रताड़ित महिला की रिपोर्ट पर उसके पति के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। एक महिला को उसके चरित्र पर शक कर उसके पति ने बेरहमीपूर्वक हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। शादी के बाद से पति के द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति इस महिला का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति मंगल पिता रामचंद्र बांधे30 वर्ष ग्राम मंडई निवासी के विरुद्ध शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 26 वर्षीय महिला मजदूरी करती है जिसकी शादी 2017 में छत्तीसगढ़ राज्य में आने वाले ग्राम महाराजपुर थाना बोड़ला निवासी मंगल बांधे के साथ में सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिसका एक साढे चार साल का बेटा भी है । शादी के बाद से ही। यह महिला अपने पति के साथ अपने मायके मंडई अपने पिता के घर रहने लगी थी। अपने मायके में जिस मकान में यह महिला अपने पति के साथ रहती ही है। उसी मकान में उसकी बड़ी बहन और जीजा भी बच्चों के साथ रहते हैं। बताया गया है कि इस महिला का पति मंगल बांधे शराब पीने का आदी है जो शराब पीने के बाद घरेलू बातों को लेकर हमेशा गाली-गलौज और मारपीट करते रहता था। यह महिला सोचती थी कि आज नहीं तो कल सुधर जाएंगे। इस महिला और उसके पति मंगल बांधे को उसके जीजा और बहन भी समझाते थे किंतु मंगल बांधे नहीं सुधरा और वह अपनी पत्नी इस महिला के चरित्र पर शक कर उसे मारपीट करते रहता था। 10 जुलाई को भी इस महिला को उसके पति मंगल बांधे ने चरित्र पर शक कर मारपीट किया था। 16 जुलाई की शाम 6ः00 बजे यह महिला अपने बच्चों के साथ अपने कमरे में बैठकर खाना खा रही थी। तभी उसका पति मंगल बांधे शराब पीकर आया और। अश्लील गालियां देने लगा महिला ने उसे बोली की शराब पीकर आये हो हल्ला दंगा क्यों कर रहे हो। तभी मंगल बांधे ने आवेश में आकर इस महिला को हाथबुक्के से मारपीट किया और महिला का गले में लटका गमछा पकड़ कर गिरा दिया और उसके सीने गाल पीठ बदन में। हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। झगड़ा को देख इस महिला की बुआ बच्चे बहन ने आकर बीच बचाव किये। इसके बाद मंगल बांधे घर से चला गया ।महिला को उसका पति शादी के बाद से शारीरिक मानसिक रूप से प्रताड़ति करते आ रहा था। मारपीट में घायल यह महिला रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने इस महिला का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति मंगल पिता रामचंद्र बांधे 30 वर्ष के विरुद्ध धारा 85 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

स्वच्छता सर्वेक्षण का रिजल्ट आया सामने

3 स्टार का दर्जा प्राप्त नपा में बचा एक स्टार, सर्वेक्षण में लड़खड़ाई रैंकिंग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका बालाघाट की स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम सामने आ गए हैं। 3 स्टार का दर्जा प्राप्त नगर पालिका को स्वच्छता में सिर्फ अब एक ही स्टार नगर पालिका बालाघाट के पास बचा है। जबकि बीते वर्ष की तुलना की जाए तो इस वर्ष एक लाख से कम आबादी वाली नगर पालिकाओं में नगर पालिका बालाघाट का राष्ट्रीय स्तर पर बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष रैंकिंग अच्छी मिली है। प्रदेश स्तर पर बालाघाट नगर पालिका की रैंकिंग पुनः बिगड़ चुकी है । जबकि नगर पालिका द्वारा सतत वार्डो से कचरा उठाने जाने की बात कही जा रही थी । इस बार एनजीओ सहित प्राइवेट कर्मियों को भी स्वच्छता में लगाया गया था । किंतु जिस प्रकार से शहर की स्थिति स्वच्छता की है। शायद उसी प्रकार से नगर पालिका को इस बार रैंक मिली हैं । पुनः तीन स्टार का दर्जा प्राप्त करने वाली नगरपालिका से अब सिर्फ सिंगल स्टार पर ही रह गयी हैं। आपको बता दे की स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के नतीजे अब सामने आ चुके हैं और जिस प्रकार से नगर पालिका द्वारा स्वच्छता को लेकर सर्वेक्षण करवाया गया था और जिस प्रकार से सर्वेक्षण के समय नगर पालिका में माहौल देखने को मिला था , उस हिसाब से ही शायद परिणाम भी अब सामने आये हैं । पिछले सर्वे में नपा बालाघाट को एक लाख से कम आबादी वाली नगर पालिकाओं में प्रदेश स्तर पर 35वीं रैंक मिली थी, जबकि इस नपा बालाघाट को 46वीं रैंक मिली है। ताजी रैंकिंग ने नगर पालिका बालाघाट के स्वच्छता को लेकर किए गए तमाम दावों की पोल खोल दी है। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नपा अमले द्वारा लगातार स्वच्छता कार्यक्रम किए गए थे। जागरूकता शिविर के अलावा नुक्कड़ नाटकों के जरिए शहरवासियों को स्वच्छता में सहभागी बनने के लिए जागरूक किया गया था। शहर के कई मार्गों की सफाई से लेकर रंग-रोगन तक किया गया था, लेकिन नपा के ये प्रयास राज्य स्तरीय रैंकिंग में अपर्याप्त साबित हुए हैं। हालांकि, राष्ट्रीय रैंकिंग में पिछले साल की तुलना में इस बार नपा को फायदा हुआ है। पिछले सर्वे में नपा बालाघाट को 73वीं रैंकिंग मिली थी, जबकि इस बार नपा बालाघाट को राष्ट्रीय स्तर पर 44वीं रैंकिंग प्राप्त हुई है।

बात करें बालाघाट के बाद जिले की बड़ी नगर पालिका की, तो वारासिवनी नगर पालिका की ताजी रैंकिंग की स्थिति की, तो नपा वारासिवनी बहुत पीछे है। नपा वारासिवनी को 156वीं स्टेट रैंकिंग मिली है, जबकि 123वीं नेशनल रैंकिंग प्राप्त हुई है। नगर पालिका बालाघाट नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 84 हजार 261 की आबादी है। बालाघाट जीएफसी वन स्टार रेटिंग और ओडीएफ प्लस प्लस नगर पालिका है। देखा जाए तो बालाघाट नगर पालिका को 3 स्टार का दर्जा प्राप्त था। किंतु इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर पालिका बालाघाट बहुत अधिक पीछे हो गई। जहां प्रदेश स्तर पर भी नगर पालिका बालाघाट की रैंकिंग लड़खड़ाई हैं । 3 स्टार से घटकर नगर पालिका के पास सिर्फ अब एक स्टार ही बचा है । जिसमे कहीं ना कहीं नगर पालिका को मिलने वाले बजट में कमी आएगी । जबकि देखा जाए तो नगर पालिका बालाघाट स्वच्छता को लेकर कई बड़े दावे कर रही थी। लेकिन परिणाम आने के बाद एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर अभी और अधिक काम करने की आवश्यकता है ।

मप्र आदिवासी विकास परिषद छात्र प्रभाग का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. आदिवासी विकास परिषद छात्र प्रभाग जिलाध्यक्ष संजय धुर्वे ने सामाजिक युवाओं को नई जिम्मेदारिया सौपी है। जहां उन्होंने वारासिवनी रोड़ स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती भवन बालाघाट में एक बैठक का आयोजन कर लगभग 50 से अधिक जिला, तहसील, नगर पदाधिकारियों और सदस्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। वही उन्हें उनकी जिम्मेदारियो से उन्हें अवगत कराया है। तो वहीं आगामी समय मे संगठित होकर कार्य करने को लेकर सभी ने सामूहिक रूप से शपथ ग्रहण की ।इस दौरान जिला, तहसील व नगर की कार्यकारिणी निर्मित कर सभी को जिम्मेदारी प्रदान की गई ।संजय धुर्वे (जिलाध्यक्ष) व सभी पदाधिकारियों ने संविधान को साक्षी मानकर जनकल्याण व विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य तथा प्रदत्त अधिकारों को दिलाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने की शपथ ली ।म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष विधायक उमंग सिंगार व नेता प्रतिपक्ष, व छात्र प्रभाग प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता नीरज वारिवा के निर्देशन पर आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में विशेष तौर पर म.प्र. आदिवासी विकास परिषद बालाघाट जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे, जिलाध्यक्ष बिरसा ब्रिगेड सत्येन्द्र इनवाती, सामाजिक विचारक कुलदीप कुमरे युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष म.प्र. आ.वि. प. शुभम उईके, मोहन मरकाम सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इनको मिली संगठन में कमान

मप्र. आदिवासी विकास परिषद छात्र प्रभाग जिलाध्यक्ष संजय धुर्वे ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ललित उईके को जिला प्रवक्ता,अधिवक्ता सुमित भौतेकर को जिला विधिक सलाहकार सीताराम उइके और दीपा मेरावी को जिला उपाध्यक्ष, राकेश मेरावी को जिला कमेटी उपाध्यक्ष, राजेंद्र उइके, आशीष परते, विनय एड़पाचे, अंजली वल्के और नेहा मरावी को जिला सचिव की कमान सौपी है ।इसके अलावा नितिन मर्सकोले को तहसील अध्यक्ष बालाघाट,देवेंद्र नेताम और नंद किशोर वलाड़ी को नगर अध्यक्ष ,रंजीत मर्सकोले और पंकज उइके को जिला मीडिया प्रभारी, गौरव सरवरे, गौरव परते और अहिल्या सलामे को जिला महामंत्री बनाया है ।वही राकेश उइके को जिला स्कूल प्रभारी, राजेंद्र मरकाम को जिला महाविद्यालय प्रभारी, यश अड़मे और ऋषभ सहारे को जिला महासचिव बनाकर उन्हें शपथ दिलाई गई है।

खैरलांजी महाविद्यालय मे नशे से दूरी है जरूरी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी महाविद्यालय मे नशा मुक्ति जन अभियान के अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी विषय पर 17 जुलाई को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य केएल हिवारे एवं खैरलांजी थाना प्रभारी रामसिंह पटेल के तथा स्वामी विवेकानंद कॅरिअर मार्गदर्शन योजना कार्यक्रम प्रभारी रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे किया गया। इस दौरान एसआई अंकित उपाध्याय, एसके अब्दुस शमीम, डॉ.उमेश सिंह कुशवाह, आईपी सलामे, डॉ.अशोक टेम्भूर्ने, वीरेंद्र पटले, श्रीमति पूनम गुप्ता, श्री अमर सिंह गोंड, डॉ.विवेक खरगाल एवं समस्त विद्यालय स्टॉफ व छात्र छात्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य श्री हिवारे द्वारा नशे से दूरी है जरूरी विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं थाना प्रभारी श्री पटेल द्वारा नशे से दूरी है जरूरी विषय पर पीपीटी के माध्यम एवं टेली फिल्म, लघु फिल्म के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओ पर विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के अंत मे नशे से दूरी हैं जरूरीविषय मे विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मंच का संचालान श्रीमती पूनम गुप्ता के द्वारा किया गया।

आवश्यकता है
• साफ-सफाई कर्मचारी-02 पद
(NIGHT DUTY/PART-TIME)
सेलरी-योग्यतानुसार
संपर्क- +91-8819924499
(10:00 AM - 05:00 PM)

जन्मय शिवनकर
को
जन्मदिवस पर
अनंत शुभकामनाएं
शुभेच्छु
बसंती शिवनकर दादी,
रोहित शिवनकर पापा, स्वाती शिवनकर मम्मी,
घनश्यामदास सेनभक्त बडे पापा,
श्रीमती किरण सेनभक्त बडी मम्मी वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

सरेखा रेलवे अंडरपास की समस्या से फिलहाल नहीं मिलेगी राहत?

एडीआरएम की 7 सदस्यीय टीम ने किया निरीक्षण, कहा- या तो उड़ान पुल शुरू कराए, या फिर अंडरपास मार्ग को 15 दिनों के लिए करें बंद, निर्माण कार्य को बताया गुणवत्तापूर्ण, विभिन्न कार्यों में सुधार के भी दिए निर्देश , कहा- जल्दबाजी में मार्ग शुरू करने से आ रही समस्या

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सरेखा रेलवे अंडरपास में बरसात के दिनों मे पानी भरने और यहां से आवागमन करने मे हो रही परेशानी से, फिलहाल राहगिरों को राहत नहीं मिल पाएगी। इसके संकेत रेलवे अधिकारियों द्वारा गुरुवार को किए गए निरीक्षण में स्पष्ट तौर पर देखने को मिले हैं। दरअसल नागपुर मण्डल से बालाघाट पहुची एडीआरएम की 7 सदस्यीय टीम ने इस अंडरपास का निरीक्षण कर अंडरपास की वस्तु स्थिति का जायजा लिया। जहां उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अंडरपास का निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण किया गया है और इसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं बरती गई है। वहीं उन्होंने अंडरपास का कार्य पूर्ण होने के पूर्व ही जल्दबाजी में अंडरपास से आवागमन शुरू करने के चलते समस्या आने की बात कही है। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण होकर रेलवे ओवर ब्रिज से आवागमन शुरू नहीं हो जाता। या फिर अंडरपास ब्रिज से 15 दिनों के लिए आवागमन बंद नहीं किया जाता। तब तक इस व्यवस्था में सुधार नहीं आ पाएगा। या फिर उन्होंने अंडरपास मार्ग से 15 दिनों के लिए आवागमन को बंद कराकर राहगीरों के लिए अन्य डायवर्ट मार्गों से यातायात की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही है। इसके अलावा अंडरपास में पानी भर जाने सहित अन्य अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों व ठेकेदार के सुपरवाइजर सहित इंजीनियरों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए हैं। एडीआरएम द्वारा किए गए इस

निरीक्षण में यह स्पष्ट हो चुका है कि फिलहाल सरेखा अंडरपास की समस्या से राहगीरों को राहत नहीं मिल पाएगी। क्योंकि रेलवे ओवर ब्रिज का कार्य बरसात के पूर्व पूर्ण कर उस ओवर ब्रिज से आवागमन शुरू नहीं हो पाएगा। तो वही अन्य कोई वैकल्पिक मार्ग न होने के चलते सरेखा अंडरपास ब्रिज को 15 दिनों के लिए बंद भी नहीं किया जा सकता। जिसके चलते फिलहाल को इस मार्ग से आवागमन करने में परेशानी हो सकती है।

जल्दबाजी के चलते आ रही समस्या

नगर की जनता को रोजाना लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए वर्तमान समय में गोंदिया-बालाघाट मार्ग के बीच सरेखा रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य चल रहा है।ओवर ब्रिज निर्माण कार्य तीव्र गति के साथ जल्दी ही पूर्ण हो सके इसके लिए आवागमन सुगम कराने के लिए सरेखा रेलवे फाटक के कुछ दूरी पर अंडरपास पुल का निर्माण भी कराया गया है।बावजूद जिसके भी इस अंडरपास से गुजरने वाले रहगिरो को बरसात में यहां से आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां बारिश के समय अंडरपास में पानी भर जाने अंडरपास सड़क का हाल बदहाल हो चुका है तो वही अंडरपास के भीतर जगह-जगह से पानी का रिसाव होने के चलते लोग काफी परेशान है। जहां जनता व स्थानीय प्रशासन से मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए रेलवे एडीआरएम अशोक सूर्यवंशी सहित उनकी 7 सदस्यीय टीम ने रेलवे से जुड़े अन्य अधिकारियों कर्मचारियों व ठेकेदार इंजीनियरो के साथ मिलकर गुरुवार को सरेखा रेलवे अंडरपास और ओवरब्रिज निर्माण पुल का निरीक्षण किया है। जिसमें उन्होंने संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों व ठेकेदारों के जिम्मेदारो से जगह-जगह कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए है तो वहीं उन्होंने कुछ व्यवस्था बनाने के बाद जनता को इस समस्या से निजात मिलने की भी बात कही है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इस निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने इस निर्माण कार्य को काफी अच्छा निर्माण कार्य बताया है। तो वही कार्य पूर्ण होने के पूर्व ही अंडरपास को शुरू करने में की गई जल्दबाजी के चलते समस्या सामने आने की बात कही है।

अधिकारी ने पूछा इतनी जल्दी सड़क कैसे उखड़ गई, पता चला अभी बनी ही नही

सीपीएम ने अंडर पास के निरीक्षण के दौरान जब पूछा कि जो सड़क सीमेंट की है,ये कैसे इतने जल्दी उखड़ गई तो बताया कि अभी सड़क का निर्माण किया ही नहीं किया गया है, सिर्फ अभी सिलेप डाला गया है जिसके बाद इसके ऊपर सड़क बनाने का काम किया जाएगा तब कहीं जाकर काम पूर्ण होगा। जिस पर यह भी बताया गया कि इस सड़क निर्माण के साथ ही अंडर पास को उपर से कवर करने के लिए, पानी निकासी के समुचित इंतजाम करने के लिए और जिन स्थानों से पानी रिस रहा है और जिन स्थानों को भरा गया है उसे भी ठीक करने के लिए कम से कम 15 दिनों के लिए अंडर पास से आवागमन को रोकना पड़ेगा। जिसके बाद ही काम पूर्ण हो पाएगा।

पानी निकासी के लिए बनाई गई व्यवस्था

सीपीएम ने बताया कि अंडर पास का काम पूर्ण किए बिना ही इसके तैयार होने पर जनता की आवागमन की गंभीर समस्या को देखते हुए इसे शुरु कर दिया गया था ।जिसके चलते ही ये स्थिति निर्मित हुई है, और अब गुणवत्ताहीन कार्य किए, जाने के आरोप लग रहे है, जो कि पूरी तरह से सही नहीं है। उन्होंने बताया कि पानी की निकासी के लिए डीजल पंप लगाया गया है, और एक 24 घंटे के लिए कर्मचारी तैनात भी किया गया है। अब अंडर पास को बंद कर इसका पहले काम पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि ओवर ब्रिज निर्माण कार्य रेलवे के तरफ से पूर्ण हो चुका है, और जो काम बचा है वह स्टेट स्तर से ही बचा है।

१५ दिनों के लिए बंद हो जाए मार्ग तो नहीं रहेगी कोई शिकायत-सूर्यवंशी

पत्रकारों से की गई चर्चा के दौरान एडीआरएम (सीपीएम) अशोक सूर्यवंशी ने बताया कि आज अंडरपास का निरीक्षण किया गया है कुछ कार्य अधूरे पड़े हैं उसको लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए, हैं पानी रिसाव सहित अन्य समस्याओं को दुरुस्त करने व्यवस्था बनाई गई है ।उन्होंने बताया कि अभी यहां सड़क नहीं बनी है केवल बेस हुआ है फाइनल सड़क बनना बाकी है। इसीलिए थोड़ी दिक्कत हो रही है। यदि पूर्ण रूप से मार्ग सुगम बनाना है तो फिर 15 दिनों के लिए यह मार्ग बंद करना पड़ेगा या तो रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण कर उस ओवर ब्रिज को शुरू किया जाए, या फिर कहीं और से मार्ग बनाकर 15 दिनों के लिए इस अंडरपास मार्ग को बंद कर दिया जाए। तो इस मार्ग से आवागमन में कोई समस्या नहीं आएगी।

बैहर की बंजर नदी से एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद

छत्तीसगढ़ राज्य से इस व्यक्ति के बाढ़ में बहकर आने की संभावना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बैहर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सांडा समीप बंजर नदी से एक व्यक्ति की लाश बरामद की इस व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश मौके पर ही पोस्टमार्टम करवा कर अंतिम संस्कार ककफन दफन) करवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई की शाम को ग्राम सांडा बंजर नदी में रेत में फंसी एक व्यक्ति की लाश ग्रामीणों ने देखी और बैहर थाने में रिपोर्ट किए थे। 17 जुलाई को उपनिरीक्षक कैलाश पटेल अपने स्टाफ के साथ बंजर नदी पहुंचे और इस व्यक्ति की लाश बरामद की मौके पर इस व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई और आसपास ग्रामों के ग्रामीणों से बुलाकर भी इस व्यक्ति की पहचान कराई गई किंतु उसकी पहचान नहीं हो पाई। इस व्यक्ति की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष और वह आसमानी कलर का शर्ट और काले कलर का पेंट था पहना हुआ था। यह बंजर नदी छत्तीसगढ़ राज्य से बहते हुए बैहर क्षेत्र से गुजरी है संभावना व्यक्त की गई है कि चार दिन पहले तेज बारिश के दौरान बंजर नदी में आई बाढ़ से यह व्यक्ति बहते हुए ग्राम सांडा समीप पहुंच गया और नदी में बाढ़ कम होने पर यह वह रेत में फस गया। उप निरीक्षक श्री पटेल ने इस व्यक्ति कैलाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात मौके पर ही पोस्टमार्टम करवा कर उसका अंतिम संस्कार करवा दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर इस व्यक्ति के वारसानो की तलाश की जा रही है उपनिरीक्षक श्री पटेल ने इस व्यक्ति की पहचान हेतु जिले वासियों से सहयोग की अपेक्षा की है।

केवाईसी का लक्ष्य पूरा करने नपा के कर्मचारी हटा रहे वार्ड वासियों की समग्र आईडी

शहर के 19 हजार से भी अधिक वार्ड वासियों की नपा. कर्मचारियों ने हटाई पोर्टल से समग्र आईडी ,वार्डवासी हो रहे परेशान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका में इन दिनों समग्र आईडी की केवाईसी का कार्य कर रहा है। प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारी भी मांग रहे हैं। जिसमें कई वार्ड वासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा समग्र आईडी की केवाईसी ना करते हुए सीधे वार्ड वासियों की समग्र आईडी को ही हटा दिया जा रहा है। लक्ष्य पूरा करने के लिए नगर पालिका के कर्मचारी वार्ड वासियों की केवाईसी को विलुप्त कर दे रहे हैं। इससे अब वार्ड वासियों को परेशानी भी हो रही है। नगर पालिका द्वारा अभी तक लगभग 19 हजार से अधिक वार्ड वासियों की समग्र आईडी को हटा दिया गया है। जिसमें विधायक प्रतिनिधि शफकत खान द्वारा बताया गया कि नगर पालिका के कर्मचारी वार्ड वासियों के घरों तक नहीं पहुंच रहे हैं और लक्ष्य पूरा करने के लिए सीधे वार्ड वासियों की समग्र आईडी को विलुप्त कर रहे हैं। जो कि गलत है किसी की समग्र आईडी को पोर्टल से हटाने का नगर पालिका के कर्मचारियों को कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने पूरे मामले को लेकर शिकायत करने की भी बात कही है।

आपको बता दे की नगर पालिका द्वारा इन दिनों समग्र आईडी की केवाईसी करने का कार्य किया जा रहा है। इसमें समग्र आईडी आधार कार्ड से लिंक हो रही हैं। इस पूरे कार्य की मॉनीटरिंग कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा की जा रही हैं। निचले स्तर पर देखा जाए तो नगर पालिका के कर्मचारी इस ई- केवाईसी के कार्य को सही नहीं कर रहे हैं। कई वार्ड वासियों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा उनकी समग्र आईडी की केवाईसी किए बिना ही उनकी समग्र आईडी को पोर्टल से हटा दे रहे हैं। जिससे कि उन्हें काफी समस्याएं हो रही है। कई स्कूली बच्चों को समग्र आईडी की आवश्यकता हो रही है तो जब वह पोर्टल पर समग्र आईडी चेक कर रहे हैं तो उनकी पोर्टल पर समग्र आईडी ही शो नहीं कर रही है। इससे इन दिनों वार्ड वासियों में हड़कंप मचा हुआ है किंतु बाद में जानकारी लगी की नगर पालिका के कर्मचारी जो ई-केवाईसी करवा रहा है उनकी समग्र आईडी को अपडेट किया जा रहा है और जो नगर पालिका नहीं आ रहा है या जो लोग ई-केवाईसी नहीं करवा रहे हैं। उनकी समग्र आईडी को नगर पालिका में बैठे संबंधित कर्मचारी हटा दे रहे हैं। जिससे जैसे ही वार्ड वासी पोर्टल पर अपनी समग्र आईडी चेक कर रहे हैं तो उन्हें पोर्टल पर उनकी समग्र आईडी और नाम शो नहीं हो रहा है। जबकि कई वार्ड वासियों का कहना है कि यह नगर पालिका के कर्मचारी वार्ड वासियों की समग्र आईडी को विलुप्त कर रहे हैं। यह गलत है उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ लोग यह भी बता रहे हैं कि नगर पालिका के कर्मचारी रैंकिंग बढ़ाने के लिए इस प्रकार से कर रहे हैं।

रैंकिंग बढ़ाने के लिए पोर्टल से हटाई जा रही समग्र आईडी

जिस प्रकार से नगर पालिका द्वारा समग्र आईडी की केवाईसी की जा रही है। उसमें सतत कलेक्टर श्री मीणा के द्वारा इस पूरी केवाईसी की मॉनिटरिंग की जा रही है। जिसमें रैंकिंग घटने पर संबंधित अधिकारियों को तलब किया जाता है और उन्हें रैंकिंग बढ़ाए जाने को कहते हैं। रैंकिंग बढ़ाए जाने के लिए नगर पालिका में बैठे कर्मचारी जो लोग ई केवाईसी नहीं कर रहे हैं। उनकी समग्र आईडी को पोर्टल से ही हटा दे रहे हैं। जिससे जिनके द्वारा केवाईसी की जा रही है ,वह रैंकिंग में अब आगे दिखा रहे हैं और जिन्होंने ई-केवाईसी नहीं कराया है उनकी समग्र आईडी को सीधे हटा दिया जा रहा है।

19 हजार से अधिक समग्र आईडी को हटाया गया

जब हमारे द्वारा समग्र आईडी से संबंधित जानकारी संबंधित विभाग के कर्मचारियों से अनौपचारिक चर्चा में ली गई तो जानकारी निकलकर सामने आई की शहर के 33 वार्ड में लगभग 1 लाख से अधिक तक समग्र आईडी बनी हुई है। नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा 19 हजार से अधिक समग्र आईडी को पोर्टल से ई केवाईसी नहीं होने के कारण हटा दिया गया है।

कर्मचारी काम किए बिना ही रैंकिंग बढ़ाने को देख रहे हैं - शफकत खान

नगर पालिका में बैठे विधायक प्रतिनिधि शफकत खान द्वारा बताया गया कि उन्होंने जब स्कूलिंग कर से अपने बेटे की समग्र आईडी निकालने की कोशिश की तो उनके बेटे का नाम पोर्टल से हटा हुआ नजर आया। जब उन्होंने पता किया तो उन्हें जानकारी लगी कि नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा केवाईसी नहीं किए जाने के कारण उनके बेटे का नाम को हटा दिया गया है। जबकि यह गलत है किसी भी वार्ड वासी की पोर्टल से समग्र आईडी को नगरपालिका के कर्मचारी नहीं हटना चाहिए। यह गलत है इसका वह विरोध करते हैं। नगर पालिका के कर्मचारियों को वार्ड वासियों की केवाईसी करना चाहिए। लेकिन नगर पालिका के कर्मचारी काम किए बिना ही रैंकिंग बढ़ाने को देख रहे हैं। इस कारण से वह समग्र आईडी को विलुप्त कर रहे हैं।

जमीन की रंजिश को लेकर एक व्यक्ति ने एक महिला को सिर में पत्थर मार कर किया घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिकली में एक व्यक्ति ने एक महिला को सर में पत्थर मार कर घायल कर दिया घायल महिला कमली बाई पति नंदलाल मेरावी 55 वर्ष का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं बिरसा पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर कुंवर सिंह धुर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कमली बाई घरेलू एवं खेती किसानी का काम करती है। 12 जुलाई को कमली बाई अपने रिश्तेदारी गांव भीतरपानी अपने गांव के कुंवर सिंह बुध सिंह और सुकालू के साथ गई थी। शाम 5 बजे करीब कमली बाई ग्राम भीतर पानी अपने रिश्तेदार के घर से मेहमानी करके अपने गांव चिकली लौट रही थी। कुंवर सिंह बुद्धसिंह और सुकालू आगे चल रहे थे। उनके पीछे कमली बाई आ रही थी। गांव के समीप केसर मेरावी के खेत के पास रोड पर पहुंचे ही थे कि कुंवर सिंह धुर्वे आबादी की जमीन की पुरानी रंजिश को लेकर कमली बाई को अश्लील गालियां देने लगा ।कमली बाई ने उसे गाली देने से मना की तब कुंवर सिंह धुर्वे ने आवेश में आकर कमली बाई को जान से मार देने की धमकी देकर उसे हाथ में रखे पत्थर सिर में मारा जिससे कमली बाई बेहोश होकर गिर गई ।खबर मिलते ही कमली बाई के बेटे बिछ्छू मेरावी भाई का गनपत धुर्वे पहुंचे और कमली बाई को उठाकर इलाज के लिए बिरसा अस्पताल लाकर भर्ती किये। कमली बाई ने अपना इलाज करवाने के बाद 17 जुलाई को अपने बेटे अंतराम भिसम मेरावी के साथ बिरसा थाना पहुंचकर रिपोर्ट की। बिरसा पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर कुंवर सिंह धुर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

रोटरी रॉयल ने किया 78 युनिट रक्तदान

हाइजीन को लेकर कॉलेज में किया जागरूकता कार्यक्रम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल ने जिले के अग्रणी महाविद्यालय पीएमश्री जेएसटी पीजी कॉलेज में रक्तदान शिविर एवं महिला हाइजीन अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया।रक्तदान कार्यक्रम में रॉयल रुप के सदस्यों ने 78 यूनिट का रक्तदान कर जिला अस्पताल को पीड़ित मानवता के सेवार्थ भेंट किया। साथ ही 53 लोगों की रक्त जांच भी की गई। क्लब ने,रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए,क्लब के अध्यक्ष रोटे. संदीप असाटी, सचिव आशीष साहु और कोषाध्यक्ष राजेश गांधी की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित रक्तदान शिविर के चेयरमैन विक्रम भूते ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, रक्तदान एक महादान है और इससे किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। हमारे क्लब का यह निरंतर प्रयास है कि समाज में रक्त की कमी न रहे और जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो को-चेयरमेन अंकित अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान एक मानवीय कर्तव्य है। इसके माध्यम से हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी में इसको लेकर जागरूकता लाना बहुत जरूरी है, ऐसे कैंप, इस दिशा में एक मजबूत कदम हैं। को-चेयरमैन गौरव कोचर ने कहा, लोगों में अभी भी

रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। रक्तदान से न सिर्फ किसी की जान बचती है बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। क्लब के अन्य को-चेयरमैन सौरभ हरिनखेड़े, लखविंदर सिंह भंगल ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

हाइजीन अवेयरनेस कार्यक्रम में 80 छात्राओ ने लिया हिस्सा

हाइजीन अवेयरनेस कार्यक्रम डॉ. नेहा मेश्राम, मुन्नालाल शर्मा, भुवेश्वरी गेडाम, प्रोजेक्ट समन्वयक जगदीश ताम्रकार तथा रोशनी टेंभरे ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता तथा निजी स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। जिसमें लगभग 80 छात्राओं ने हिस्सा लिया। क्लब की ओर से, सभी छात्राओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए।कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर और सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप विशेष रूप से उपस्थित रहे। रक्तदान कार्यक्रम में ब्लड बैंक एवं ब्लड टेस्टिंग टीम सदस्य हेमंत पाटिल, कमिनी पांडे, विनोद भगत, सुरेश वासनिक, विक्की पवार एवं रूपक पवार सहित इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम चावला, कमलजीत सिंह छाबड़ा, बलजीत सिंह छाबड़ा सहित सदस्य रवि सचदेव, मुकुल राठौर, राजेन्द्र सिंह छाबड़ा, नरेन्द्र सिंह छाबड़ा, धनेंद्र राहंगडाले, संतोष नाहर, केशव परिहार, राहुल तुरकर, हरजीत पाल सिंह राजपूत, बलविंदर पाल सिंह राजपूत, संजय बेदी, प्रकाश गुरनानी सहित अन्य उपस्थित रहे कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे, डॉ. पी.एस. कातुलकर, एनएसएस प्रभारी दुर्गेश आगसे, एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानंद कटरे, गजेन्द्र भारद्वाज, इक्विटास बैंक का विशेष योगदान रहा। रोटरी क्लब के कई सदस्यों ने भी स्वयं रक्तदान कर समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

विद्यार्थी कर सकेंगे 30 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच क्विज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे।

दूसरी कक्षा के बच्चे ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे

इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी। ओलंपियाड के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा केन्द्र और शालाओं को प्रेषित किए है। कक्षा 2 और 3 में प्रत्येक जन शिक्षा केन्द्र से कुल 28 विद्यार्थी जिला स्तर की प्रतियोगिता के लिये चयनित होंगे। कक्षा 6 से 8 में जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर सर्वाधिक अंको के आधार पर 36 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये होगा। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने ओलंपियाड प्रतियोगिता के आयोजन के लिये जिला कलेक्टर्स और राज्य शिक्षा केन्द्र अधिकारियों को भी

2 वर्ष बाद भी राहत राशि की आस में बैठे सांसद के गृह ग्राम के बाढ़ पीड़ित

बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए थे एक दर्जन से अधिक मकान, दो वर्ष बाद भी नही मिली मुआवजा राशि, राजस्व कार्यालय में धूल खा रही बाढ़ पीड़ितों के मुआवजे के प्रकरण की फाइले, मुआवजा राशि मिलने का पीड़ितजन कर रहे इंतजार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत अतरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम चंदनटोला में 2 वर्ष पूर्व भीषण वर्षा के कारण बाढ़ आ गई थी। जिससे पूरे गांव में पानी घुस चुका था और एक दर्जन से अधिक मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके थे। जिससे लोगों के घरों में रखे घरेलु सामग्री सहित अन्य सामान पूरी तरह से बर्बाद हो चुका था। जिसके बाद जिनके मकान बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए थे उनके रहने के लिए सामुदायिक भवन में रहने-खाने की व्यवस्था की गई थी। साथ ही बाढ़ पीड़ितों का राजस्व विभाग के द्वारा प्रकरण तैयार कर उनके लिए राहत राशि दिये जाने की बाात कही गई थी। वहीं इस आपदा को हुए 2 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन वर्तमान समय तक किसी भी बाढ़ पीड़ितों को राजस्व विभाग के माध्यम से राहत राशि नहीं मिल पाई है, ना ही उनके क्षतिग्रस्त मकान का निर्माण प्रशासन के द्वारा किसी योजना के तहत करवाया गया है। ऐसी स्थिति में बहुत से पीड़ित परिवार के लोग जो आर्थिक रूप से कमजोर है उनके द्वारा कर्ज लेकर जैसे-तैसे अपने क्षतिग्रस्त हुए मकान का मरम्मत कार्य करवाकर निवास कर रहे है तो कुछ दुसरे के मकान में रहकर अपना जीवनयापन कर रहे है। जबकि यह ग्राम वर्तमान सांसद श्रीमती भारती पारधी का गृह ग्राम है और उनके द्वारा लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान ग्राम का विकास, गरीबों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने का आश्वासन देकर जनता से वोट मांग कर विजय श्री हासिल की गई है। लेकिन ग्रामीणों के द्वारा अनेक बार अपनी इस समस्या से सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाया गया। किंतु अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है एवं किसी भी पीड़ित परिवार को राजस्व विभाग की ओर से ना ही राहत राशि प्राप्त हो पाई है, ना ही प्रशासन के द्वारा क्षतिग्रस्त मकान की क्षतिपूर्ति या नवीन मकान की स्वीकृति दी गई है। जिसके कारण बाढ़ पीड़ितजन खासा परेशान नजर आ रहे है और उनमें शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

जनप्रतिनिधियों ने नही किया सार्थक प्रयास, बाढ़ पीड़ितजनों में आक्रोश व्याप्त

वहीं दो बार के जिला पंचायत सदस्य, वर्तमान में जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर भी इसी ग्राम के मूल निवासी है एवं भाजपा का सरपंच भी है। साथ ही प्रदेश व देश में भी भाजपा की सरकार है उसके बावजूद भी चंदनटोला (अतरी) ग्राम के बाढ़ पीड़ितों को किसी भी तरह का कोई भी सहयोग शासन या प्रशासन की ओर से नहीं मिल पाया है, ना ही सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा अब तक कोई सार्थक प्रयास भी नही किये गये है। तभी तो मुआवजा राशि नही मिल पाई है, जिसके कारण दो वर्ष से पीड़ितजन अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। इस तरह से जिला पंचायत सभापति व सांसद के गृह ग्राम के पीड़ितजनों को दो वर्ष से बाढ़ राहत की मुआवजा राशि का इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं जनप्रतिनिधियों का कहना है कि राजस्व विभाग से प्रकरण तैयार किया गया है लेकिन मुआवजे की राशि अब तक नही मिली है जो गलत है। जिससे ऐसा लग रहा है कि बाढ़ पीडितजनों के मुआवजे के प्रकरण की फाइले राजस्व कार्यालय में धुल खा रही है। पीड़ितजनों ने शासन-प्रशासन से जल्द मुआवजे की राशि दिलवाने की मांग की है।

क्या सांसद इन बाढ़ पीड़ितों की लेगी सुध

2 वर्षो से चंदनटोला (अतरी) के बाढ़ पीड़ितों को नहीं मिला मुआवजा राशि के संबंध में स्थानीयजन व क्षेत्रीयजनों का कहना है कि अब इसी गांव की बहू श्रीमती भारती पारधी वर्तमान में सांसद बन चुकी है और उनके सांसद बनने से इस गांव की ग्रामीण अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहे है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि संसद निश्चित रूप से इस क्षेत्र के लिए बेहतर काम करेगी, अब लोगों की यही चर्चा है की क्या सांसद इन बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि दिलवाने में सहयोग प्रदान करेगी। इन पीड़ितों की सुद लेकर इन्हें सहयोग प्रदान करेगी, यह एक देखने वाली बात हैं।

प्रकरण तो तैयार हुए पर नहीं मिली मुआवजा राशि - रामस्वरूप

रामस्वरूप राऊत ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व तेज बारिश के कारण ग्राम में बाढ़ आ गई थी और घरों में पानी घुस गया था जिससे 15 से 20 मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये थे। जिनका मुआवजे का प्रकरण राजस्व विभाग के द्वारा तैयार किया गया था परंतु अब तक हमें मुआवजे की राशि नहीं मिल पाई है एवं दुसरे से कर्ज लेकर तत्काल में मेरे द्वारा रहने के लिए मकान तैयार किया गया था। उसके बाद पीएम आवास का लाभ मिला है लेकिन अब भी बहुत से बाढ़ पीड़ित है जिन्हे पीएम आवास एवं सभी को मुआवजे की राशि नही मिल पाई है। श्री राऊत ने बताया कि मकान क्षतिग्रस्त होने से मुझे करीब डेढ़ लाख रूपये का नुकसान हुआ था और मेरे अलावा अन्य लोगों को भी काफी नुकसान हुआ था।

पीड़ितों को जल्द मिलनी चाहिए मुआवजा की राशि - महिपाल

महिपाल सोनी ने बताया कि चंदनटोला में दो साल पहले बाढ़ आने से दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हुए थे जिसका प्रशासन ने प्रकरण भी तैयार किया है, लेकिन अब तक मुआवजे की राशि नही मिल पाई है। ऐसी स्थिति कुछ लोग दुसरे के मकान में निवास कर रहे है। शासन-प्रशासन से मांग है कि बाढ़ पीड़ितजनों को जल्द मुआवजा की राशि एवं पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाये।

दूसरे के मकान में रहकर कर रहे हैं जीवन यापन - समीलाल

पीड़ित समीलाल राऊत ने बताया कि बाढ़ में मकान सहित गृहस्थी का सामान पूरी तरह से बर्बाद हो गया था जिससे लाखों रूपये का नुकसान हुआ है और बाढ़ की आपदा को 2 वर्ष बीत चुके है, लेकिन अब तक प्रशासन से किसी तरह का कोई सहयोग नही मिला है। इस संबंध में अनेक बार जनप्रतिनिधियों को शिकायत की गई है लेकिन उनके द्वारा भी कोई समाधान नहीं किया गया। सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है एवं दूसरे के मकान में रहकर जीवन यापन कर रहे है। श्री राऊत ने बताया कि विगत दिवस भूमिपूजन व लोकार्पण कार्यक्रम में पधारे पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को अपनी समस्या से अवगत करवाये है जिनके द्वारा पुन: आश्वासन दिया गया है कि जल्द शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

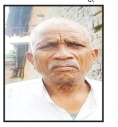

राजस्व विभाग से ली जायेगी जानकारी - झामसिंह

दूरभाष पर चर्चा में जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर ने बताया कि दो वर्ष पूर्व चंदनटोला में बाढ़ आने पर ग्राम में पानी घुस गया था। जिससे एक दर्जन से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हुए थे और मुआवजा के लिए 15-20 लोगों का राजस्व विभाग ने प्रकरण तैयार किया गया था और पीड़ितों को मुआवजा दिलवाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। जल्द ही राजस्व विभाग से चर्चा कर किस कारण से मुआवजा राशि देने में विलंब हो रहा है उसकी जानकारी ली जायेगी।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि चंदनटोला के बाढ़ पीड़ितों को दो वर्ष बीत जाने के बाद भी मुआवजा राशि नही मिल पाई है, जिला प्रशासन से चर्चा कर जल्द मुआवजा राशि दिलवाई जायेगी।

श्रीमती भारती पारधी
सांसद
बालाघाट-सिवनी।

दो वर्ष पूर्व चंदनटोला में बाढ़ आने पर जिन ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त हुए थे और उन्हे मुआवजा दिलवाने के लिए प्रकरण तैयार किये गये होगें, जल्द ही पटवारी एवं आरआई से प्रकरण की जानकारी ली जायेगी।

कन्हैयालाल तेकाम
तहसीलदार
लालबर्रा।

नेवरगांव वा. उमावि. के छात्र-छात्राओं को वितरित की गई साइकिल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत दिवस शासन की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा नवमीं के 28 छात्र एवं 29 छात्राओं कुल 57 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई और नि:शुल्क साईकिल प्राप्त करने के बाद ब%चों के चेहरे खिले नजर आये एवं उन्होने अपनी खुशी जाहिर कर शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। यह साइकिल वितरण कार्यक्रम नेवरगांव वा. सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी/प्रमोद हनवत, स्कूल प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी हनवत ने कहा कि शासन के द्वारा नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना प्रारंभ की गई है ताकि दुर-दराज से आने वाले बच्चों को स्कूल आने में परेशानी ना हो और यह एक महत्वकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत नेवरगांव वा. स्थित शास. उमावि. में अध्ययनरत पात्र 57 छात्र-छात्राओं को साइकिल मिली है जिन्हे अब स्कूल आने में सुविधा होगी। साथ ही यह भी कहा कि सरकार छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है इसलिए शिक्षकगण भी विद्यार्थियों को अचछी शिक्षा, उचित मार्गदर्शन दे और उन्हे शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाये ताकि वे अपना भविष्य बेहतर बना सके। इस अवसर पर स्कूल की गाइडर श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, श्रीमती नीता बोपचे, स्काउटर आरिफ खान, बी.एल पटले, सीआर नखाते, यंकेश मिश्रा, बीके मेहरा, रमेश धुर्वे, प्रशांत मेश्राम, लुपेंद्रकुमार देशमुख, श्रीमती गीतेश्वरी टेंभरे, श्रीमती रीना लिल्हारे, श्रीमती वंदना पालीवाल, श्रीमती खेलासन भगत, श्रीमती वीणा मर्सकोले, जयदीप जोशी, मनेष शेंडे, कु. दिव्या जोशी, श्रीमती रोशनी ठाकरे, नितिन देशमुख सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन चला रहा नशा मुक्ति अभियान

सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों को दिलवाई गई शपथ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार गत 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पुलिस प्रशासन के द्वारा व्यापक नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है और इस अभियान के माध्यम से पुलिस विभाग के द्वारा स्कूलों में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित कर जन जागरूकता रैली एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है। साथ ही छात्र-छात्राओं को नशे से दुर रहने, अपने परिचितों को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने की शपथ दिलवाई जा रही है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित सीएम राइज स्कूल में पुलिस प्रशासन के द्वारा बुधवार को नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत स्कूल के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त अभियान से संबंधित शॉर्ट फिल्म एवं रील्स दिखाई गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने स्कूल के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि नशा परिवार के साथ-साथ समाज को भी नुकसान पहुंचाता है जिससे हमारे आने वाली पीढ़ी भी इसका शिकार हो सकती है उन्हे बचाने के लिए और नशे से दुर करने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा 15 जुलाई से लेकर 30 जुलाई तक नशा मुक्ति के तहत एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें रैली एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कर लोगों में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता लाना है और आने वाली पीढ़ी के साथ ही सभी को नशा के दुष्प्रभाव से बचाना है। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, उपनिरीक्षक महेन्द्रसिंह बघेल, वैशाली उइके, सहायक उपनिरीक्षक चेतन उइके, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र, आरक्षक हेमंत बिसेन, सुशील विश्वकर्मा, विजय हरदिया, स्कूल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अज्ञात चोरों ने किराना सहित अन्य सामग्री एवं आटा चक्की की मशीन चोरी कर हुए फरार

पीड़ित दुकानदार को 50 हजार रूपये का हुआ नुकसान, अज्ञात चोरों पर कार्यवाही करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट-सिवनी हाईवे रोड़ स्थित ग्राम पंचायत बिरसोला स्थित श्रीमती भूमेश्वरी दौने के किराना, कपड़े दुकान में बीती रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर किराना सहित अन्य सामग्री एवं इलेक्ट्रानिक आटा चक्की की मशीन चोरी कर फरार हो गये। जिससे दुकानदार को करीब 50 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसोला निवासी श्रीमती भूमेश्वरी दौने की बिरसोला चौक बालाघाट रोड़ में किराना, कपड़े एवं आटा चक्की की मशीन की दुकान है जिसका संचालन कर प्राप्त आय से परिवार का पालन-पोषण करती है। बुधवार को रात में दुकान बंद कर वहां अपने घर चले गई थी और दुसरे दिन गुरूवार को सुबह जब उनका बेटा दुकान खोलने के लिए पहुंचा तो दुकान का ताला टुटा हुआ दिखाई दिया एवं सामान इधर-उधर फैले हुए थे। जिससे उन्हे संदेह हुआ कि दुकान में रात्रि में चोरी हुई है। जिसके बाद उसने अपनी मम्मी को घटना की जानकारी दिया और आसपास के लोग पहुंचे तत्पश्चात पुलिस को चोरी होने की जानकारी दी गई। इस तरह से अज्ञात चोरों के द्वारा हाईवे रोड़ किनारे बिरसोला चौक के आगे स्थित किराना, कपड़ा, आटा चक्की दुकान दुकान में रात्रि के समय अज्ञात चोरों ने घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। वहीं अज्ञात चोर अपने साथ लोहे की राड लेकर आये थे जिन्होने चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद लोहे की राड एवं शाल को छोड़कर भाग गये जिससे ऐसा लग रहा है कि वे बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने की तैयारी में आये होगें। वहीं इस चोरी की वारदात से अन्य दुकानदार एवं ग्रामीणजन भयभित है, जिन्होने पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार का सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं पुलिस ने पीड़ित दुकानदार की रिपोर्ट में अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच शुरू कर दी है।

डोंकरबंदी के वेल्डिंग दुकान में भी हुई चोरी की वारदात

लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोकरबंदी में पंचायत के बने काम्पलेक्स में उमेश दाते की वेल्डिंग की दुकान है। जिसके द्वारा लोहे के दरवाजे, खिड़की एवं अन्य उपकरण बनाने का कार्य किया जाता है। बुधवार को दिनभर काम करने के बाद रात में दुकान बंद कर वह अपने घर चले गया था। जिसके बाद रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर वेल्डिंग करने की मशीनों की चोरी कर फरार हो गये। गुरूवार को सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचा तो दुकान का ताला टुटा हुआ था एवं मशीन गायब थी। इस तरह से अज्ञात चोरों ने वेल्डिंग करने की मशीन चोरी कर फरार हो गये है। इस चोरी की वारदात से दुकानदार को करीब 40 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। इस तरह से बिरसोला एवं डोंकरबंदी के बीच में अंतर करीब एक किमी. का है और बिरसोला में किराना, कपड़े दुकान एवं डोंकरबंदी में वेल्डिंग की दुकान में बीती रात्रि चोरी की वारदात घटित हुई है। जिससे संभावना व्यक्त की जा रही है। जिसने बिरसोला स्थित किराना-कपड़े दुकान में चोरी किया है उसी ने डोकरबंदी में भी किया होगा। दुकानदारों ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही करने एवं रात्रि में ग्रामीण क्षेत्रों में भी गस्त करने की मांग की है।

अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - भूमेश्वरी

दुकानदार श्रीमती भूमेश्वरी दौने ने बताया कि बुधवार एवं गुरूवार की रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर किराना सामान सहित कपड़े एवं इलेक्ट्रानिक आटे चक्की की मशीन की चोरी कर फरार हो गये है। जिससे करीब 50 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। श्रीमती दौने बताया कि दुकान के सामने चौपहिया वाहन के निशान बने हुए थे और दुकान से कुछ दुरी में दुकान के कुछ सामान भी फेक कर चले गये है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

लोहे की राड़ को दुकान में छोड़कर फरार हुए चोर - संजय

बिरसोला पूर्व सरपंच संजय कातुरे ने बताया कि बालाघाट रोड़ स्थित किराना, आटा चक्की व कपड़े दुकान में बीती रात्रि में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर करीब 50 हजार रूपये का सामान लेकर भाग गये है। जिससे दुकानदार को काफी नुकसान हुआ है एवं दुकान का ताला तोड़ने के लिए अज्ञात चोर लोहे की राड़ लेकर आये थे जिसे दुकान में ही छोड़े दिये है और दुकान के समीप चौपहिया वाहन के चक्के के निशान भी बने है। जिससे ऐसा लग रहा है कि उनकी योजना बड़ी चोरी को अंजाम देने की थी परंतु किसी की आहट मिलने पर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम नही दे पाये। जबकि दुकानदार दुकान से प्राप्त आयेसे अपने परिवार का पालन-पोषण करती है, पुलिस प्रशासन को अज्ञात चोरों पर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि गस्त करे पुलिस प्रशासन - सोमेश्वर

डोंकरबंदी सरपंच सोमेश्वर मोहतुरे ने बताया कि डोकरबंदी में पंचायत से बने काम्पलेक्स में उमेश दाते की वेल्डिंग की दुकान है, बीती रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा दुकान का ताला तोड़कर वेल्डिंग की मशीन चोरी कर फरार हो गये। जिससे दुकानदार को करीब 40 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात चोरों पर कार्यवाही कर नगर मुख्यालय की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गस्त करे जिससे चोरियों पर अंकुश लगेगा और चोरों में डर बना रहेगा।

जल भराव की समस्या से बनियाटोला वासी परेशान

आवागमन में बनी है समस्या गंदगी का बढ़ रहा प्रकोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला वार्ड नंबर २० में जल भराव की समस्या बीते कुछ वर्षों से बनी हुई है। जहां पर ग्रामीणों को हर समय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं बारिश में यह समस्या विकराल हो जाती है। जहां आवागमन में दिक्कत होती है दुर्घटनाएं घटित होती है तो वहीं पानी एक जगह स्थिर होने से गंदगी और मच्छर मक्खी पनप रहे हैं तो वहीं बदबू से दिक्कत बनी हुई है। जहां शासन प्रशासन से पानी निकासी और सड़क निर्माण की मांग ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बनिया टोला के वार्ड नंबर २० में जल भराव की समस्या बीते करीब ५ वर्ष से बनी हुई है। जहां पर पानी निकासी की वर्तमान में कोई व्यवस्था नहीं है। उस समय रेलवे क्रॉसिंग से ग्राम के वार्ड नंबर २० तक सड़क का निर्माण किया गया था जो छोटी सड़क थी। यह वार्ड पंच के घर के पहले तक ही बनाई गई है जिस कारण से वार्ड पंच के घर के सामने निचला स्थान बना हुआ है। तो वहीं उक्त स्थान पर कोई पक्की नाली का निर्माण नहीं किए जाने से पानी निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ग्राम के अंदर मवेशी ,वाहनों को धुलने या कभी कभी होने वाली बारिश का पानी जमा हो जाता है। तो वहीं यह समस्या बारिश के समय और ज्यादा भयानक हो जाती है जहां पर मुख्य सड़क पर अत्यधिक मात्रा में पानी जमा होकर जल भराव जैसी स्थिति बनी रहती है। कीचड़ भी होता है यह पानी गंदगी और दुर्गंध के साथ मच्छर मक्खी भी पैदा कर रहा है जिससे वार्ड के लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। इसके निर्माण को लेकर अनेको बार वार्ड वासियों के द्वारा ग्राम पंचायत एवं जनप्रतिनिधि सहित प्रशासनिक अधिकारियों को मौखिक और लिखित शिकायत कर समस्या से अवगत कराया गया है। किंतु किसी भी स्तर पर उक्त समस्या का निदान नहीं किया गया है पिछले करीब डेढ़ वर्ष से मार्ग निर्माण की बात ग्राम के जनप्रतिनिधियों के द्वारा कही जा रही है। वर्तमान तक किसी प्रकार की सड़क का निर्माण नहीं किए जाने से उक्त स्थान पर निचला स्थल बना हुआ है जल भराव की समस्या यथावत बनी हुई है। मोहल्ले में छोटे.छोटे बच्चे हैं जहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीण जीवनलाल मर्सकोले और मनीष खैरवार ने संयुक्त रूप से बताया कि यह सड़क पर पानी जमा होता है पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है और ना ही कोई साधन का निर्माण किया गया है। यहां पर आगे स्कूल मोहल्ले का पानी आकर जमा होता है हमारे मोहल्ले का भी पानी जमा होता है। अभी किसानी का समय है तो कोई ट्रैक्टर और कोई मवेशी अपने घरों में धुलते हैं तो वह भी पानी यहीं पर जमा होता है निकलता कहीं नहीं है। यहां से आने जाने में लोगों को दिक्कत होती है करीब तीन बार तो यहां पर दुर्घटना अभी हो गई है जिसमें लोग गिरकर घायल भी हुए हैं। यहीं से हम लोग और गांव के लोग पंचायत के लिए बायपास मार्ग से आना जाना करते है। यहां ऊंची सड़क और नाली बनाई जाए इसके लिए विधायक और सरपंच को दो.तीन बार बोला गया है पर वह बन जाएगी कहते हैं।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि १ वर्ष पहले विधायक विवेक पटेल के द्वारा ग्राम पंचायत को कार्य एजेंसी होने का लेटर जारी किया गया था। सड़क के स्वीकृत की बात कही गई थी उसके बाद कोई अपडेट नहीं मिली अभी पता चला है कि सड़क निर्माण की एजेंसी बदल दी गई है। इसके टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ होने की है उक्त विषय में लगातार अपडेट ली जा रही है ताकि जल्द सड़क का निर्माण हो।

जितेंद्र नगरगड़े
सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत कायदी

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी योजनाओं की समीक्षा

बीआरसी, बीईओ एवं जनशिक्षकों को शालाओं का सतत निरीक्षण करने के निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 17 जुलाई को जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी, बीईओ की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी योजनाओं की समीक्षा की । बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राहुल नायक, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन एवं सहायक यंत्री भास्कर शिव उपस्थित थे।

ऑनलाईन टीसी जारी नहीं करने वाले स्कूलो पर कार्यवाही करे

बैठक में कक्षा 01 से लेकर कक्षा 12 तक विद्यार्थियों के नामांकन, पाठ्यपुस्तक वितरण, साईकिल वितरण, एक पेड़ मॉ के नाम अभियान, शिक्षकों की ई-अटेंडेंस, अपार आईडी, छात्रवृत्ति भुगतान, छात्रवृत्ति के लिए ओटीआर पंजीयन की विकासखंडवार समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने निर्देशित किया कि कक्षा 01 से 12 तक नामांकन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए। कोई भी बच्चा शाला में प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए शाला त्यागी बच्चों एवं उनके परिवारों से सम्पर्क कर उनका शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने कहा गया। इस दौरान बताया गया कि कुछ प्राईवेट शालाओं द्वारा ऑनलाईन टीसी जारी नहीं करने के कारण नामांकन की प्रक्रिया में विलम्ब हो रहा है। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ऑनलाईन टीसी जारी नहीं करने वाले प्राईवेट स्कूलों के विरूद्ध कार्यवाही करे। जिन शालाओं का डाईस कोड प्राप्त नहीं हुआ है उसके लिए वरिष्ठ कार्यालय से सम्पर्क कर डाईस कोड जारी कराए। पोर्टल पर नामांकन के मामले में जिले की प्रदेश में अच्छी स्थिति होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तक वितरण की पोर्टल पर दो दिनों के भीतर एंट्री करे

पाठ्यपुस्तक वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने निर्देशित किया कि 02 दिनों के भीतर वितरित की गई पुस्तकों की पोर्टल पर ऑनलाईन एंट्री हो जाना चाहिए। ऑनलाईन पोर्टल पर पुस्तको का शत प्रतिशत वितरण नहीं दिखाए जाने पर संकुल प्राचार्यों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। साईकिल वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के विकासखंडो में साईकिले प्राप्त हो गई है। साईकिल प्रदाय करने वाली एजेंसी द्वारा वितरण के लिए साईकिल तैयार की जा रही है। इस पर कलेक्टर श्री मीणा ने सभी बीआरसी एवं बीईओ को सख्त निर्देश दिये कि 01 सप्ताह के भीतर साईकिलों का वितरण कर पोर्टल पर एंट्री करे। साईकिलों का वितरण निःशुल्क किया जाना है। अतः कहीं से भी छात्र छात्राओं से रुपये लिये जाने की शिकायत मिलेगी तो जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

प्रत्येक ब्लॉक में 10-10 हजार पौधे लगाए जाए

एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि हर विकासखंड में 10-10 हजार पौधे लगाये जाए। पौधे लगाने के साथ ही उनकी सुरक्षा और संरक्षण के कारगर उपाय किये जाए। लगाए गए पौधों की अंकुल एप्प पर भी एंट्री की जाए। शालाओं के जर्जर भवनों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 331 शाला भवन जर्जर स्थिति में है। इनके निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीणा ने सबसे अधिक जर्जर 100 भवनों की अलग से सूची तैयार कर उन्हें चिन्हित करने एवं शासन से राशि मिलने पर सबसे पहले उनका निर्माण प्रारंभ कराने कहा है।

शालाओं का निरीक्षण नही करने वाले बीआरसी, बीईओ एवं जनशिक्षकों पर होगी कार्यवाही

कलेक्टर श्री मीणा ने जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, बीआरसी, बीईओ, जनशिक्षक एवं संकुल प्राचार्यों को अपने क्षेत्र के स्कूलों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बीआरसी एवं बीईओ को निर्देशित किया गया कि यदि कोई शाला निर्धारित समय से बाद में खुलती है और समय से पहले बंद होती है तो वहां के शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय भेजे। बीईओ एवं बीआरसी को निर्देशित किया गया कि जब भी वे शालाओं का निरीक्षण करे तो उसक प्रतिवेदन फोटोग्राफ सहित जिला कार्यालय भेजे। यदि संज्ञान में यह बात आएगी कि किसी बीआरसी या जनशिक्षक द्वारा किसी शाला का एक माह से अधिक समय तक निरीक्षण नहीं किया गया है तो उस बीआरसी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

धोखाधड़ी कर फर्जी रजिस्ट्री के मामले में अपराध दर्ज

मामले में विक्रेता ,क्रेता एवं दो गवाह को बनाया गया आरोपी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम खापा में स्थित भूमि को धोखाधड़ी और बेईमानी कर फर्जी रजिस्ट्री के मामले में पुलिस के द्वारा १७ जुलाई को अपराध दर्ज कर लिया गया है। इसमें बताया जा रहा है कि किसी और की भूमि को किसी और के द्वारा स्वयं की दर्शाकर अपने दूसरे साथी को दो साथी गवाहों के साथ षड्यंत्र कर रजिस्ट्री करवा ली गई। जिसमें पुलिस ने विक्रेता देवकी बाई उइके, क्रेता ममता उर्फमुनिता मेश्राम ,गवाह मनोज मेश्राम ,स्वरूप टेंभरे के खिलाफ अपराध कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

यह हैं मामला

वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा में खसरा नंबर ५३६,५३७/१, ५३८/२ के अंतर्गत कुल रखवा १.११० हेक्टर भूमि प्रार्थी देवकी बाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष भरवेली बालाघाट हाल मुकाम ११ सत्यानंद विहार कॉलोनी रामपुर जबलपुर निवासी की है। जो जबलपुर में अपने पति शकरकांत सचदेव के साथ निवास करती है। उसकी उक्त भूमि को वर्ष २०२३ में देवकीबाई पति जीवन उइके उम्र ५८ वर्ष निवासी झालीवाड़ा के द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी और बेईमानी करते हुए। ममता उर्फ मुनिता पति मनोज मेश्राम उम्र ४० वर्ष ग्राम खापा निवासी के नाम ९ नवंबर २०२३ को उप पंजीयन कार्यालय वारासिवनी में विधिवत रूप से रजिस्ट्री कर जमीन बेच दी गई थी। जिसमें मनोज पिता राघोदास मेश्राम उम्र ५३ वर्ष खापा निवासी एवं स्वरूप पिता दशरथ टेंभरे झालीवाड़ा निवासी की पहचानकर्ता के रूप में गवाह बनकर बेज दी गई थी। जिसमें घटना की जानकारी भूमि की मुख्य वारसान देवकीबाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष भरवेली बालाघाट एवं हाल मुकाम जबलपुर निवासी को जानकारी लगने पर उसके द्वारा तत्काल घटना की जानकारी लेकर शिकायत पुलिस थाना वारासिवनी में की गई थी। शिकायत में बताया था की यह भूमि का विक्रय इनके द्वारा षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी कर किया गया हैं। उक्त शिकायत पत्र पर पुलिस अधिकारियों के द्वारा गंभीरता से जांच की गई जिसमें दस्तावेजों का भी सत्यापन किया गया। इस संपूर्ण पुलिस जांच में यह संपत्ति की धोखाधड़ी षड्यंत्र बेईमानी किए जाने की पुष्टि होने पर १७ जुलाई को मामले में अपराध कायम किया गया। पुलिस ने प्रार्थी देवकीबाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष की रिपोर्ट पर देवकी बाई पति जीवन उइके निवासी झालीवाड़ा ,ममता उर्फमुनिता पति मनोज मेश्राम निवासी खापा ,मनोज पिता राघोदास मेश्राम निवासी खापा ,स्वरूप पिता दशरथ टेंभरे निवासी झालीवाड़ा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ४१९,४२०,१२० बी ४६७,४६८,४७१ के तहत अपराध कायम कर जांच में लिया है।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि आवेदन जांच के उपरांत मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया है। जिसमें क्रेता विक्रेता और गवाहों को आरोपी बनाया गया है मामले में विवेचना की जा रही है।

पवन यादव
उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी

श्री राम मंदिर में प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के श्री राम मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावण मास के पावन अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन शाम से आयोजित किया जाता है जिसमें भगवान हनुमान जी को लुभाने वाले सुंदरकांड पाठ का प्रतिदिन सामूहिक रूप से पाठ किया जा रहा हैं। जिसमें प्रतिदिन नगर के परिवारों के द्वारा कार्यक्रम में भाग लेकर आरती की जा रही है वहीं बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया जा रहा है। यह संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ ही भगवानों के संगीतमय भजनों

की मनमोहक प्रस्तुति भी दिए जा रही है । तत्पश्चात आरती कर ईश्वर से क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना की जा रही है। समिति सदस्यों ने बताया कि बीते कुछ वर्षों से श्रावण मास के पावन अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है, यह प्रतिदिन पूरे श्रावण मास के अवसर पर किया जाता है । इस वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें शाम ८ बजे से विधि विधान से पूजा अर्चना कर संगीतमय पाठ किया जाता है विभिन्न भजनों की प्रस्तुति दी जाती है। यह आयोजन करने का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को धर्म से जोड़ना है और नगर में धर्ममय वातावरण का निर्माण करना है। यह जो सावन का महीना होता है वह पूजा आराधना का महीना होता है इस दौरान हर कोई अपने स्तर से अपने आराध्य के लिए पूजा अर्चना करते रहते हैं। ऐसे में श्री राम मंदिर में सुंदरकांड का आयोजन हो रहा है नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह मंदिर में पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद एवं धर्म लाभ अर्जित करें।

महाविद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में प्रभारी प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी एवं विधि विभागध्यक्ष नरेन्द्र कुमार डोंगरे के नेतृत्व में विधिक जागरूकता शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. हेमन्त कुमार मंडाले की मौजूदगी में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने भारतीय संविधान में जो मौलिक अधिकार वर्णित है उनका क्रमबद्ध रूप से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि पहला मौलिक अधिकार समता का अधिकार है जिसमें सभी वर्गो के मनुष्यों के साथ बिना किसी भेद-भाव के समानता का व्यवहार किया जाता है। दूसरा अधिकार स्वतंत्रता का अधिकार है जो हमें अनुच्छेद १९ के अंतर्गत भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, उससे किसी भी व्यक्ति को वंचित नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद २१ में प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के बारे में बताया कि जिसमें मेनका गांधी बनाम भारत संघ का महत्वपूर्ण घटनाक्रम जिसके अंतर्गत यदि समाज में कोई व्यक्ति गिरफ्तार होता है तो उसे जमानत के आधार पर छोड़े जाने का प्रावधान है। अनुच्छेद ३२ के तहत संवैधानिक उपचारो का अधिकार प्रदान किया गया है जिसके अंतर्गत यदि किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का उलंघन होता है तो वह याचिका के माध्यम से अनुच्छेद ३२ एवं अनुच्छेद २२६ के तहत उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय जा सकता है। याचिका सामान्य आवेदन के साथ दायर की जा सकती है।

यदि महिलाओं के किसी अधिकार का उलंघन होता है तो उसके लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया है। जिसके अंतर्गत महिलाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाता है। वहीं हेमंत कुमार मंडाले ने कहा कि विधि के छात्र जब अधिवक्ता बनते है तो वह न्यायापालिका और समाज के बीच महात्वपूर्ण भूमिका निभाते है। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी कृष्णा पराते ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस एक्ट को भी कोई नाम दीजिये जनाब ?

याद कीजिए 31 मार्च, 2016 को राज्य में हो रहे चुनावी दंगल के बीच कोलकाता में विवेकानंद फ्लाईओवर गिरने की घटना और उसके बाद इस हादसे पर हुई जबरदस्त राजनैतिक बयानबाजी को । इस हादसे को लेकर बंगाल की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने जबरदस्त हमला बोला था। उस हादसे में 25 लोग मारे गये थे। पुल निर्माता कम्पनी ने इस हादसे को दैवीय कृत्य बताकर हादसे के कारण पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। परन्तु उसी दौरान बंगाल में अपनी चुनावी सभाओं में इस हादसे को जोरदार चुनावी मुद्दा बनाते हुये तरह तरह की बातें की थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मौत की राजनीति करने का आरोप लगाया था। मोदी ने कहा था कि कोलकाता में हुआ फ्लाई ओवर हादसा दैविक संदेश है कि लोग बंगाल को तृणमूल कांग्रेस से बचाएं। यह एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं एक्ट ऑफ़ फ्रॉड है। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि वामपंथ और दक्षिणपंथ को भूल जाइए, उनके बारे में चिंता कीजिए जो मर रहे हैं। कम से कम मृतकों को तो सम्मान दीजिए। लेकिन दीदी को मरते लोग नहीं, कुर्सी दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि उनकी(ममता) बेशर्मी तो देखिए। यह एक बड़ा हादसा था, लेकिन उन्होंने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि ठेका पिछली वाम मोर्चा की सरकार के शासनकाल में दिया गया था। मैं दीदी से यह बात पूछना चाहता हूं कि पुल निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसके उद्घाटन के वक्त उन्होंने क्या यह बात कही कि इसका ठेका वाम मोर्चे की सरकार ने दिया था? नहीं, आपने इसका श्रेय लिया। अब चूंकि यह गिर चुका है, इसलिए आप दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। यह आपकी पैसे और मौत की राजनीति का एक हिस्सा है। उसी समय मोदी ने बड़े गर्व से यह भी फरमाया था कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, वहां चौतरफा विकास हो रहा है। आपने बंगाल में वाम और तृणमूल को बहुत देखा और दोनों ने बंगाल को बर्बाद करने के लिए सब कुछ किया। भाजपा को एक मौका दीजिए और हम आपको दिखाएंगे कि विकास का मतलब क्या होता है। परन्तु इत्तेफाक से मोदी के इस भाषण के बाद ही भाजपा शासित राज्यों के कथित विकास मॉडल की जो पोल खुलनी शुरू हुई वह परत दर परत खुलती ही जा रही है। खासकर भाजपा शासित उस गुजरात राज्य की जिस के विकास मॉडल का नाम पर 2013 से लेकर देश को ठगा जा रहा था। परन्तु एक के बाद एक कई बड़े हादसे होने के बाद अब गुजरात मॉडल का नाम लेना कम हो गया है। अन्य भाजपा शासित राज्यों की तो बात ही छोड़िये केवल गुजरात में ही हाल के वर्षों में कई पुल टूटने की घटनाएँ सामने आई हैं। इनमें अभी ताजातरीन घटना महिसागर नदी पर बने वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले गंभीरा ब्रिज के ढह जाने की हुई। गत 9 जुलाई को यह विशाल एवं व्यस्त पुल ढह गया जिसके चलते 5 वाहन नदी में गिर गये। इस हादसे में 17 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोग अभी भी लापता बताये जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि रखरखाव के अभाव के चलते यह व्यस्त पुल जर्जर होता जा रहा था जो सरकार की अनदेखी के कारण एक बड़े हादसे की नौबत तक आ पहुंचा। इसी मॉडल राज्य में 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी केबल ब्रिज हादसा हुआ था जबकि मच्छू नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया था। 7 महीने के नवीनीकरण के बाद पर्यटकों हेतु यह पुल खोला गया था। इस सस्पेंशन ब्रिज टूटने के हादसे के समय पुल पर 300 से अधिक लोग मौजूद थे, जो इसकी क्षमता से ज्यादा थे । इस हादसे में 135 लोगों की मौत हुई थी और 56 लोग घायल हुए थे। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत कार्यों का निर्देश दिया था और मृतकों के लिये 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी।

भारत माता का दुश्मन है चीन जिससे पास जाना देशहित में नहीं है

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्ट्ह) में सोमवार 15 जुलाई को 5साल बाद जाना देश के लिए शर्म की बात है चीन में रहते हुए, जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने से देश के प्रति स्नेह नहीं व्यापार हेतु जाना ठीक नहीं था उन्होंने ऐ भी कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में अच्छी प्रगति हुई है, और उन्होंने सीमा पर तनाव के समाधान का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। हालाँकि, उन्होंने सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी ?ो भेज रहा है और इन आतंकवादी ?ो चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत ?ो वहीं जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात ?ो दर्शाता है कि आपकी नहीं सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करो? देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम ठ्ठुद्ध्द्ध है कि वो सिखायेगा कि भारत ?ो क्या करना है भारत के सैनिको में जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अत: ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा.इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इसी पैसे से फिर आतंकवादी को भारत के खिलाफ हथियार देगा छोड़ो इसे नहीं चाहिए देश सर्वोपरि है।

इससे विदेश में न्यूज में अच्छा नहीं लग रहा है भारत के स्वाभिमान का प्रश्न है भारतीय लोग भगवान राम के भक्त हैं जो मर सकते हैं लेकिन देश से कभी चीन और पाकिस्तान की धरती पर पैर नहीं रखेंगे जिन्होंने हमारे ही भाई बहन के पहलगांव में आतंकवादी हमले में मारे गए थे और पाकिस्तान के साथ युद्ध में चीन ने खुला समर्थन किया था ऐ मैं नहीं सेना के उप प्रमुख कह चुके हैं अत: सर कटा सकते हैं लेकिन दुश्मन के आगे सर नहीं झुका सकते हैं यहीं गुरु गोविन्द सिंह जी ने भी भारतीय को एक संदेश दिया कि अपना ईमान धर्म कभी दुश्मन के आगे नहीं झुकाना शरीर का क्या है ऐ तो मरने के लिए ही पैदा हुआ है।

-संजय गोस्वामी

न्यू मीडिया में हिंदी सामग्री में हो रही उल्लेखनीय प्रगति

नवीन संचार तकनीकों की क्रांति ने जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर संवाद और अभिव्यक्ति के स्वरूप को परिवर्तित किया है, उसी परिवर्तन ने भारत जैसे बहुभाषिक देश की प्रमुख भाषा 'हिंदी' को भी एक नई पहचान और नई शक्ति दी है। पहले जहाँ हिंदी को पारंपरिक मीडिया- जैसे रेडियो, दूरदर्शन और प्रिंट पत्रकारिता तक सीमित देखा जाता था, वहीं आज न्यू मीडिया ने इसे बहुआयामी और वैश्विक मंच प्रदान किया है। हिंदी भाषा अब केवल साहित्यिक या प्रशासनिक सीमाओं में सिमटी नहीं रह गई, बल्कि उसने फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिंग, पॉडकास्ट, ओटीटी, ऑनलाइन शिक्षा, वेब पत्रकारिता और डिजिटल मार्केटिंग जैसे सभी प्रमुख न्यू मीडिया प्लेटफार्मों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की है। इस लेख में हम हिंदी की डिजिटल यात्रा की इस उल्लेखनीय प्रगति का बहुआयामी मूल्यांकन करेंगे। न्यू मीडिया का सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि यह विकेंद्रीकृत है, जन-सुलभ है और पारंपरिक नियंत्रणों से मुक्त है। यही कारण है कि हिंदी भाषा, जो लंबे समय तक शहरी अभिजात्य मीडिया में हाशिये पर थी, न्यू मीडिया के मंच पर केंद्र में आ गई है। आज एक साधारण ग्रामीण व्यक्ति भी अपने मोबाइल फोन से यूट्यूब चैनल बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है या फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अपने विचारों को लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है-और वह भी अपनी मातृभाषा हिंदी में। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यूट्यूब पर मौजूद हजारों हिंदी चैनल हैं, जिनमें कृषि से लेकर राजनीति, शिक्षण से लेकर हास्य, खाना बनाने से लेकर टेक्नोलॉजी तक हर क्षेत्र की सामग्री हिंदी में बनाई जा रही है और करोड़ों दर्शकों तक पहुँच रही है। यही नहीं, हिंदी चैनल अब अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि न्यू मीडिया ने हिंदी को सीमाओं से परे पहुँचाया है। यह प्रगति मात्र तकनीकी सुविधा का परिणाम नहीं है, बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन की द्योतक है। डिजिटल युग ने लोगों की यह धारणा तोड़ दी है कि ज्ञान, संवाद और नवाचार केवल अंग्रेज़ी भाषा के दायरे में ही संभव हैं। न्यू मीडिया ने हिंदी को विचार और विमर्श की भाषा बना दिया है। हिंदी में न केवल मनोरंजन की सामग्री बन रही है, बल्कि गंभीर राजनीतिक विश्लेषण, साहित्यिक आलोचना, वैज्ञानिक संवाद, पर्यावरणीय विमर्श और स्त्रीवादी विचार भी डिजिटल रूप से अभिव्यक्त किए जा रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, 'दी लल्लनटॉप' जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने हिंदी पत्रकारिता को एक नई ऊर्जा और शैली प्रदान की है। वहीं, 'द क्विंट हिंदी', 'गाँव कनेक्शन', 'हिंद किसान', 'जनचौक' आदि पोर्टल्स ने हिंदी में डिजिटल पत्रकारिता को विश्वसनीयता और विस्तार प्रदान किया है।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया ने हिंदी की रचनात्मकता को अभूतपूर्व मंच दिया है। फेसबुक पर रोज़ाना हजारों हिंदी कविताएँ, कहानियाँ, संस्मरण और विचार प्रकाशित होते हैं। ट्विटर पर सहिंदीकविता या सहिंदीशायरी जैसे ट्रेंड बतलाते हैं कि हिंदी साहित्य अब केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि डिजिटल संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। वहीं, इंस्टाग्राम और रील्स जैसे विजुअल माध्यमों पर भी हिंदी की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वहाँ युवा पीढ़ी हिंदी के मिश्रण से नया शहरी-सांस्कृतिक रूप गढ़ रही है, जो न केवल भाषा के प्रति अपनत्व को दिखाता है, बल्कि उसकी सृजनात्मक उर्वरता को भी सिद्ध करता है। हिंदी की यह प्रगति डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय है। COVID-19 महामारी के बाद जब पूरा विश्व ऑनलाइन शिक्षण की ओर मुड़ा, तब हिंदी में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री की भारी माँग उत्पन्न हुई। इस आवश्यकता ने हजारों हिंदी यूट्यूब एजुकेटर को जन्म दिया- जो प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर तकनीकी विषयों और भाषा प्रशिक्षण तक को हिंदी में सिखा रहे हैं। उदाहरण के लिए, 'Study IQ Hindi', 'Wifistudy', 'nacademy Hindi', 'Physics Wallah' जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स ने हिंदी माध्यम के छात्रों को डिजिटल माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने का सशक्त साधन दिया है। यह परिवर्तन न केवल भाषाई न्याय का संकेत है, बल्कि डिजिटल साक्षरता के समावेशी स्वरूप का भी परिचायक है। साहित्यिक दृष्टि से भी यह काल हिंदी के लिए अत्यंत उर्वर सिद्ध हो रहा है। ब्लॉगिंग, ई-पत्रिकाएँ, ई-बुक्स और पॉडकास्ट ने हिंदी साहित्य को नए पाठकों और श्रोताओं से जोड़ा है। 'हिंदवी', 'प्रतिलिपि', 'कविता कोश', 'गद्य कोश', 'रेख्ता' आदि पोर्टल्स और एप्स पर लाखों पाठक हिंदी साहित्यिक सामग्री पढ़ते हैं। ऑडियोबुक प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि 'Storytel', 'Kuku FMÓ और 'Pocket FMÓ ने हिंदी साहित्यिक धरोहर को आवाज़ दी है, जिससे प्रेमचंद, अज्ञेय, रेणु, शिवानी जैसे लेखकों की कहानियाँ पुन: जीवंत हो रही हैं। साथ ही, नए लेखक भी डिजिटल रूप से प्रकाशित हो रहे हैं, जिनकी रचनाएँ अब प्रिंट में आए बिना ही लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। हालाँकि, यह प्रगति कुछ चुनौतियों के साथ भी आती है। हिंदी सामग्री की गुणवत्ता, तथ्यात्मक सटीकता, भाषा शुद्धता और व्याकरणिक अनुशासन की कमी अनेक बार देखने को मिलती है। इसके अतिरिक्त, हिंदी कंटेंट को व्यावसायिक रूप से लाभकारी बनाने में अभी भी कई बाधाएँ हैं। अधिकांश विज्ञापन एजेंसियाँ अभी भी अंग्रेज़ी को प्राथमिकता देती हैं। न्यू मीडिया एल्गोरिद्म्स भी अंग्रेज़ी सामग्री को अधिक प्रोमोट करते हैं। हिंदी सामग्री निर्माताओं को तकनीकी टूल्स की सीमाओं, अनुवाद की कठिनाइयों और डिज़िटल संसाधनों की अनुपलब्धता का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु सरकार, तकनीकी कंपनियों, विश्वविद्यालयों और स्वतंत्र शोध संस्थाओं को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

एक हिंदी डिजिटल सामग्री आयोग की स्थापना की जानी चाहिए, जो गुणवत्ता, भाषा नीति और आर्थिक समर्थन पर कार्य करे। हिंदी को डिजिटल एआई और मशीन ट्रांसलेशन में शामिल करने के लिए विशेष प्रोग्राम विकसित किए जाने चाहिए। साथ ही, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल हिंदी साक्षरता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि अधिकाधिक लोग हिंदी के माध्यम से न्यू मीडिया का लाभ ले सकें। इस समूचे परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट है कि न्यू मीडिया में हिंदी सामग्री की जो प्रगति हो रही है, वह मात्र भाषा के लिए नहीं, बल्कि भारत की सामाजिक समावेशिता, सांस्कृतिक निरंतरता और डिजिटल आत्मनिर्भरता के लिए भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हिंदी अब केवल 'मातृभाषा' नहीं, बल्कि 'डिजिटल क्रांति की अग्रदूत भाषा' बन चुकी है। यह न केवल विचारों को अभिव्यक्त कर रही है, बल्कि पहचान, अवसर, सशक्तिकरण और वैश्विक संवाद का माध्यम भी बन रही है। आवश्यकता केवल यह है कि इस दिशा में नीतिगत, तकनीकी और सांस्कृतिक रूप से संगठित प्रयास हों, ताकि यह प्रगति सतत, सर्वसमावेशी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली बन सके।

-डॉ. शैलेश शुक्ला

नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 की घोषणा हुई नहीं परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू

वैश्विक स्तरपर कुछ वर्षों से सारी दुनियाँ देख रही है की विशेष रूप से राजनीतिक वजन रखने वाले व्यक्ति अपने उस राजनीतिक वजन को बढ़ाने व मजबूत करने विश्व के सबसे बड़े पुरस्कार पाने की जिज्ञासा रखते हैं, उसके लिए अंदरखाने उठापटक करते हैं,गुणाभाग करते हैं, ताकि वह पुरस्कार उसको मिल जाए, परंतु वे शायद यह भूल जाते हैं कि ऐसे भी कई लोग हैं जिन्होंने उस क्षेत्र में अपना पूरा जीवन, छुपा रुस्तम रहकर नश्वर कर दिया है, परंतु कभी पुरस्कार कि आस नहीं रखी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पाने वाला व्यक्ति वही होना चाहिए,जिसका टारगेट पुरस्कार नहीं वह संबंधित काम हो, वैचारिकता ऐसी होनी चाहिए कि मैं पुरस्कार के पास नहीं जाऊंगा, पुरस्कार मेरे पास चलकर आएगा,यह बात तब होती है,जब उसका काम बोलता है और पुरस्कार भी उसके पास दौड़े चले आता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि, पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से जोड़कर जो शांति नोबेल पुरस्कार की चर्चा चल रही है, व अभी पाक के बाद इजरायल ने भी ट्रंप का नॉमिनेशन कर दिया है परंतु दुनियाँ देख रही है, पाक-इजराइल का युद्ध में व्यवहार व दूसरी ओर अभी इज़राइल- हमास रूस-यूक्रेन चरम पर है तो इधर भारत-पाक थाईलैंड- कंबोडिया तनातनी भी बनी हुई है, अभी तक इनके बीच शांति का कोई ठोस आधार नहीं है। चूँकि नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 का घोषित हुआ ही नहीं है, परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू हो गया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक पुरस्कार (नोबेल या कोई भी) पानें का हकदार वही है, जो खुद नहीं उसका काम बोले, उसे मांगना नहीं पड़े उसे देने की मांग उठे,पुरस्कार चलकर उसके पास आए।

साथियों बात अगर हम ट्रंप को संभाव्य नोबेल शांति पुरस्कार 2026 की जोरों पर हो रही चर्चा की करें तो,डायनामाइट के आविष्कारक और स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत कहती है कि नोबेल का शांति पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाना चाहिए,जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ाने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, तथा शांति सम्मेलनों की स्थापना और संवर्धन के लिए सबसे अधिक या सर्वोत्तम कार्य किया हो, इजरायल और पाकिस्तान की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम इस पुरस्कार के लिए भेजे जाने पर सोशल मीडिया में खूब चर्चा हो रही है कि इस पुरस्कार को किसे दिया जाना चाहिए और किसे नहीं।गौरतलब है कि अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों को यह पुरस्कार मिल चुका है, इनके नाम हैं- थियोडोर रूजवेल्ट, वूड्रो विल्सन, जिमी कार्टर और बराक ओबामा। अगर ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलेगा तो वे इससम्मान को पाने वाले 5 वें अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे।नोबेल शांति पुरस्कारों को अक्सर राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, नोबेल पुरस्कार की वेबसाइट का स्वयं मानना है कि कुछशख्सियतें जिन्हें शांति पुरस्कार मिले हैं वे अत्यधिक विवादास्पद राजनीतिक एक्टिविस्ट रहे हैं। इन पुरस्कारों ने अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय संघर्षों की ओर जनता का ध्यान भी बढ़ाया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा को प्रेसिडेंट बनने के कुछ महीनों बाद ही यह पुरस्कार मिल गया था, इसपर काफी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थी।1994 में एक सदस्य ने तब पद छोड़ दिया जब फिलिस्तीनी नेता यासर अराफात ने इजरायल के शिमोन पेरेज और यित्जाक राबिन के साथ नोबेल का शांति पुरस्कार साझा किया था। अब वर्ष 2026 के लिए इस पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने के बाद ट्रंप उत्साहित हैं, उन्होंने इस नॉमिनेशन के लिए इजरायल के पीएम की तारीफ भी की थी। ट्रंप लंबे समय से इस पुरस्कार के लिए खुद को दावेदार मानते हैं,फरवरी में बेंजामिन से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा था,वे लोग हमें कभी भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देंगे, ये बहुत गलत है, लेकिन मैं इसके योग्य हूं, पर वो मुझे देंगे नहीं, इसके बाद जून में इजरायल-ईरान के बीच लड़ाई हुई, इस जंग के बाद इजरायल ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया।

बता दें कि ट्रंप को 2018, 2020 और 2021 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया जा चुका है, इसके बाद ट्रंप ने एक बार फिर से अपनी पैरवी शुरू कर दी है। 8 जुलाई को एक रैली में ट्रंप ने कहा हम एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं जिस पर कई दशकों में हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं, यह शांति की कोशिश है और यह इज़रायल के प्रयासों का नतीजा है, ये वो चीजें हैं जिनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि वे की जा सकती हैं, आप जानते हैं कि यह एक अद्भुत बात है.अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, मैं यह अहंकार से नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया था, अब मुझे आपको बताना होगा यह एक बड़ी बात है,और दूसरे नेटवर्क और अधिकांश समाचारों ने इसे कवर नहीं किया, क्या आप कल्पना कर सकते हैं? जब ओबामा सत्ता में आए, तो उन्होंने कहा, हम उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार देने जा रहे हैं इसपर ओबामा ने सचमुच कहा, मैंने क्या किया? मैंने कुछ नहीं किया, उन्होंने आठ साल तक कुछ नहीं किया, सचमुच में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कुछ ही हफ्तों में ओबामा को नोबेल पुरस्कार दे दिया।

साथियों बात अगर हम नोबेल शांति पुरस्कार व ट्रंप की हड़बड़ी को जानने की करें तो, नोबेल पुरस्कार विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, इनकी स्थापना स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के तहत हुई थी, नोबेल पुरस्कार की छह श्रेणियां हैं, जिनमें नोबेल शांति पुरस्कार भी शामिल है, अन्य पांच नोबेल पुरस्कार श्रेणियां हैं- भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान या चिकित्सा, साहित्य और आर्थिक विज्ञान।नॉर्वे की नोबेल समिति इस पुरस्कार की विजेता तय करती है, हालांकि, नामांकन की अंतिम तारीख 31 जनवरी होती है, इसलिए नेतन्याहू का यह नामांकन 2026 के पुरस्कार के लिए माना जा सकता है,2025 के लिए नहीं।ट्रंप की हड़बड़ी के कुछ कारण-(1)ओबामा से तुलना-ट्रंप अक्सर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर इशारा करते हैं, जिन्होंने अपनेकार्यकाल के शुरुआती महीनों में ही नोबेल शांति पुरस्कार जीता था, ट्रंप खुद को एक महान शांतिदूत के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, और ओबामा की उपलब्धि को पार करना चाहते हैं।(2)अपनी छवि को सुधारना-ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान कई विवादास्पद नीतियां अपनाई थीं, जिसके कारण उनकी छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल हुई थी. नोबेल शांति पुरस्कार उन्हें एक शांतिदूत के रूप में पेश करने का एक शानदार अवसर होगा, जो उनकी छवि को सुधारने में मदद कर सकता है।(3)2026 के राष्ट्रपति चुनाव में, ट्रंप को एक मजबूत उम्मीदवार के रूप में पेश करने के लिए, नोबेल शांति पुरस्कार एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है. यह पुरस्कार उन्हें जनता के बीच एक लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकताहै। (4) अंतर्राष्ट्रीय मान्यता-ट्रंप ने कई बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने, इजरायल और अरब देशों के बीच शांति स्थापित करने और अन्य देशों में संघर्षों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैनोबेल शांति पुरस्कार उन्हें इन दावों को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। विवाद-हालांकि, ट्रंप के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रयास पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं, कुछ लोगों का मानना है कि ट्रंप ने वास्तव में शांति के लिए कोई ठोस काम नहीं किया है, और उनका पुरस्कार के लिए प्रयास सिर्फ एक दिखावा है. कुछ का यह भी मानना है कि ट्रंप की विदेश नीति संघर्षों को सुलझाने के बजाय, उन्हें बढ़ावा देती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत,ट्रंप का गुणा भाग उतावलापन -शांति स्थापित करने के दावों का ठोस सबूत नहीं?-राह आसान नहीं नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 की घोषणा हुई नहीं परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू, वैश्विक पुरस्कार (नोबेल या कोई भी) पानें का हकदार वही है, जो खुद नहीं उसका काम बोले, उसे मांगना नहीं पड़े उसे देने की मांग उठे,पुरस्कार चलकर उसके पास आए।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। मॉंग की मजबूती व सुस्त आवकों के चलते गुरूवार को किराना बाजार में नारियल बढ़ाकर बोला गया। शक्कर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में बाजार नरमी पर रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियलों में आवक 5 गाड़ी की रही। कमजोर आवकों व मॉंग की मजबूती से भावों में जोरदार तेजी कायम रही। शक्कर में सुस्ती देखी गयी। खाद्य तेलों में बाजार सुस्ती के रहे। दलहनों में चना मामूली लटक पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4125, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1135-1140, सोया रिफाइंड 1210-1220, कपास्या 1310, धूलिया 1300, कड़ी 1290,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1400, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1220,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6800-6900, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5400-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 110500, चॉंदी (99) 110400, टंच 109800, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 97600,

पंजाब में बनेगी 22 उद्योग-विशेष समितियां- संजीव अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार नई औद्योगिक नीति तैयार कर रही है, जिसके लिए 22 उद्योग-विशेष समितियां गठित की जाएंगी। इन समितियों में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक समिति में 8 से 10 सदस्य होंगे और एक चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। अरोड़ा ने बताया कि इन समितियों को सरकार को सुझाव देने और नीतिगत बदलाव सुझाने का अधिकार होगा। समितियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, और उन्हें 45 दिन के भीतर अपनी पहली रिपोर्ट सौंपनी होगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन समितियों की सिफारिशों के आधार पर नई नीति का प्रारूप तैयार करेगी।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए करियर के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। आपको नई नौकरी के मिलने से मन काफी खुश रहेगा। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। आप संतान को कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उस पर खरे उतरेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ हुआ काम पूरा हो सकता है। आप किसी नए घर की खरीदारी कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको कोई निवेश को सोच समझकर करना होगा। दोस्तों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को थोड़ा समय से निपटाने की आवश्यकता है। आप किसी काम में सोच समझकर हाथ बढ़ाएं। बिजनेस में आज उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपको तालमेल बनाकर चलना होगा। आपको किसी भी मामले में बड़े लोगों की सलाह लेना बेहतर रहेगा। संतान के भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे।

कर्क- आज आपको किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि आपके विरोधी कामों में विघ्न डालने की कोशिश करेंगे। आप किसी से कोई वादा सोच समझकर करें। माताजी से आप अपने मन की इच्छा को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप मित्रों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको राजनीति में थोड़ा समझदारी दिखाते हुए इन्वेस्टमेंट करना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचने के लिए रहेगा। आप किसी को परिजन से मेल-मिलाप कराने ले जा सकते हैं। आपको अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी में ढील बिलकुल नहीं देनी है। मित्रों का आपका पूरा सहयोग मिलेगा। आप किसी यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर रहे थे, तो उसमें आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आपका कोई काम लटक सकता हैं। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यवसाय में आपको दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी और आप अपनी आय को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देंगे। भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपकी आय बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा। आप अपने मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, लेकिन अत्यधिक काम रहने के कारण आपको थकान आदि बनी रहेगी। आपको अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों में ढील बिल्कुल नहीं देनी है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मिलाप करने आ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी जीवनसाथी से खूब पटेगी और आप उनको शॉपिंग आदि पर भी लेकर जा सकते हैं, लेकिन आपको अपने बिजनेस पर भी पूरा ध्यान देना होगा। यदि आपने पार्टनरशिप की हुई थी, तो उसमें आपको धोखा मिल सकता है। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आप अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें, नहीं तो कोई लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। करियर में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से कुछ खटपट हो सकती है। आप राजनीति में मान-सम्मान मिलने से काफी खुश रहेंगे। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा जागरुक हो सकती है। आपको अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान देना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से अच्छी सफलता मिलेगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। आज का दिन सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको संतान के करियर को लेकर थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। नौकरी में आपके विरोधी बढ़ सकते हैं। परिवार में किसी पूजा-पाठ का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा संयम बरतने की आवश्यकता है। पारिवारिक जीवन में गलतफहमी के कारण समस्याएं खड़ी हो सकती है, जिन्हें आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलना होगा। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी परेशानियां बढ़ सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। भाई -बहनों से रिश्तों में यदि कुछ दूरियां आ गई थी, तो वह भी दूर होंगी और सामाजिक क्षेत्रों में आज आप परचम लहराएंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपके बॉस भी आपकी दी गई सलाह से काफी खुश होंगे। आप गरीबों की सेवा के लिए कुछ धन भी दे सकते हैं। आपके धन धान्य में वृद्धि होगी। आपका वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम बनाए रखना होगा।

शब्दजाल - 7963

शब्दजाल में 'हेलन' अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

ती	स	री	मं	जि	ल	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	का	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ज	ल	श	जिं	द	गी
क	कु	दा	म	धा	ब	ल	प	ख	श	रा
क	ति	शि	न	इं	क	र	ल	ग	वी	म
शो	ले	ल	का	का	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ब
ती	अ	ल	श	र	प	म	ज	कौ	ला	ल
क	ह्व	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	रा
क	न	थो	तें	ज्वे	ल	थी	फ	शा	जू	म
द	ढ़	ल	प	आ	र	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	वो	कौ	न	थी	जा	एं	प	क

शोले,ज्वेलथीफ,शिकार,राम बलराम, इंतकाम, इंकार,वो कौन थी, जिंदगी,तीसरी मंजिल, काजल

शब्दजाल - 7962 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.18 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	07.38 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.50 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.15 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.31 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.36 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.23 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.56 बजे से
राहुकाल		मेष	23.26 बजे से
10.30 से		वृष	01.06 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	03.04 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 199 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 17.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 02.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 06.48 बजे तदनन्तर धृति 03.56 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 06.08 बजे, कौलव 17.02 बजे तदनन्तर तैतिल 03.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872409 **जूलियन दिन** 2460874.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6907

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6906

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संपत्ति बनाम सुख

बहुत पुरानी कथा है। एक बड़ा व्यापारी था। उसका नाम था माइडाज। वह बेहद लालची था। उसके पास किसी चीज की कमी नहीं थी लेकिन दिन-प्रतिदिन कुछ और पाने की उसकी ललक बढ़ती ही जाती थी। सोने के लिए उसके भीतर खास कमजोरी थी। वह दिन-रात सोने के ख्यालों में खोया रहता। वह कल्पना किया करता कि उसका विशाल घर सोने से भर जाए। उसने धन कमाने के साथ-साथ देवता की आराधना की। उसकी साधना से प्रसन्न होकर देवता ने उससे कोई वर मांगने को कहा। सोने के लालची माइडाज को और तो कुछ सूझा नहीं। उसने कहा, 'प्रभो, आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो मुझे यह वर दीजिए कि मैं जो भी छुऊं, वह सोने का हो जाए।' देवता ने कहा, 'ऐसा ही होगा।' यह कहकर वह चले गए। माइडाज ने सबसे पहले अपने महल के खम्भे छुए। वे एकदम सोने के हो गए। फिर तो उसने एक-एक करके अपने घर की सारी चीजें छू डालीं। सब सोने की हो गईं। उसे भूख लगी। उसने खाना मंगवाया। जैसे ही उसने खाने को छुआ वह सोने का हो गया। यह तो बड़ी मुसीबत हो गई। वह सोना खाकर पेट नहीं भर सकता था और भूखा रहकर जी नहीं सकता था। उसका सारा आनंद विषाद में परिणत हो गया। उसकी एक लड़की थी। वह पिता के वरदान से बड़ी खुश थी पर पिता की व्यथा से बहुत दुखी हुई। वह दौड़ी-दौड़ी पिता के पास आई। उसका पिता तो शोक-सागर में डूबा था। बेटी के सामने आते ही वह बिलखते हुए उसकी ओर बढ़ा। जैसे ही उसके कंधे पर हाथ रखा लड़की सोने की हो गई। माइडाज की दुनिया लुट गई। वह समझ गया कि आदमी को धन-दौलत जीवित नहीं रखती। वह जीवित रहता है प्यार के लिए, वह जीवित रहता है सुख के लिए। लेकिन वह प्यार, वह आनंद, वह सुख धन-संपत्ति में नहीं है।

सूडोकू नवताल- 7216

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7215 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8431

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -8430 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मामूली बढ़त के साथ खुले स्थानीय शेयर बाजार

मुंबई। एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगभग सपाट स्तर पर खुले। निवेशक कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे और भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टिप्पणियों के बीच सतर्क रुख अपना रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 88 अंक की मामूली बढ़त लेकर 82,753.53 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सुबह शुरुआत के बाद यह 16.57 अंक की बढ़त लेकर 82,651.05 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 की शुरुआत फ्लैट रही। यह मामूली बढ़त के साथ 25,230.75 अंक पर खुला। फिलहाल यह मामूली बढ़त के साथ 25,212 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट लिमिटेड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स और टाइटन कंपनी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। इनमे शुरूआती कारोबार में एक फीसदी तक की तेजी देखने को मिल रही है। दूसरी तरफ,

टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल (ज़ोमैटो), रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचयूएल और अदानी पोर्ट्स गिरावट में रहने वाले शेयरों में शामिल रहे। इनमें 1.25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजार- एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.46 फीसदी गिरकर कारोबार कर रहा है। जबकि टॉपिक्स इंडेक्स सपाट रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.79 फीसदी टूटा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.54 फीसदी चढ़ गया। अमेरिकी बाजार- अमेरिकी बाजारों के फ्यूचर्स में गिरावट रही। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.17 फीसदी, नेस्डेक 100 फ्यूचर्स 0.18 फीसदी और डाउ जोन्स फ्यूचर्स लगभग 80 अंक नीचे रहे। हालांकि, बुधवार को अमेरिकी बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.32 फीसदी, डाउ जोन्स में 0.53 फीसदी और नैस्डैक में 0.26 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक लगातार नौवें दिन रिकॉर्ड क्लोज पर बंद हुआ।

टेस्ला के आने से घरेलू ईवी कंपनियों पर फिलहाल नहीं पड़ेगा बड़ा असर

नई दिल्ली। टेस्ला ने भारत में अपनी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी वाई मॉडल लॉन्च कर दिया है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 60 लाख रुपये है। यह वाहन भारत में निर्मित नहीं होगी, बल्कि टेस्ला अपने शंघाई प्लांट से पूरी तरह निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में इसे आयात करेगी। भारत में आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों पर 70 से 100 प्रतिशत तक टैक्स लगता है, जो कार की कीमत को और बढ़ा देता है। इस कारण टेस्ला की कीमत घरेलू कंपनियों के मुकाबले काफी अधिक है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी और महिंद्रा की एक्सईवी 9ई जैसे मॉडल 21 से 31 लाख रुपये की कीमत रेंज में उपलब्ध हैं, जो टेस्ला के मुकाबले किफायती विकल्प हैं। इसी वजह से विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल टेस्ला की एंट्री से घरेलू ईवी निर्माताओं की बाजार हिस्सेदारी पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर टेस्ला की जून तिमाही में बिक्री में 13.5 फीसदी की गिरावट आई है और इसलिए भारत में प्रवेश टेस्ला के लिए रणनीतिक कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारतीय बाजार में टेस्ला फिलहाल बीवायडी, ह्यूंडई, किआ जैसे ब्रांडों से 45-60 लाख रुपये की कीमत रेंज में मुकाबला करेगी। इस प्रकार, टेस्ला की एंट्री से घरेलू ईवी कंपनियों को फिलहाल कोई खतरा नहीं दिखता, बल्कि यह बाजार को और प्रतिस्पर्धात्मक और उन्नत बनाने में मदद करेगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता, उपभोक्ताओं को राहत नहीं

नई दिल्ली। देश की सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल की कीमत 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 90.36 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई है। पिछले एक दिन से यहां ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ी फेरबदल देखने को नहीं मिली। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर की दर से उपलब्ध हैं। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए तथा डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपए और डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर बनी हुई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर महंगाई का दबाव बना हुआ है। मार्च 2024 में तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में प्रति लीटर दो-दो रुपए की कटौती की थी, लेकिन उसके बाद से अब तक कीमतों में कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपडेट करती हैं, जिससे उपभोक्ता हर दिन नवीनतम दरों से अवगत रह सकें। हालांकि, मौजूदा स्थिरता से उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में भी कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

वारी में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में रोष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत वारी में मेन रोड से देवी धाम वारी तक 2.75 किमी सड़क का निर्माण कार्य 1 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह कार्य विधायक की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के तहत संचालित है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी कार्यकारी अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 02, बालाघाट को सौंपी गई है, जबकि ठेका बी एंड के इन्फ्रास्ट्रक्चर, बालाघाट को दिया गया है।

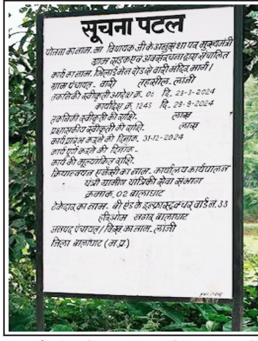

गुणवत्ताहीन निर्माण और बिजली के खंभों की समस्या

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में गुणवत्ता की कमी की शिकायत की है। उनका कहना है कि मार्ग पर मौजूद बिजली के खंभों को हटाए बिना ही निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो नियमों का उल्लंघन है और भविष्य में दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। इस मुद्दे को पहले भी विभाग के संज्ञान में लाया गया था, लेकिन अब तक बिजली के खंभों को नहीं हटाया गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण निर्माण और खंभों को हटाने की मांग की है।

आधा-अधूरा सूचना बोर्ड

निर्माण स्थल पर लगाया गया सूचना बोर्ड भी अधूरा है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद हाल ही में बोर्ड लगाया गया, लेकिन उसमें आवश्यक जानकारी जैसे निर्माण लागत, मार्ग की लंबाई, कार्य पूर्ण होने की तिथि, तकनीकी स्वीकृति राशि, प्रशासकीय स्वीकृति राशि, मूल्यांकित राशि, निर्माण सामग्री, लेयर की संख्या आदि का उल्लेख नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सूचना बोर्ड पर सभी जरूरी जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित हो।

देवी धाम तक सुगम मार्ग की मांग

वारी का माँ पांढरी पाठ देवी धाम लांजी क्षेत्र का प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थल है, जहां साल भर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इस मार्ग का निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया जा रहा है, ताकि वे आसानी से देवी धाम तक पहुंच सकें। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

विभाग से अपील

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने विभाग से आग्रह किया है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, बिजली के खंभों को शीघ्र हटाया जाए और सूचना बोर्ड पर पूरी जानकारी अंकित की जाए। साथ ही, निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध हो सके।

नेवरवाही व खुर्सीटोला में सर्पदंश से बचाव के लिए हुआ जन जागृति कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश और जिला सेनानी श्रीमती रजनी खटीक के मार्गदर्शन में जिले में सर्पदंश से बचाव के लिए जनजागरूकता शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में 17 जुलाई 2025 को तहसील लांजी के ग्राम पंचायत नेवरवाही के हायर सेकेंडरी स्कूल और खुर्सीटोला के ग्राम पंचायत भवन में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में तहसीलदार हिम्मत सिंह भवेदी और आरआई भूपेंद्र अहिरवार उपस्थित रहे। नेवरवाही के हायर सेकेंडरी स्कूल में लगभग 80 लोग और खुर्सीटोला के ग्राम पंचायत भवन में करीब 30 लोग शामिल हुए। शिविरों में सर्पदंश की घटनाओं, सावधानियों, लक्षणों, आपातकालीन नंबरों और पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने के उपायों के बारे में अधिकारियों, कर्मचारियों और जवानों द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम में खुर्सीटोला सरपंच ओमप्रकाश दौने, नेवरवाही सरपंच, शिक्षक, ग्रामीण और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। जनजागरूकता कार्यशाला का नेतृत्व सीक्यूएम फागुलाल नेवारे, कमलेश मेरावी, राजेश धुर्वे, आशीष खरोले, विशाल रजक और वाहन चालक मुलेन्द्र आडें ने किया।

करोड़ों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हुए पुलियाओं के एप्रोच मार्ग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में करोड़ों-अरबों रुपये की लागत से चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बारिश के मौसम में क्षेत्र के कई नवनिर्मित ढांचों की खामियां उजागर हो रही हैं। लांजी-आमगांव मार्ग पर सिंगोला और दहेगांव के बीच बने दो उच्च स्तरीय पुल, जिनकी लागत करोड़ों रुपये है, पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गए। इन पुलों के एप्रोच मार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो गए, और रेलिंग टूटकर गायब हो गई। वर्तमान में गड्ढों को गिट्टी की चुरी से भरने का कार्य चल रहा है, जो नियमों के अनुरूप नहीं माना जा रहा। इसी तरह, भुरसाडोंगरी से मनेरी-चिखली मार्ग पर 206.64 लाख रुपये की लागत से निर्मित ब्रिज का एप्रोच मार्ग भी बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया। यह ब्रिज ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की वित्त पोषित योजना के तहत मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, बालाघाट द्वारा मेसर्स रायसिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी, लांजी के माध्यम से बनाया गया। 1 मई 2025 को पूर्ण हुए इस मार्ग पर यातायात शुरू हो चुका है, लेकिन पहली बारिश में ही एप्रोच मार्ग ध्वस्त हो गया। भारी वाहनों और यात्री बसों के आवागमन से इस मार्ग पर बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। साइड शोल्डर की कमजोरी भी हादसे का खतरा बढ़ा रही है।

ग्रामीणों ने उठाई जांच की मांग

क्षतिग्रस्त एप्रोच मार्ग को देखकर ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और उच्च अधिकारियों से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बने इन ढांचों में लापरवाही बरतना गंभीर मामला है। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की पूरी जांच हो और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

तत्काल सुधार की जरूरत

ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने विभाग से मांग की है कि एप्रोच मार्ग को तत्काल दुरुस्त किया जाए और भारी वाहनों के आवागमन पर नियंत्रण लगाया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने कहा कि इतनी बड़ी लागत के बावजूद गुणवत्ता में कमी चिंताजनक है।

साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में एनसीसी कैडेट्स भर्ती प्रक्रिया संपन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में 17 जुलाई को 6 म.प्र. बटालियन एनसीसी, बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में सत्र 2025-26 के लिए जूनियर डिविजन और जूनियर विंग में 50 कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया में हवलदार मनोहर लाल, हवलदार रसपाल सिंह, नायक विनय शर्मा और एनसीसी अधिकारी संदीप कुमार रामटेक्कर ने हिस्सा लिया। शारीरिक क्षमता परीक्षण के बाद चयनित कैडेट्स का नामांकन किया गया। हवलदार मनोहर लाल ने छात्र-छात्राओं को एनसीसी के उद्देश्यों से अवगत कराया, जिसमें अनुशासन, देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि एनसीसी कैडेट्स को अग्निवीर, सेना, पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों में भर्ती के दौरान बोनस अंक प्राप्त होते हैं, साथ ही जीवनशैली में सुधार होता है। यह भर्ती प्रक्रिया युवाओं में देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

साकेत पब्लिक स्कूल लांजी ने एक पेड़ मां के नाम किया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में 17 जुलाई को शासन के निर्देशानुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भिमटे के मार्गदर्शन और विद्यालय संचालक संतोष मोरघड़े के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आम, नीम, जामुन, महानीम, अशोक, बेलपत्र जैसे छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया। विद्यालय संचालक संतोष मोरघड़े ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। यह पहल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। कार्यक्रम में प्राचार्य महेंद्र कुमार दुरुगकर, प्रधानपाठक नेत्रेश्वरी डॉ. किशोर सोनवाने सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस आयोजन ने विद्यालय परिसर को हरा-भरा करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

श्रीमती ठमा बाई किरनापुरे का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी स्व श्री ताराचंद जी किरनापुरे की धर्मपत्नी श्रीमती ठमा बाई किरनापुरे का 17 जुलाई गुरुवार को शाम 4.30 बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज 18 जुलाई 2025, शुक्रवार को दोपहर 12:30 बजे कोटेश्वर मोक्ष धाम, लांजी में किया जाएगा। श्रीमती ठमा बाई किरनापुरे अपने पीछे धनेंद्र किरनापुरे, नोलेन्द्र किरनापुरे का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार को गहन दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

बलिराम घरते पंचतत्व में विलीन

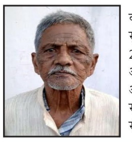

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम बोरिकला निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता बलिराम घरते का 17 जुलाई को सुबह 7:00 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार दोपहर 2:00 बजे बोरिकला के स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। आप अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। अंतिम यात्रा में इष्टमित्रों, नाते रिश्तेदारों, ग्रामीणजनों ने भारी संख्या में पहुंचकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की एवं भगवान से अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता एवं सहायिका की नियुक्ति की परिवर्तित प्रक्रिया से जिला स्तरीय दावा-आपत्ति निराकरण समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए प्रदेश स्तर पर विज्ञापन जारी कर ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। बालाघाट जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 45 एवं आंगनवाड़ी सहायिका के 271 रिक्त पदों की पूर्ति किया जाना है। यह नियुक्ति प्रक्रिया प्रथमतः एमपी ऑनलाईन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। नियुक्ति की परिवर्तित प्रक्रिया से जिला स्तरीय दावा-आपत्ति निराकरण समिति के सदस्यों को अवगत कराने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ की अध्यक्षता में 16 जुलाई को जिला पंचायत बालाघाट के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में समिति के सदस्यों डिप्टी कलेक्टर (कलेक्टर के प्रतिनिधि) श्रीमती राजनंदिनी शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, जिला पंचायत की स्वास्थ्य, महिला बाल कल्याण समिति की सभापति श्रीमती केशर बिसेन, जिला पंचायत सुश्री डॉली कावरे, नगरपालिका बालाघाट की पार्षद श्रीमती रैना सुराना को चयन पोर्टल के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में खाद की कमी से अन्नदाता बेहाल...खाद लेने रात से लाइन में लगने को मजबूर पूरा परिवार, बरसते पानी में भी लग रही कतार, छलका दर्द, कहा

मप्र में किसानी करना है पाप

अमरवाड़ा में खाद की किल्लत, रात 2 बजे से लाइन में लगी महिला किसानों ने किया चक्काजाम

भोपाल/सागर/छिंदवाड़ा। सरकार के लाख दावे के विपरीत प्रदेश के कई जिलों में खाद की किल्लत बनी हुई है। सुबह 4 बजे से लाइन में लगने के बाद खाद मिल जाए इस बात की कोई गारंटी नहीं है। खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों का दर्द छलका है। किसानों ने कहा कि इस दौर में किसानी करना पाप है। सागर जिले में खरीफ फसलों के लिए यूरिया खाद की भारी किल्लत सामने आई है। बारिश थमने के साथ ही किसानों की भीड़ खाद वितरण केंद्रों पर उमड़ पड़ी लेकिन खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से किसान परेशान हो रहे हैं। यही हाल लगभग पूरे प्रदेश में है।

खाद न मिलने से परेशान किसान सड़ पर उतरने को मजबूर हो रहे है। छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा तहसील के कचहरी रोड स्थित हैवरसानी वाली सहकारी समिति के बाहर गुरूवार सुबह 9-20 बजे महिला किसानों ने खाद (यूरिया) की भारी किल्लत के विरोध में सड़ पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि यदि जल्द खाद नहीं मिली तो उनकी फसलें खराब हो जाएंगी और इस बार की पूरी मेहनत और लागत बेकार हो जाएगी।

पुलिस की निगरानी में किसानों को टोकन दिए

दरअसल सागर के मकरोनिया चौराहे स्थित खाद वितरण केंद्र पर सुबह 4 बजे से ही किसानों की लंबी कतार लग गई थी। दोपहर तक हजारों की संख्या में किसान पहुंच चुके थे। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने तीन काउंटर बनाए लेकिन एक काउंटर से टोकन नहीं बांटे गए जिससे किसान भडक उठे। हालात को संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस की निगरानी में ही किसानों को टोकन दिए गए।

बारिश में भी लाइन नहीं छोड़ी

दोपहर करीब 2 बजे जब झमाझम बारिश शुरू हुई, तब भी सैकड़ों किसान लाइन में भीगते हुए खड़े रहे। उन्हें डर था कि अगर लाइन छोड़ी तो नंबर पीछे चला जाएगा। लगभग 15 मिनट तक तेज बारिश में किसान टोकन का इंतजार करते रहे। ग्राम केसली से आए किसान हरीसिंह ने बताया कि केसली ब्लॉक में खाद नहीं है इसलिए सागर आए हैं। सुबह 8 बजे से लाइन में खड़े हैं लेकिन अभी तक कुछ नहीं मिला, उन्होंने कहा कि इस दौर में किसानी करना पाप है, बिना खाए-पिए खड़े हैं, फसलें पीली पड़ रही हैं, खाद नहीं मिला तो पूरी फसल बर्बाद हो जाएगी। सानौधा के भगवान सिंह ने कहा कि उन्हें 20 बोरी खाद चाहिए, लेकिन लंबी लाइन और उम्र की वजह से ज्यादा देर खड़े नहीं रह पा रहे। पावती लेकर बैठे हैं लेकिन उम्मीद नहीं है कि आज कुछ मिलेगा। कलेक्टर संदीप जीआर ने सिहोरा पहुंचकर खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण किया एवं मौके पर मौजूद किसान भाइयों से चर्चा की। उन्होंने किसान भाइयों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली एवं उनके निराकरण के भी निर्देश दिए। उन्होंने किसानों की परेशानी को देखते हुए सभी खाद वितरण केन्द्रों पर तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों की तैनाती भी की है।

वितरण में गड़बड़ी की जा रही

छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा तहसील के कचहरी रोड स्थित हैवरसानी वाली सहकारी समिति के बाहर चक्काजाम कर रही महिलाओं का कहना है कि खाद वितरण में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की जा रही है। किसान चिंतामन साहू ने बताया कि वे रात 2 बजे से समिति परिसर के बाहर लाइन में लगे थे, लेकिन सुबह तक भी उन्हें यूरिया नहीं मिल सका। वहीं, महिला किसानों ने आरोप लगाया कि खाद वितरण में गड़बड़ी की जा रही है और समय पर जरूरतमंद किसानों को खाद नहीं दी जा रही। मौके पर अमरवाड़ा थाना प्रभारी राजेंद्र धुर्वे पुलिस बल के साथ पहुंचे और किसानों से चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द खाद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने धरना समाप्त किया और समिति परिसर खाली कर दिया।

पर्यावरण अनुमतियों में 3 हजार करोड़ की हुई वसूली

- सिया विवाद पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने लगाया आरोप, कहा

- पर्यावरण विभाग में आईएएस कोठारी, शुक्ला के कार्यकाल की जांच हो

भोपाल। स्टेट एनवायरमेंट इंपैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के चेयरमेन शिवनारायण सिंह चौहान और पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत मोहन कोठारी के बीच चल रहे विवाद पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की एंट्री हुई है। सिंघार ने भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाया कि पर्यावरण विभाग की अनुमतियां देने में 3 करोड़ से लेकर 5 करोड़ रुपए तक उद्योगपतियों से वसूले। करीब दो से तीन हजार करोड़ रुपए जो वसूले गए वो कहां गए?

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अभी सिया(स्टेट एनवायरमेंट इंपैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी) में 400 कंपनियों को सिया की अनुमति दी गई। इसका क्या कारण था? चीफ सेक्रेटरी ने मीटिंग क्यों नहीं बुलाई? नवनीत मोहन कोठारी ने परमिशन क्यों दीं? श्रीमान शुक्ला ने प्रमुख सचिव कोठारी के कहने पर क्यों परमिशन दी गईं। मेरी मांग है कि नवनीत कोठारी और श्रीमान शुक्ला के कार्यकाल की जांच होनी चाहिए। सिंघार ने कहा कि पैसा उन उद्योगपतियों की जेब से गया। फिर सिया की मीटिंग 4-6 महीने से क्यों नहीं हुई? इसे भी हम विधानसभा में उठाएंगे। ये जनता की सरकार नहीं घोटालों और भ्रष्टाचारियों की सरकार है। गौरतलब है कि खनिज के 200 समेत 450 केस में पर्यावरणीय मंजूरी दिए जाने के मामले में स्टेट एनवायरमेंट इंपैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के अध्यक्ष शिव नारायण सिंह चौहान ने मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखकर पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत मोहन कोठारी और एप्को की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आर उमा महेश्वरी पर गैर कानूनी काम करने का आरोप लगाया था। चौहान ने दोनों अफसरों पर आपराधिक केस दर्ज करने और तत्काल निलंबित करने की सिफारिश की थी। 9 जुलाई को लिखे पत्र में चौहान ने कहा कि पीएस और एप्को डायरेक्टर ने 700 से अधिक लंबित प्रकरणों में से 237 पर्यावरणीय मंजूरियां गैर कानूनी तरीके से पिक एंड चूज पैटर्न पर जारी कर दी है। जबकि सिंहस्थ से जुड़े कई अहम प्रोजेक्ट को लटकाकर रखा है। दोनों आईएएस अधिकारी पिछले दो माह से जानबूझकर सिया की बैठकें नहीं होने दे रहे हैं।

अशोकनगर और धार में डीआईजी संभाल रहे पुलिस अधीक्षक की कुर्सी

भोपाल। प्रदेश में भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की तबादला सूची को लेकर हमेशा अटकलें बनी रहती हैं। हाल ही में सरकार ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तबादला सूची जारी की हैं। पुलिस की तबादला सूची में अशोकनगर एवं धार पुलिस अधीक्षकों के नामों की चर्चा बनी रहती है। क्योंकि दोनो जिलों के पुलिस अधीक्षक पिछले छह महीने से उपपुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत होने के बाद भी पुलिस अधीक्षक की कुर्सी संभाल रहे हैं।

आईपीएस की हर तबादला सूची में 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह और विनीत कुमार जैन के नाम होने की चर्चा रहती है। मनोज कुमार सिंह धार जिले के पुलिस अधीक्षक हैं और विनीत कुमार जैन अशोकनगर जिले के पुलिस अधीक्षक हैं। वरिष्ठता सूची के अनुसार दोनों अधिकारियों को 31 दिसंबर 2024 को ही जिला पुलिस अधीक्षक बनाकर भेजा था। जबकि 1 जनवरी 2025 से दोनों डीआईजी पदोन्नत हो गए। इस वजह से सरकार ने डीआईजी स्तर के दोनों अधिकारियों पुलिस अधीक्षक की कुर्सी नहीं छीनी। हालांकि गृह विभाग के सूत्र बताते हैं कि धार एवं अशोकनगर में पुलिस अधीक्षक कभी भी बदले जा सकते हैं।

चर्चा में अशोकनगर

अशोकनगर जिले इन दिनों भोपाल से लेकर दिल्ली तक के राजनीतिक गलियारों में चर्चा में हैं। क्योंकि अशोकनगर की मुंगावली थाना पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ समाज में वैमनस्यता फैलाने का प्रकरण दर्ज किया है। जिसके विरोध में सैकड़ों कांग्रेसियों ने 8 जुलाई को गिरफ्तारियां दी थीं। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुलिस अधीक्षक और जिलाधीश पर सिविल सर्विस रूल्स के हिसाब से काम नहीं करने के आरोप भी लगाए हैं।

अगले साल सेवानिवृत्त होंगे 16 आईपीएस अधिकारी

प्रदेश सरकार ने अगले साल 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की सूची जारी कर दी है। गृह विभाग के अनुसार अगले साल 16 आईपीएस अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। गृह विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार जगदीश डाबर (2012) 31 जनवरी को, अंशुमान सिंह (2006) 28 फरवरी को, श्रीमती हिमानी खन्ना (2006) 31 मार्च को, सुश्री सविता सोहाने (2009) और जितेन्द्र सिंह पंवार (2016) 30 अप्रैल, महेशचंद्र जैन (2009) 31 मई, संजीव शमी (1993), संजय तिवारी (2004)और आलोक रंजन (1991) 30 जून को सेवानिवृत्त होंगे। इसी तरह अरविंद सक्सेना (2006) औरा शशिकांत शुक्ला (2009) जुलाई में, अजय कुमार शर्मा (1989), आशुतोष रॉय (1994), ए साईं मनोहर (1995) और मिथिलेश शुक्ला (2006) 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होंगे। सुश्री सोनाली मिश्रा (1993) अगले साल 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगी।

राहुल लोधी को टिकट देकर एहसान नहीं किया, यह पार्टी की मजबूरी थी

भोपाल। बीजेपी की सीनियर नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने एक ट्वीट के जरिए पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने अपने भतीजे राहुल लोधी को टिकट देने को लेकर कहा कि यह कोई पार्टी का एहसान नहीं था, बल्कि पार्टी की मजबूरी थी। अपने भावुक ट्वीट में उन्होंने अपने परिवार की राजनीतिक यात्रा और बलिदानों का जिक्र किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

बता दें उमा भारती ने 16 जुलाई को यह ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि मेरे भाई-भतीजों को मेरी छवि की चिंता ने उनकी योग्यता के मुताबिक तरक्की से रोका। राहुल को टिकट देना पार्टी के लिए जरूरी था, क्योंकि बुंदेलखंड में बीजेपी को नुकसान हो सकता था। पूर्व सीएम उमा भारती ने खुलासा किया कि उनकी वजह से परिवार पर झूठे आरोप जैसे लूट और डकैती लगे, लेकिन कोर्ट ने हमेशा उन्हें निर्दोष साबित किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें चुनाव नहीं लड़ाया जाता, तो उनके भाई या भतीजे पहले ही सांसद या विधायक बन सकते थे।

बता दें राहुल लोधी की 2018 में खरगापुर से विधायक निर्वाचन को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 2022 में रद्द कर दिया था, जिसमें नामांकन पत्रों में गड़बड़ी पाई गई थी। यह घटना उनके बयान को और गहराई देती है। उमा भारती ने कहा कि ग्राम डूंडा, जिला टीकमगढ़ के लोधीवंश के जिस परिवार में जन्मी वहां मेरे संन्यासी जीवन के पूर्व के चार भाई और एक बहन थी जिसमें से दो बड़े भाइयों का और एक बहन का निधन हो चुका है, मैं सबसे छोटी थी इसलिए बहुत लाड़ प्यार से पली। फिर 6 साल की आयु से सामाजिक जीवन में आकर प्रवचन शुरू हो गए, देश-विदेश में मेरे प्रवचन सुनने वालों ने मुझे बाल गोपाल ही कहा।

उन्होंने कहा कि मेरे परिवार ने मेरी राजनीति के कारण बहुत कष्ट उठाया है। शायद ही मध्य प्रदेश बीजेपी के बड़े पदों पर बैठे नेताओं के परिवार ने इतने कष्ट उठाए हों, सरकार चाहे कांग्रेस की रही हो या बीजेपी की। मेरी वजह से परिवार की प्रताड़ना हुई। लूट, डकैती जैसे झूठे आरोप लगे और कोर्ट में हमेशा वह पूरी तरह से निर्दोष साबित हुए। मेरे भाइयों की संताने मेरी छवि की चिंता के कारण खुद जितनी योग्यता रखते थे उतनी तरक्की नहीं कर पाए। मेरे एक भाई के बेटे राहुल को टिकट देना परिवार पर कोई एहसान नहीं था पार्टी की मजबूरी थी।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में बीजेपी को इससे नुकसान हो सकता था मेरा परिवार तो जनसंघ के समय से बीजेपी में है राहुल और सिद्धार्थ संघ में बाल स्वयंसेवक थे तब मैं राजनीति से कोसों दूर थी। मेरा परिवार जनसंघ से जुड़ा था। बीजेपी अगर मुझे चुनाव न लड़ाती तो मेरे परिवार के भाई या भतीजे सांसद या विधायक बहुत पहले बन गए होते। टीकमगढ़ जिले में सामंती शोषण के आतंक की जड़ें बीजेपी के राज्य में भी उखड़ नहीं पाई थी। उन्होंने कहा कि राहुल ने अपनी पत्नी उमिता सिंह को जिला पंचायत का अध्यक्ष बनाकर पूरे बुंदेलखंड के सामंती आतंक के गढ़ को चुनौती दी है। अब दोनों पति-पत्नी शान और स्वाभिमान के साथ राजनीति करते हैं। मेरे चारों भाई ऐसे ही रहे, मेरे पिता और दादा भी ऐसे ही थे। ऐसे परिवार में जन्म लेने से प्राप्त संस्कारों से ही राजनीति में कई मुकाम मैंने हासिल किए।

उन्होंने कहा कि राजनीति में आते ही अटलजी, आडवाणीजी, राजमाताजी और संघ के वरिष्ठतम स्वयंसेवकों की छत्रछाया मिली जो मेरे से 30, 40 साल बड़े थे। मेरी लोकप्रियता से उन्हें गर्व होता था फिर भी मुझे अपना बालक जैसा मानते थे मुझे उन वरिष्ठों की छत्रछाया में संगठन एवं सत्ता में उच्च पद प्राप्त हुए। उमा का यह बयान तब आया है जब पार्टी के अंदर टिकट आवंटन को लेकर असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। उमा भारती का गुस्सा इस संदर्भ में पार्टी की आंतरिक राजनीति को भी दर्शाता है।

52 डीएसपी पुलिस मुख्यालय से एकतरफा रिलीव

जल्द आमद नहीं देने पर होगी कार्यवाही

भोपाल। पुलिस मुख्यालय द्वारा 25 जून को डीएसपी स्तर के 114 अधिकारियों के तबादले किए गए थे। इनमें से 62 अधिकारियों ने नई जगह पर अपनी आमद देकर ट्रांसफर आदेश का पालन किया है। 52 डीएसपी ने अभी तक अपने नए स्थान पर जॉइनिंग नहीं दी है।

पुलिस मुख्यालय ने सभी 52 डीएसपी को एक तरफ रिलीव कर दिया है। साथ ही चेतावनी दी है,जिन स्थानों पर ट्रांसफर किया गया है। यदि वह तुरंत जॉइनिंग नहीं देंगे, ऐसी स्थिति में उनके ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

पुलिस मुख्यालय ने सभी आईजी और पुलिस अधीक्षकों को आदेश भेज कर पालन करने के लिए कहा है। पुलिस मुख्यालय के इस आदेश को जो भी अधिकारी नहीं मानेगा। उसके ऊपर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी जारी की गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएसपी अपना ट्रांसफर रुकवाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रहे हैं। इसको देखते हुए पुलिस मुख्यालय द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

संजीव सचदेवा बने मप्र के 29वें चीफ जस्टिस

राजभवन में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

भोपाल। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मप्र के 29वें मुख्य न्यायाधीश बनाए गए हैं। भोपाल स्थित राजभवन में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें चीफ जस्टिस पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन मप्र के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने किया। समारोह में मप्र के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा बतौर अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विवेक अग्रवाल और सरकार के प्रतिनिधि मौजूद थे। राज्यपाल पटेल और उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति सचदेवा को शपथ ग्रहण के बाद पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, रजिस्ट्रार जनरल मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय धरमिंदर सिंह, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय एवं बार के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, विधायक रामेश्वर शर्मा, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, लोकायुक्त सत्येन्द्र कुमार सिंह, मुख्य सूचना आयुक्त विजय यादव, सदस्य मानवाधिकार आयोग राजीव टंडन, राज्यपाल के नियुक्त हुए हैं।

2013 में बने दिल्ली हाईकोर्ट में जज

17 अप्रैल 2013 को संजीव सचदेवा को दिल्ली हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 18 मार्च 2015 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। 14 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद मप्र हाईकोर्ट के स्थायी मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए हैं।

सुरेश कैत के रिटायरमेंट के बाद संभाली जिम्मेदारी

जस्टिस संजीव सचदेवा को 24 मई 2025 को एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया था। वे तत्कालीन चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत के रिटायरमेंट के बाद से चीफ जस्टिस का दायित्व संभाल रहे थे। इससे पहले भी वे 9 जुलाई 2024 से 24 सितंबर 2024 तक प्रदेश के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का दायित्व संभाल चुके हैं। 30 मई 2024 को जस्टिस संजीव सचदेवा का दिल्ली हाईकोर्ट से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में ट्रांसफर हुआ था। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को एक और जज दिया है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की मध्यप्रदेश में नियुक्ति की गई है। वे अभी मद्रास हाईकोर्ट में हैं, जिनका ट्रांसफर जबलपुर किया गया है। अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढकर 34 हो गई है।

वायुसेना में अग्निवीर बनने उमड़े युवा

भोपाल। भारतीय वायुसेना की अग्निवीर योजना के अंतर्गत युवाओं की भर्ती हेतु चयन प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत सुबह 6 बजे से 8 बजे तक वन विहार गेट से धूनीवाले दादाजी मंदिर तक शारीरिक परीक्षा हो रही है। इस दौरान होने वाली फिजिकल एक्टिविटी के सुचारु संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा यातायात नियंत्रण निर्णय लिया गया है। निर्देशों के अनुसार, सुबह 6 बजे से 8 बजे तक वन विहार गेट से धूनीवाले दादाजी मंदिर तक का मार्ग पूर्णतः बंद रखा जा रहा है।

ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज न करने वालों पर गिरी गाज

- 40,000 अतिथि शिक्षकों का मानदेय रोका

भोपाल। मप्र के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने ऑनलाइन अटेंडेंस का प्रावधान किया है। लोक शिक्षण संचालनालय ने हमारे शिक्षक पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करने का नियम लागू किया है। इस बार इस व्यवस्था को सख्ती से लागू कराया जा रहा है। इस कड़ी में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज न करने वालों पर गाज गिरनी शुरू हो गई है। ऐसे ही 40,000 अतिथि शिक्षकों का मानदेय रोक दिया गया है। इससे हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, मप्र के स्कूलों में नव नियुक्त अतिथि शिक्षकों को काम की शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा है। इनमें चालीस हजार को जुलाई माह का मानदेय नहीं मिलेगा। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसकी बाकायदा जिलावार सूची भी संलग्न की गई है। प्रदेश में विषय और श्रेणीवार रिक्त शिक्षकों के 85 हजार पदों पर संचालनालय अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। अभी 70 हजार की नियुक्ति हुई है। शेष पद खाली है, जिन पर प्रक्रिया चल रही है। निर्देश थे कि सभी को पांकित शाला में ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अटेंडेंस लगानी होगी। हमारे शिक्षक पोर्टल की जब लोक शिक्षण संचालनालय ने पड़ताल की तो यह तथ्य सामने आया कि 40,000 अतिथि शिक्षकों ने ई अटेंडेंस नहीं लगाया है। उनमें अशोकनगर में पदस्थ 1090 शिक्षकों में से 348 ने ई अटेंडेंस नहीं लगाया है। वहीं झाबुआ में 600 में से 54, भिंड में 1360 से 427, भोपाल में 579 से 181, छतरपुर में 2678 से 1013, छिंदवाड़ा में1027 से 300, दमोह में1603 से 449, दतिया में 558 से 113 और देवास में 1610 से 466 अतिथि शिक्षकों ने ऐटेंडेंस नहीं लगाया है।

अब ई-अटेंडेंस पर ही मिलेगा वेतन

संचालनालय ने हमारे शिक्षक पोर्टल पर उपस्थिति का जो परीक्षण किया, उसमें 40 हजार अतिथि ऐसे हैं, जिन्होंने आनलाइन अटेंडेंस दर्ज नहीं कराई है। अकेले झाबुआ में 600 अतिथि शिक्षकों में से मात्र 54 ने विभाग के आदेश का पालन किया है। अशोकनगर में नियुक्त एक हजार में से 348 ने ही ऑनलाइन हाजिरी भरी है। गुना, ग्वालियर, शिवपुरी, रतलाम, अलीराजपुर, छतरपुर सहित हर जिले में अतिथियों की ऑनलाइन अटेंडेंस के प्रति रूझान नहीं रहा है। संचालनालय डायरेक्टर केके द्विवेदी ने डीईओ को जो पत्र लिखा है, उसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए है। कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आमंत्रित किए गए अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश थे। यह अत्यंत खेदजनक है कि अभी भी लगभग 80 फीसदी ने नियमित रूप से ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। इसलिए जिला शिक्षा अधिकारी समस्त संकुल प्राचार्य शाला प्रभारियों एवं अतिथि शिक्षकों को इस संबंध में सूचित करें। जिन अतिथियों द्वारा दैनिक उपस्थिति ऐप के माध्यम से दर्ज नहीं करई उन्हें जुलाई माह के मानदेय की पात्रता नहीं रहेगी। किसी भी हाल में इनके मानदेय का भुगतान नहीं किया जाए। सभी शिक्षकों द्वारा 18 जुलाई से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। जो अतिथि ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे तो उन्हें वेतन भुगतान की पात्रता नहीं होगी।

तीनों प्रारूपों में 900+ आईसीसी रेटिंग अंक पाने वाले पहले बल्लेबाज बने कोहली

नई दिल्ली। भले ही विराट कोहली ने टी20 और हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन उनकी लोकप्रियता और रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोहली की टी20 अंतरराष्ट्रीय रेटिंग को बढ़ाकर 909 अंक कर दिया है, जिससे वह खेल के इतिहास में तीनों प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी20ढ्ढ में 900 या उससे अधिक आईसीसी रेटिंग अंक प्राप्त करने वाले एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।

कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रनों की अहम पारी खेली थी, जिससे भारत को खिताबी जीत मिली। उसी प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह टी20आई इतिहास में तीसरा सबसे ऊंचा स्कोर है, उनसे आगे केवल सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) हैं। टेस्ट रैंकिंग में विराट का सर्वश्रेष्ठ रेटिंग स्कोर 937 रहा, जो उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान हासिल किया था। यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज का अब तक का सर्वोच्च टेस्ट रेटिंग स्कोर है और विश्व स्तर पर 11वां। उस दौरे पर उन्होंने 10 पारियों में 593 रन बनाए थे। वहीं, वनडे में 2018 में ही इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान उन्होंने 909 रेटिंग अंक तक पहुंचते हुए सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा छुआ था।

विराट कोहली को एक समय तीनों प्रारूपों में आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज रहने का गौरव प्राप्त है। इस नई उपलब्धि के साथ उन्होंने खुद को सर्वकालिक महान आॅल-फाॅर्मेट बल्लेबाजों में एक मजबूत दावेदार के रूप में फिर से स्थापित कर दिया है। उन्होंने टी20आई में 125 मैचों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में उन्होंने 9,230 रन बनाए, जिनमें 30 शतक और 31 अर्धशतक हैं, और वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में वह अब तक के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में विराट कोहली ने कुल 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 82 शतक और 143 अर्धशतक शामिल हैं। वह भारत के दूसरे और दुनिया के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

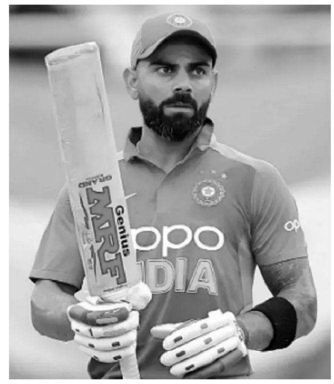

हार के बाद रवि शास्त्री ने खिलाडियों की एकाग्रता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम की इंग्लैंड से हारने के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम की रणनीति और बल्लेबाजों की एकाग्रता पर सवाल उठाए हैं। पूर्व बल्लेबाज शास्त्री ने इस मैच के दो खास टर्निंग प्वाइंट्स बताए और कहा कि इन्हीं पलों ने इंग्लैंड की जीत का रास्ता साफ किया।

रवि शास्त्री ने कहा कि उनके हिसाब से पहला निर्णायक मोड़ ऋषभ पंत का पहली पारी में रनआउट होना था। पंत उस समय 74 रन पर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और भारत मजबूत स्थिति में दिख रहा था। बेन स्टोक्स की कप्तानी की तारीफ करते हुए शास्त्री ने कहा कि लंच से ठीक पहले पंत को रनआउट कराना इंग्लैंड के लिए बहुत अहम रहा। उन्होंने कहा कि अगर पंत टिके रहते तो भारत पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल कर लेता और इंग्लैंड दबाव में आ जाता। दूसरा बड़ा टर्निंग प्वाइंट शास्त्री ने करुण नायर का विकेट बताया।

चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे और मैच भारत की पकड़ में नजर आ रहा था। लेकिन करुण नायर ने ब्रायडन कार्स की सीधी आती गेंद को छोड़ दिया और पगबाधा हो गए। शास्त्री ने कहा कि यह एकाग्रता की बड़ी चूक थी, जिसने इंग्लैंड के लिए वापसी का मौका खोल दिया। उनके मुताबिक इस विकेट के बाद भारतीय बल्लेबाजी ढह गई और इंग्लैंड ने दबाव बनाकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिया। रवि शास्त्री ने भारतीय बल्लेबाजों की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब निचले क्रम के बल्लेबाज मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ने बल्लेबाजी की तो उन्होंने बेहतर डिफेंस दिखाया और गेंद पुरानी होने पर मुश्किलें कम हो गईं।

उन्होंने कहा कि पांचवें दिन भारत सिर्फ 22 रन से हारा, जबकि एक समय लग रहा था कि मैच तुरंत खत्म हो जाएगा। इससे साफ है कि अगर चौथे दिन भारत का शीर्ष क्रम थोड़ा और धैर्य और एकाग्रता दिखाता तो यह मैच भारत जीत सकता था। शास्त्री के मुताबिक यह हार भारतीय बल्लेबाजों के गलत शॉट चयन और एकाग्रता की कमी का नतीजा रही। बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 22 रन से रोमांचक जीत हासिल कर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। इस मैच में भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन पर ढेर हो गई।

जितेश शर्मा को लेकर दिनेश कार्तिक की सफाई

लंदन। भारतीय क्रिकेटर जितेश शर्मा को लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में प्रवेश न मिलने की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी थी। इस खबर में दावा किया जा रहा था कि भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके जितेश को एक गार्ड ने मैदान में घुसने से रोक दिया। इस पूरे मामले पर अब भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने अपनी सफाई दी है। दिनेश कार्तिक ने बताया कि यह घटना मैदान के प्रवेश द्वार की नहीं, बल्कि मीडिया सेंटर की है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने खुद जितेश को कम्युनिकेशन बॉक्स में आमंत्रित किया था और वहीं उनसे मुलाकात भी की थी।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है।

पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पीसीबी वनडे सीरीज को भी टी20 सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है।

इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पीसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, 1, 2 और 4 अगस्त को अमेरिका के फ्लोरिडा में तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 8, 10 और 12 अगस्त को त्रिनिदाद के तारोबा में तीन वनडे मैच होंगे। दोनों बोर्डों के बीच इस फॉर्मेट विवाद का हल सिंगापुर में होने वाली बातचीत के बाद ही निकलने की उम्मीद है। अगर सहमति नहीं बनती, तो सीरीज के आयोजन पर भी असर पड़ सकता है।

पंत एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं, जिनका खेल दर्शकों को बांधे रखता हैं -जैक रसेल

ऋषभ की विकेटकीपिंग तकनीक में कुछ सुधार की जरूरत

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जैक रसेल ने भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि पंत एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं, जिनका खेल दर्शकों को बांधे रखता है, लेकिन उनकी विकेटकीपिंग तकनीक में कुछ सुधार की जरूरत है। रसेल का कहना है कि पंत चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों या विकेट के पीछे खड़े हों, उन्हें देखना हमेशा मनोरंजक होता है। वह इस बात से भी बेहद खुश हैं कि भयानक कार दुर्घटना के बाद पंत ने मैदान पर सफल वापसी की है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि पंत की विकेटकीपिंग में कुछ तकनीकी कमजोरियां हैं, जिन पर उन्हें काम करना होगा, विशेष रूप से स्टंप के पास खड़े होकर कीपिंग करते समय।

61 वर्षीय रसेल ने बताया कि वह खुद एलन नॉट और बॉब टेलर जैसे कीपरों को आदर्श मानते थे, लेकिन भारतीय विकेटकीपर सैयद किरमानी को देखकर भी उन्होंने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा कि जब वह छोटे थे, तब किरमानी को देखकर लगता था कि वे बेहतरीन विकेटकीपर हैं। मौजूदा दौर के कीपरों पर बात करते हुए रसेल ने इंग्लैंड के जैमी स्मिथ की भी तारीफ की और उन्हें भविष्य का महान विकेटकीपर बताया। उनके अनुसार, स्मिथ में इतनी प्रतिभा है कि उन्हें एडम गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रखा जा सकता है। रसेल ने यह भी कहा कि विकेटकीपिंग में गलतियां होना सामान्य है, क्योंकि ज्यादातर विकेटकीपर उनसे नहीं बच पाते। खासकर इंग्लैंड जैसी परिस्थितियों में विकेट कीपिंग करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। पंत की तकनीकी गलतियों को लेकर उन्होंने कहा कि ये बड़ी खामियां नहीं हैं, बल्कि कुछ छोटी बातें हैं जिन्हें सुधारकर वह और बेहतर हो सकते हैं। अगर पंत चाहें, तो वह उन्हें इन तकनीकी पहलुओं पर सलाह भी दे सकते हैं।

क्रिकेट से संन्यास के बाद रसेल अब चित्रकला से जुड़े हुए हैं। वह रोजाना पेंटिंग करते हैं और सोशल मीडिया पर इन्हें साझा भी करते हैं, जिनमें उनके अधिकतर फॉलोअर्स भारतीय हैं। हाल ही में उन्होंने भारत के पहले टेस्ट क्रिकेटर रणजीतसिंहजी का चित्र बनाया, जिसे वह अपनी पसंदीदा पेंटिंग्स में से एक मानते हैं। उनकी बनाई कई पेंटिंग्स 25,000 पाउंड तक में बिक चुकी हैं, हालांकि वह इसे व्यवसाय के तौर पर नहीं करते।

टीम में बुमराह की मौजूदगी पर डेविड लॉयड ने उठाए अहम सवाल

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रनों की हार के बाद भारतीय खेमे में निराशा का माहौल है। खासतौर पर जसप्रीत बुमराह को लेकर एक दिलचस्प चर्चा छिड़ गई है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेविड लॉयड ने बुमराह की मौजूदगी और टीम के प्रदर्शन के बीच के फर्क को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह को इंग्लैंड में सबसे बड़ा मैच विनर माना जा रहा था, लेकिन मौजूदा सीरीज में उन्होंने दो टेस्ट खेले (लीड्स और लॉर्ड्स) और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, जिस बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह नहीं खेले, उसमें भारत को जीत मिली।

डेविड लॉयड ने एक बातचीत में कहा, यह असाधारण आंकड़ा है। कहा जाता है कि जब वह खेलते हैं तो भारत ज्यादा हारता है और जब नहीं खेलते तो ज्यादा मैच जीतता है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज हैं, लेकिन ये संयोग अब चर्चा का विषय बन गया है। बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह को आराम दिया गया था और उस मुकाबले में मोहम्मद सिराज व आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने जीत दर्ज की थी। सिराज और आकाश दीप ने मिलकर उस मैच में 16 विकेट झटके थे।

इससे पहले भारतीय चयन समिति और कोच गौतम गंभीर ने यह स्पष्ट किया था कि बुमराह को पांच में से केवल तीन टेस्ट में खिलाया जाएगा। अब जबकि वह दो मैच खेल चुके हैं और सीरीज 1-2 के स्कोर पर है, डेविड लॉयड का मानना है कि चौथा टेस्ट निर्णायक होगा। उन्होंने कहा, अगर भारत को सीरीज बराबर करनी है तो बुमराह को ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में उतरना होगा। अगर भारत 2-2 कर देता है, तो फिर शायद वह ओवल टेस्ट में भी खेलें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर इंग्लैंड चौथा मैच जीतकर सीरीज 3-1 से अपने नाम कर लेता है, तो भारत बुमराह को अंतिम टेस्ट से आराम दे सकता है। लेकिन यदि स्कोर 2-2 हो जाता है, तो टीम प्रबंधन उन्हें ओवल टेस्ट में जरूर उतारने पर विचार करेगा।

हालांकि डेविड लॉयड ने यह भी माना कि बुमराह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और उनका एक्शन दुनिया में सबसे अनोखा है। बावजूद इसके, उनके खेलने और टीम के नतीजों के बीच बनता यह आंकड़ों का रिश्ता अब विश्लेषण और रणनीति का हिस्सा बन गया है।

जैक क्रॉउली के टीम से बाहर जाने का समय आ गया -जेफ्री बॉयकॉट

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में रोमांच जारी

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का रोमांच चरम पर है। शुरुआती तीनों टेस्ट मुकाबले पूरे पांच दिन तक चले, जिससे क्रिकेट प्रेमियों को टेस्ट क्रिकेट का भरपूर आनंद मिला। मेजबान इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है, जबकि भारत ने दूसरा टेस्ट अपने नाम किया था। तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला गया और बेहद करीबी रहा, जिसमें भारत महज 22 रन से हार गया। हालांकि इंग्लैंड की जीत के बावजूद टीम के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉउली के खराब प्रदर्शन पर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजूदा सीरीज में क्रॉउली का औसत केवल 21.33 रहा है और तीन मैचों में उन्होंने कुल 128 रन ही बनाए हैं। पहले टेस्ट में हेडिंग्ले में उन्होंने 65 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद उनके स्कोर 19, 0, 18 और 22 ही रहे। उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन को लेकर इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सर जेफ्री बॉयकॉट ने उन्हें टीम से बाहर करने की मांग की है।

बॉयकॉट ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि क्रॉउली ने 57 टेस्ट खेलने के बावजूद कुछ नहीं सीखा है और वे बार-बार एक ही तरीके से आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके जाने का समय आ गया है। बॉयकॉट ने यह भी जोड़ा कि विपक्षी गेंदबाज उनकी कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठे रहते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाली विंटर एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के स्टार्क, हेजलवुड और कमिंस जैसे तेज गेंदबाज उन्हें आसानी से आउट करेंगे। जैक क्रॉउली ने 2019 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट डेब्यू किया था और अब तक 57 मैचों में 30.89 की औसत से 3151 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। इसके बावजूद हालिया फॉर्म ने टीम में उनकी जगह पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

इधर लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के चलते इंग्लैंड पर भी कार्रवाई हुई है। टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंकों में से दो अंक काटे गए हैं और पूरी टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। ऐसे में सीरीज का चौथा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होने वाला है और सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि भारत वापसी कर पाएगा या इंग्लैंड बढ़त को निर्णायक बना लेगा।

जमैका में अपना आखिरी मैच खेलेंगे आंद्रे रसेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। हालांकि यह फैसला तुरंत प्रभावी नहीं होगा, लेकिन रसेल का इंटरनेशनल करियर अब अंतिम दौर में है। वह अपने घरेलू मैदान जमैका के सबीना पार्क में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 और 22 जुलाई को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। यह खबर टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों में जुटी वेस्टइंडीज टीम के लिए एक बड़ा झटका है।

37 वर्षीय रसेल ने 2019 के बाद से केवल टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया है।

रवि शास्त्री और रॉयल लेडी हर्वे की फोटो ने खींचा सबका ध्यान

लंदन। विंबलडन 2025 का समापन यानिक सिनर की शानदार जीत के साथ हुआ, लेकिन इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के दौरान न सिर्फ टेनिस बल्कि मैदान के बाहर की हलचल भी सुर्खियों में रही। दुनियाभर की मशहूर हस्तियों ने इस ऐतिहासिक इवेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, जिनमें सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, प्रियंका चोपड़ा और प्रीति जिंटा जैसे नाम शामिल हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच रवि शास्त्री भी हर साल की तरह इस बार भी विंबलडन का आनंद लेने पहुंचे, लेकिन इस बार उनकी एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में आ गई।

हेटमायर का तूफान : एक ओवर में लगाए 5 छक्के

नई दिल्ली । ग्लोबल सुपर लीग 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में शिमरन हेटमायर ने बल्ले से ऐसी तबाही मचाई कि मैच का रुख ही बदल गया। गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुयाना ऐमजॉन वॉरियर्स ने होबार्ट हरिकेंस को हराकर फाइनल में जगह बना ली। हेटमायर ने 10 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी खेली और एक ओवर में 5 छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए होबार्ट की टीम 16.1 ओवर में महज 125 रन पर सिमट गई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुयाना की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और 9 ओवर में उसका स्कोर 43/3 था। सेमीफाइनल जैसे अहम मुकाबले में जब 72 गेंदों में 82 रन चाहिए हों, तो दबाव साफ दिखता है, लेकिन हेटमायर के इरादे कुछ और थे। वो 10वें ओवर की शुरुआत में बल्लेबाजी के लिए आए और फैबियन एलेन के ओवर में ही मैच पलट दिया।

हेटमायर ने पहली गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से सिक्स के लिए भेजा। दूसरी गेंद पर ओडीन स्मिथ ने उनका कैच छोड़ा, और गेंद बाउंड्री पार जा गिरी। अगली दो गेंदों पर उन्होंने लगातार दो और छक्के जड़े। पांचवीं गेंद पर उन्होंने दो रन लिए और फिर आखिरी गेंद को भी छक्के में बदल दिया। इस तरह एलेन के एक ओवर में 32 रन आए, जिसमें हेटमायर ने 5 सिक्स जड़े। उनकी इस धमाकेदार पारी में कुल 6 छक्के शामिल थे। हालांकि उन्हें उसामा मीर ने आउट किया, लेकिन तब तक मैच गुयाना के पक्ष में पूरी तरह झुक चुका था।

कार्यालय संयुक्त संचालक (कौशल विकास), क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट (म.प्र.)
आईटीआई केम्पस, बुढ़ी बालाघाट (म.प्र.) 481001
E-mail Id – jdbalaghat@gmail Mob. No. 9425870561

बालाघाट संभाग की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में मेहमान प्रवक्ता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने बाबत

— विज्ञप्ति —

क्रमांक–सं.संचा./क्षेका/स्थाप./मप्र विज्ञा/278 /बालाघाट, दिनांक 16.07.2025

मध्य प्रदेश शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत बालाघाट क्षेत्र में स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में विभिन्न व्यवसायो में रिक्त प्रशिक्षण अधिकारियों के पद की विरुद्ध मेहमान प्रवक्ताओं को आमंत्रित किया जाना है। आवेदकों से आवेदन पत्र वेबसाइट www.mpskills.gov.in पर दिनांक 21.07.2025 से दिनांक 04.08.2025 तक ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन की पोर्टल से जनरेट प्रति एवं संबंधित सह दस्तावेज आवेदन की गई किसी भी शासकीय आईटीआई में निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर सत्यापित करने होंगे। आमंत्रित किए जाने वाले मेहमान प्रवक्ताओं के लिए शैक्षिक/तकनीकी योग्यता संबंधी ट्रेड ब्रांच में आईटीआई/डिप्लोमा अथवा डिग्री होना चाहिए आयु सीमा दिनांक 02.07.2025 को 18 वर्ष से कम नहीं होना चाहिए अधिकतम आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है।

आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। मध्यप्रदेश शासन, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मंत्रालय के ज्ञापन क्रमांक एफ–02–02/2022/42–2 भोपाल, दिनांक 22.04.2022 एवं क्रमांक 422/421/2019/42–2. दिनांक 21.02.2023 के अनुसार मानदेय भुगतान किया जाएगा।

आमंत्रण शैक्षणिक सत्र समाप्ति तक अधिकतम 11 माह के लिए अथवा पद की पूर्ति नियमित प्रशिक्षण अधिकारी से होने पर/प्रवेश न होने/पर आवश्यकता ना होने पर जो भी पहले हो तक होगा। आवेदन पत्र एवं अनुभव, शैक्षिक/तकनीकी योग्यताओं व्यवस्थाओं के नाम एवं रिक्त स्थानों की विस्तृत जानकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य से तथा वेबसाइट www.mpskills.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

जी–15819/25

15/07/2025

'स्वच्छता ही सेवा'

संयुक्त संचालक (कौ.वि.)
क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)
Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in

क्रमांक/ 557 /खनिज/2025 बालाघाट दिनांक 15 /07/ 2025

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक रस्तोगी माईनिंग लिमिटेड (श्री शशांक रस्तोगी, डायरेक्टर) पता–31 कमर्शिलय काम्प्लेक्स, नेहरू नगर, भिलाई जिला दुर्ग (छग.) द्वारा खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.06.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 19/08/2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	कटंगी	दुल्हापुर	20, 17/4, 21/1, 22/2, 22/3	3.942 हे.	निजी	डोलोमाईट	
			कुल रकबा	3.942 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी–15783/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

खनि अधिकारी
जिला–बालाघाट (म.प्र.)

ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती का टारगेट

- अब एकल परीक्षा से भरे जाएंगे सभी विभागों के पद

भोपाल । मप्र के सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को भरने के लिए सरकार अब मिशन मोड में काम करेगी। गौरतलब है कि सरकार ने ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती का टारगेट रखा है। इसके लिए मोहन सरकार सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली चयन परीक्षा में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती परीक्षाएं अब बार-बार नहीं होंगी। संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर वर्ष में एक बार परीक्षा होगी और सभी श्रेणी के पदों के लिए मेरिट के हिसाब से सूची बन जाएगी। प्रतीक्षा सूची भी एक ही रहेगी। इसके लिए पदों की संख्या सभी विभागों से वर्ष में एक बार पूछ ली जाएंगी और उसके आधार पर सितंबर में कैलेंडर निर्धारित हो जाएगा। जनवरी 2026 से चयन की यह प्रक्रिया लागू करने की तैयारी में सामान्य प्रशासन विभाग जुटा है।

जानकारी के अनुसार, अपर मुख्य सचिव जीएडी संजय शुक्ला ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक पर रिक्त पदों के संबंध में भर्ती को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए अलग-अलग परीक्षाएं कराने की बजाय सरकार एकल परीक्षा के माध्यम से रिक्त पर भरने की तैयारी कर रही है। इस परीक्षा के माध्यम से सभी विभागों के विभिन्न रिक्त पदों के लिए एक ही मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एक वर्ष में एक ही भर्ती परीक्षा कराए जाने के संबंध में प्रारंभिक दौर की चर्चा कर चुके हैं। इस संबंध में आगे सीनियर अधिकारियों के बीच कई दौर की चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

18 महीने में 30 हजार रिक्त पदों पर भर्ती

मप्र सरकार ने पिछले साल पांच वर्ष में ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती करने का निर्णय लिया था। पिछले 18 महीने में प्रदेश में 30 हजार सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती की गई है। इनमें मप्र लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से भरे गए 5600 पद भी शामिल हैं। शेष 24 हजार से ज्यादा क्लास-थ्री के रिक्त पद कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं के जरिए भरे गए हैं। मप्र में विभिन्न विभागों में एक लाख 4 हजार सरकारी पद रिक्त हैं। एक साल में इनमें से 27 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी तैयारियां तेज कर दी है। अपर मुख्य सचिव जीएडी संजय शुक्ला ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक पर रिक्त पदों के संबंध में भर्ती को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन सीएम शिवराज ने दो चरणों में डेढ़ लाख रिक्त पदों पर भर्ती की घोषणा की थी। उन्होंने पहली बार 15 अगस्त, 2022 को घोषणा की थी कि एक साल के भीतर एक लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती होगी। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल ही रही थी कि शिवराज सिंह ने जून, 2023 में 50 हजार रिक्त पदों पर और भर्ती की घोषणा कर दी थी, लेकिन सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी करीब 67 हजार पदो पर भर्ती की जा सकी।

इस तरह होगी खाली पदों पर भर्ती

प्रदेश में खाली पड़े विभागों में क्लास-टू के पदों पर मर्ती के लिए मप्र लोक सेवा आयोग परीक्षा लेगा। क्लास-थी के पद प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, सीधी भर्ती या आउटसोर्स के जरिए भरे जाएंगे। क्लास-फोर के पद सीधी भर्ती या आउटसोर्स के जरिए भरे जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि एकल भर्ती परीक्षा से अभ्यर्थियों को बार-बार परीक्षा की झंझट से मुक्ति मिलेगी। अलग-अलग विभागों की परीक्षा के लिए बार-बार आवेदन करने और फीस भरने की जरूरत नहीं रहेगी। उम्मीदवारों को परीक्षा की तैयारी करने और स्लॉट चुनने में दिक्कत नहीं होगी। सरकार की भी बार-बार परीक्षाएं आयोजित कराने पर बर्बाद होने वाले समय और पैसे की बचत होगी। यदि कोई उम्मीदवार चयनित पद नहीं लेता है, तो वेटिंग लिस्ट के कारण अगला उम्मीदवार तुरंत नियुक्त हो सकेगा। इससे रिक्तियों को बिल्कुल भी नहीं छोडना पड़ेगा। एक ही परीक्षा और एक मेरिट लिस्ट से कानूनी अड़चनें दूर होंगी। गौरतलब है कि डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने जून, 2024 में स्वास्थ्य विभाग में 46,491 नए पदों का सृजन कर उन पर भर्ती का निर्णय लिया था। ऐसे ही 22 अक्टूबर, 2024 को हुई कैबिनेट की बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायिका के 12,670 पद और सुपरवाइजर के 467 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी गई थी। कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार इन रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। ऐसे ही गत 9 जुलाई को हुई कैबिनेट की बैठक में तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के लिए 49 हजार 263 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई थी। इन पदों पर भर्ती आने वाले वर्षों में की जाएगी। प्रदेश में 16 जुलाई, 2025 की स्थिति में एमपी रोजगार पोर्टल पर 27 लाख 52 हजार 571 बेरोजगार युवा रजिस्टर्ड हैं। सरकार ने पोर्टल पर बेरोजगारों को आकांक्षी युवा नाम दिया है। इस वर्ष पोर्टल पर 5 लाख 79 हजार 78 युवाओं ने पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि प्रदेश में परंपरागत विषयों में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं, नहीं, इंजीनियरिंग, इजा एमबीए और एमबीबीएस डिग्रीधारी युवाओं ने भी पोर्टल पर पंजीयन कराया है। इससे प्रदेश में बेरोजगारी की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

नए फैसले से समय की होगी बचत

प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होती है तो तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं, वैसे-वैसे भर्ती वाली ये दोनों एजेंसियां अपने कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं कराती हैं। इसमें न केवल समय लगता है बल्कि अभ्यर्थियों को बार-बार फीस देनी पड़ती है तो एजेंसियों को परीक्षाएं आयोजित करने के लिए मानव संसाधन से लेकर अन्य व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भर्ती परीक्षाओं की व्यवस्था को परिवर्तित करने के निर्देश दिए थे। इसके अनुरूप सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के परीक्षा के साथ विभागीय भर्ती नियम सहित अन्य प्रक्रियाओं में परिवर्तन का खाका तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार, जिस तरह संघ लोक सेवा आयोग एक परीक्षा कराता है और विभिन्न श्रेणी के उपलब्ध पदों के लिए मेरिट के हिसाब से चयन हो जाएगा।

नियम से लेकर परीक्षा का ब्योरा रहेगा ऑनलाइन

सूत्रों का कहना है कि पारदर्शिता के लिए नियम से लेकर परीक्षा का पूरा ब्योरा ऑनलाइन रहेगा। अभी राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होने वाली परीक्षा में कई चीज सार्वजनिक नहीं की जाती हैं, जिससे अभ्यर्थी कोर्ट चले जाते हैं। परीक्षा परिणाम या चयन सूची पर रोक लगा जाती है। इससे पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आगे ऐसा न हो, इसके लिए सभी जानकारियां ऑनलाइन की जाएंगी ताकि किसी को सूचना के अभाव में कोई भ्रम या संदेह ना रहे। विभागों के भर्ती नियम भी अब एक जैसे होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ही इन्हें बनाकर अधिसूचित करने के लिए देगा। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि एकरूपता रहे। इसमें समान प्रकृति के पदों के लिए एक जैसे नियम हो जाएंगे। साथ ही यह लाभ भी होगा कि परीक्षा कराने वाली एजेंसियों को विज्ञापन निकालते समय विभागीय भर्ती नियम के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा और समय पर विज्ञापन जारी हो जाएंगे।

पीडब्ल्यूडी से 90 डिग्री वाली गलती अब नहीं होगी

नेशनल हाईवे की तरह स्टैंडर्ड्स का होगा पालन

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बने 90 डिग्री ब्रिज ने पीडब्ल्यूडी की जमकर किरकिरी कराई है। राजधानी के ऐशबाग और इंदौर के एक आरओबी की गलत डिजाइन का पूरे देश में मजाक बना है। इससे सबक लेते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपने कार्य की गुणवत्ता सुधारने का फैसला किया है। आगे 90 डिग्री ब्रिज जैसी गलती न हो, इसके लिए पीडब्ल्यूडी नई पालिसी पर काम करने जा रहा है।

निर्माण की क्वालिटी और डिजाइन पर कैमरे से नजर

लोक निर्माण विभाग सड? व ब्रिज निर्माण की गुणवत्ता और डिजाइन के लिए अनुबंध के अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है, जिससे इसकी मॉनीटरिंग की जा सके। निर्माण क्वालिटी और डिजाइन पर नजर रखने के लिए निजी विशेषज्ञों की भी सेवाएं ली जा सकेंगी। इसके लिए बड़ी परियोजनाओं को ईपीसी मोड पर करने का निर्णय भी विचाराधीन है। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी में अधिक से अधिक आईटी सर्विस का उपयोग करने जा रहा है। इसके तहत अब बड़े प्रोजेक्ट पर निर्माण के दौरान कैमरे लगाकर मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

इंजीनियरों की होगी ट्रेनिंग, बनेगा नया माड्यूल

मध्यप्रदेश शासन द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के सभी इंजीनियरों की ऐफिशियेंसी एन्हांसमेंट यानी दक्षता संवर्धन किया जाएगा। उन्हें सड? और ब्रिज निर्माण की नई तकनीकें सिखाई जाएंगी। इसके लिए एमपीआरडीसी के टेक्निकल एडवाइजर को इंडियन एकेडमी फॉर हाईवे इंजीनियरिंग के साथ मिलकर पुलों के गुणवत्ता पूर्ण निर्माण के लिए ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे भविष्य में पुल व फ्लाइओवर के निर्माण गुणवत्ता पूर्ण तरीके से किए जा सकें और उनमें गलती न हो।

नेशनल हाईवे की तरह स्टैंडर्ड्स का होगा पालन

लोक निर्माण विभाग सेतु शाखा के मुख्य अभियंता पीसी वर्मा ने बताया, अब फ्लायओवर और रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण करते समय इंडियन रोड कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे के जियोमेट्रिक डिजाइन स्टैंडर्ड्स का अनिवार्य रुप से पालन करना होगा। इसमें शार्प कर्व, ट्रांजिशन लेंथ और सुपर एलिवेशन जैसे तकनीकी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्माण से पहले और बाद में डिजाइन की जांच के लिए स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय अनिवार्य होगा। वहीं निर्माण की स्वीकृति से पहले ट्रैफिक फ्लो और साइट कंडीशन का पूरा विश्लेषण किया जाएगा।

34 टीएसआई की मैदानी पदस्थापना अटकी

नव चयनित 30 टीएसआई कम्प्यूटर डिप्लोमा में पास नहीं

भोपाल। मप्र परिवहन विभाग में मैदानी स्टाफ की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकार ने स्टाफ की कमी को देखते हुए जून में परिवहन सब इंस्पेक्टरों की भर्ती की गई थी। लेकिन विडंबना यह है की उनकी भी मैदानी पदस्थापना नहीं हो सकी है। दरअसल, नव चयनित 30 टीएसआई ऐसे हैं जिन्होंने कम्प्यूटर डिप्लोमा की पास नहीं किया है। वहीं परिवहन विभाग में 13 आरक्षक भी ऐसे हैं, जिन्होंने विभागीय प्रशिक्षण नहीं लिया है। परिवहन आयुक्त ने इनके प्रशिक्षण की प्रक्रिया भी लगभग पूरी कर ली है। पुलिस मुख्यालय ने इनकै प्रशिक्षण के लिए जो राशि बताई थी। वह भी स्वीकृत हो गई है। इनके साथ दो छूटे हुए उप निरीक्षकों का भी प्रशिक्षण होना है।

गौरतलब है कि मप्र परिवहन विभाग के परिवहन चेकपोस्टों पर प्रायवेट कटर द्वारा अवैध वसूली की शिकायतों के बीच नव चयनित 34 टीएसआई की पदस्थापना फिलहाल अटक गई है। विभाग में पदस्थापना से पूर्व आवश्यक अर्हता दस्तावेज कम्प्यूटर डिप्लोमा नव-चयनित 30 टीएसआई के पास नहीं है। इसलिए इनका विभागीय प्रशिक्षण भी अटक गया है। मैदानी काम में हो रही परेशानी को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने इनकी पदस्थाना को लेकर शासन से अभिमत मांगा है। यदि बिना कम्प्यूटर डिप्लोमा के ही प्रशिक्षण की अनुमति शासन से नहीं मिलती है तो 30 टीएसआई की ज्वाइनिंग और मैदानी पदस्थापना लम्बी खिंच सकती है।

30 नए टीएसआई सीख रहे हैं विभागीय कार्यप्रणाली

परिवहन विभाग में 34 नए परिवहन उप निरीक्षकों का चयन सहित भर्ती की सभी औपचारिकताएं तो तीन महीने पहले ही पूरी हो चुकी हैं, लेकिन ज्वाइनिंग सिर्फ 4 की ही हो सकी है। पिछले करीब तीन महीने से अटके प्रशिक्षण की प्रक्रिया बिना कम्प्यूटर डिप्लोमा के ज्वाइनिंग दिए जाने हेतु शासन से हरी झंडी मिलने पर ही पूरी हो सकेगी। चूंकि सभी 34 टीएसआई का प्रशिक्षण साथ होना है, इसलिए चार का प्रशिक्षण भी अटका है। 30 नए टीएसआई को भलें विधिवत ज्वाइनिंग नहीं मिल सकी हो, लेकिन परिवहन आयुक्त ने इन्हें विभागीय कार्यप्रणाली को सीखने के लिए अलग-अलग विभागीय कार्यालयों में पदस्थ किया है। प्रशिक्षण और मैदानी पदस्थापना से पहले ये सभी विभागीय कर्मचारियों के साथ मिलकर कार्यालयीन कामकाज का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्वीकृत पदों से कम अमला

उल्लेखनीय है कि मप्र परिवहन विभाग की प्रवर्तन (एन्फोर्समेंट) शाखा के अंतर्गत 45 चेकपॉइंट और इतने ही उडऩ्दस्ता में सहायक उप निरीक्षक, उप निरीक्षक और निरीक्षक स्तर तक को ही वाहनों को रोककर चेक करने का अधिकार प्राप्त है। विभाग के पास वर्तमान में एक भी सहायक उप निरीक्षक नहीं है। जबकि स्वीकृत पदों के अनुपात में आरटीआई लगभग एक चौथाई और टीएसआई आधे ही हैं। तीनों ही श्रेणियों में कुल स्वीकृत पद 171 हैं जबकि पदस्थ आरटीआई और टीएसआई की संख्या करीब 55 है। इनमें भी एक चौथाई अलग अलग कारणों से मैदानी पदस्थाना में नहीं हैं। चेकपॉइंटों और प्लाइंग पर अवैध वसूली की शिकायतों के बीच विभागीय दस्ता भी लगातार अधिकारियों से पर्याप्त सुरक्षा का आग्रह कर रहा है। हाल में अवैध वसूली के वीडियो सामने आए हैं तो ट्रक चालकों द्वारा विभागीय कर्मचारियों से मारपीट, झूमाझटकी और धमकाने के भी कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि चेकपॉइंट या फ्लाइंग द्वारा वाहन को रोके जाते समय उनकी सीमित संख्या देखकर ट्रक चालक एकजुट हो जाते हैं और अपने वाहनों को कार्रवाई से बचाने के लिए उनके साथ विवाद और मारपीट तक कर देते हैं। ऐसी स्थिति में स्थानीय पुलिस भी उनकी मदद नहीं करती है। इसलिए उन्हें और अधिक अधिकारियों तथा बल की आवश्यकता है। जबकि ट्रक चालकों का आरोप है कि उनके कहनों को अवैध वसूली के लिए जबरदस्ती बैरीकेटिंग कर रोका जाता है। पैसे नहीं देने पर उनके वाहन की नंबर प्लेट का फोटो लेकर ऑनलाइन चालान बनाए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विधानसभा सत्र की तैयारी और लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में विधानसभा के आगामी सत्र की तैयारी और लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शून्यकाल, अपूर्ण उत्तर, आश्वासन, लोकलेखा समिति की सिफारिशें, विधानसभा में विभागों के प्रशासनिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर चर्चा की गयी। मुख्य सचिव जैन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख अपने काम समय-सीमा में करें। कार्य की साप्ताहिक समीक्षा भी की जाये। मुख्य सचिव जैन ने बैठक में 5 वीं राष्ट्रीय मुख्य सचिव कांफ्रेंस की तैयारियों के भी निर्देश दिये। उन्होंने अतिरिक्त कोर्ट केस, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग के प्रकरणों में राज्य शासन की ओर से समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, जे.एन. कंसोटिया, अशोक वर्णवाल, संजय शुक्ल, मनु श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल, संदीप यादव सहित विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को नहीं मिला एरियर

- 2.75 लाख कर्मचारियों का 350 करोड़ डकार गए ठेकेदार

भोपाल। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का करीब 8 साल बाद साल 2024 में वेतन बढ़ाने के आदेश जारी किए गए थे। इसके खिलाफ पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के फैक्ट्री मालिक कोर्ट पहुंच गए थे। जिससे कुछ दिनों के लिए यह मामला ठंडा हो गया, लेकिन जल्द ही इस मामले में कोर्ट ने भी कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाया और आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन देने का आदेश दिया। जिसके बाद दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन तो मिलने लगा, लेकिन एरियर नहीं दिया गया।

बता दें कि कोर्ट का फैसला आने के बाद श्रमायुक्त ने भी सभी विभागों को बढ़े हुए वेतन का भुगतान करने के साथ बीते 11 महीने का एरियर देने का निर्देश जारी किया था, लेकिन फैक्ट्री मालिक और ठेकेदारों ने आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन देना तो शुरू कर दिया, लेकिन 11 महीने का करीब 2.75 लाख कर्मचारियों के 350 करोड़ रुपये डकार गए। हालांकि इसको लेकर आउटसोर्स कर्मचारियों ने श्रमायुक्त से लेकर विभागीय अधिकारियों तक ठेकेदारों की शिकायत कर डाली, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

इसलिए नहीं किया गया एरियर का भुगतान

भेल भोपाल में आउटसोर्स कर्मचारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि कई ठेकेदारों के ठेके खत्म हो चुके हैं, लेकिन नए ठेकेदार भी कर्मचारियों का पुराना भुगतान नहीं कर रहे हैं। वहीं पुराने ठेकेदार भी अब पल्ला झाड़ रहे हैं। नियमानुसार स्वयं ठेकेदारों को पहले अपनी ओर से आउटसोर्स कर्मियों को एरियर्स राशि एडवांस भुगतान करना पड़ती है, फिर इसके बिल संबंधित विभाग को भेजने होते हैं। तब जाकर संबंधित ठेकेदार को राशि का भुगतान हो पाता है। चूंकि इसमें एक-दो महीने का समय लगता है, इसलिए ठेकेदार अपनी राशि फंसाने से बचते हैं।

95 प्रतिशत कर्मचारियों को नहीं मिला एरियर

बता दें कि कुछ जिलों में श्रमायुक्त ने ठेकेदारों पर दबाव डालकर आउटसोर्स कर्मचारियों को एरियर का भुगतान कराया है, लेकिन ऐसे कर्मचारियों की संख्या 5 फीसदी से भी कम है। जबकि भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, सागर एवं शहडोल संभाग के दायरे में आने वाले कार्यालयों के 95 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मचारी अब भी परेशान हो रहे हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत बिजली कंपनियों और स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को हो रही है। वहीं पीएसयू और प्राइवेट फैक्ट्रियों में भी एरियर का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

नवंबर में जारी कर चुके एरियर का आदेश

मध्य प्रदेश की श्रमायुक्त रजनी सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी नियोक्ताओं को नवंबर 2024 में ही आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन और एरियर देने का आदेश दिया था। जिसमें कहा गया था कि ठेकेदार कर्मचारियों को भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं, तो संबंधि विभाग के प्रमुख नियोक्ता (प्रिंसिपल नियोजक) यह जिम्मेदारी लें। कुछ शिकायतें श्रमायुक्त कार्यालय में भी आई थीं, उनका निराकरण कर दिया गया है। रजनी सिंह ने कहा कि यदि आउटसोर्स कर्मचारियों को नियोक्ता एरियर का भुगतान नहीं कर रहे हैं, तो संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। इसके बावजूद यदि एरियर का भुगतान नहीं किया जाता, तो ऐसे नियोक्ता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत कार्यालय में बायोमेट्रिक मशीन पूर्णत: चालू हालत में है

अधिकारी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक मशीन से हो रहा है उपस्थिति का संधारण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला पंचायत कार्यालय बालाघाट में अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति समय पर सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक मशीन लगाई गई है। यह मशीन पूर्णत: चालू हालत में है और मशीन के माध्यम से ही अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति का संधारण किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ ने बताया कि समाचार पत्र में समाचार प्रकाशित किया गया है कि जिला पंचायत में स्थित बायोमेट्रिक मशीन का कनेक्शन पुरी तरह से हटा हुआ है और मशीन चालू नहीं है। यह समाचार निराधार एवं तथ्यहीन है। 09 जुलाई को बायोमेट्रिक मशीन से 57, 10 जुलाई को 63, 11 जुलाई को 58, 14 जुलाई को 58, 15 जुलाई को 58, 16 जुलाई को 58 एवं 17 जुलाई को 58 अधिकारी कर्मचारी की बायोमेट्रिक मशीन से उपस्थिति लगाई गई है।

26 जुलाई से 05 अगस्त तक नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप का आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला फुटबाल एसोसिएशन बालाघाट द्वारा आगामी 26 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक बालाघाट में जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप बीसी राय ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के 16 राज्यों की टीम शामिल होने जा रही है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर मृणाल मीणा ने 17 जुलाई को जिला फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में जिला फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक गौरव पारधी, एसडीएम गोपाल सोनी, इस प्रतियोगिता की आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश रंगलानी, संयोजक तपेश असाटी, सचिव सुनील यादव, गणेश अग्रवाल, आशीष

मिश्रा, खेल विभाग से योगेंद्र पटले, नगर पालिका से बीएल लिल्हारे उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप बीसी राय ट्रॉफी 2025-26 के मैच मुलना स्टेडियम, रेंजर कॉलेज ग्राउंड, पुलिस लाईन मैदान एवं ग्राम निलजी के मैदान में आयोजित होंगे। टीमों की प्रेक्टिस के लिए सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल मैदान, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान को चिन्हित किया गया है। बैठक में खेल मैदानों की ग्रास कटिंग, रोलर, गोल पोस्ट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रतियोगिता के दौरान एम्बुलेंस एवं डाक्टर्स की ड्यूटी लगाने तथा खिलाड़ियों के परिवहन के लिए वाहनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गए। बैठक में बताया गया कि खिलाड़ियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था शहर के 10 अच्छे होटलों में की गई है। 26 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाली 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों की इस राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता में हरियाणा, आसाम, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, हिमाचलप्रदेश, अण्डमान निकोबार, आंध्रप्रदेश, पाण्डिचेरी, मध्यप्रदेश एवं गुजरात की टीम आ रही है।

तहसीलदारों ने किया कार्य विभाजन का विरोध

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 21 को काम बंद कर प्रदर्शन करने की दी चेतावनी, पूर्ण संसाधनों के साथ योजना लागू करने की करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राजस्व अधिकारी संघ द्वारा प्रदेश के आवाहन पर जिले में भी प्रमुख सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें राजस्व अधिकारियों द्वारा बताया गया कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के पदों का एकीकरण किया गया है। यह निर्णय मंत्री परिषद की बैठक में 3 जून 2025 को पारित हुआ है। जिसे राज्य के कई जिलों में प्रथम चरण में लागू किया जा रहा है। यह व्यवस्था में बालाघाट को भी शामिल किया गया हैं। किंतु इस व्यवस्था को लागू करने के लिए तहसीलदारों की मांग है कि इसे पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाना था। आज तहसीलदारों को न्यायालय कार्य दिए जा रहे हैं। इसकी व्यवस्था बिना किसी मापदंड के ही बना दी गई है। यदि जिला स्तर पर देखा जाए तो यहां संसाधनों की बहुत कमी है। उन्होंने मांग की है कि राजस्व अधिकारियों की न्यायालय व गैर न्यायाधीश कर्तव्य विभाजन योजना को पूर्ण संरचनात्मक एवं संसाधनों के पूर्व लागू नहीं किया जाना चाहिए । नहीं तो वह 21 जुलाई को जिला स्तर पर काम से विरत रहकर इसका विरोध करेंगे ।

आपको बता दे कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजस्व प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एकीकृत व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ सौंपी गई हैं । न्यायालयीन कार्य कर रहे अधिकारी पूर्ववत राजस्व न्यायालय संचालन का दायित्व निभाएंगे, जबकि शेष अधिकारी कानून व्यवस्था, राजस्व योजना, प्रोटोकॉल, राजस्व सर्वेक्षण एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। राजस्व न्यायालय से जुड़े अधिकारी अनिवार्य रूप से प्रतिदिन प्रात: 10:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक न्यायालयीन कार्य संपादित करेंगे बिना अनुमति अनुपस्थित पाए जाने पर जिला कलेक्टर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित कर सकेंगे। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य राजस्व न्यायालय के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करना तथा राजस्व सेवा के न्यायिक एवं गैर-न्यायिक कार्यों के मध्य स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित करना है। शासन द्वारा इसे प्रभावीय रूप से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश सभी जिलों को प्रेषित कर दिए गए हैं। उसके बाद प्रदेश स्तर पर ही इस पूरी बनाई गई व्यवस्था का विरोध किया जा रहा है । प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर पर राजस्व अधिकारी इस विषय को लेकर प्रमुख सचिव को ज्ञापन सौंप रहे हैं। इसी क्रम में 17 जुलाई को बालाघाट में भी प्रदेश स्तर के संगठन के आवाहन पर राजस्व अधिकारियों द्वारा प्रमुख सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया। जहां राजस्व अधिकारियों ने बताया कि आज जिस प्रकार की यह पूरी योजना बनाई गई है उसमें सही मापदंड और सही योजना बनाकर कार्य नहीं किया गया है । आज भी जिला स्तर पर बहुत सी कमियां है। संसाधनों का अभाव है । ऐसी स्थिति में यदि इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा , तो उन्हें बहुत दिक्कत होगी। वह चाहते हैं कि इस व्यवस्था को लागू करने से पहले व्यवस्थाएं बना ली जाए और उसके बाद ही इस प्रणाली को लागू किया जाए । इसी मांग को लेकर उन्होंने ज्ञापन सौंपा है । यदि इस पर तुरंत संज्ञान नहीं लिया जाता तो वह 21 जुलाई को एक दिन काम बंद करते हुए विरोध प्रदर्शन करेंगे।

जिला स्तर पर संसाधनों की कमी है-भूपेंद्र अहिरवार

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर बालाघाट तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि तहसीलदारों का कार्य विभाजन किया गया है। उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारी देते हुए योजना बनाई गई है । किंतु देखा जाए तो अभी जिला स्तर पर संसाधनों की कमी है। वह चाहते हैं कि जो व्यवस्था बनाई गई है उसके लिए पहले संसाधन उपलब्ध कराया जाए। उसके बाद ही इस योजना को लागू किया जाना चाहिए । इसी हेतु उन्होंने प्रदेश स्तरीय संगठन के आवाहन पर आज कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। जैसे-जैसे प्रदेश स्तर से निर्देश आएंगे उसी अनुसार वह इस व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

एक युवती द्वारा आत्महत्या करने के मामले में एस ए एफ के आरक्षक त्रिलोक पटले के विरुद्ध अपराध दर्ज

युवती को आत्महत्या करने उकसाने का है आरोप

विद्वान अदालत से मिली अग्रिम जमानत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कोतवाली पुलिस ने छत्तीसगढ़ राज्य में पदस्थ विशेष सहस्त्र बल के आरक्षक त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले 35 वर्ष के विरुद्ध एक 28 वर्षीय युवती को आत्महत्या करने उकसाने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। आत्महत्या की यह घटना इसी माह 10 जुलाई को नगर के दीनदयाल पुरम स्थित पुलिस कॉलोनी के कमरे में 28 वर्षीय युवती ने घटित की थी। जानकारी की मुताबिक इस युवती के पिता भी पुलिस विभाग में है और यह युवती अपने परिवार के साथ दीनदयाल पुरम स्थित पुलिस कॉलोनी के क्वार्टर में ही रहती थी ।10 जुलाई को दोपहर में इस युवती ने अपने कमरे के पंखे में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी।मर्ग जांच दौरान स्पष्ट हुआ कि त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले ने इस युवती को प्रताड़ित कर उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाया था और त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले के उकसाने पर युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। मर्ग जांच उपरांत कोतवाली में इस युवती को आत्महत्या करने उकसाने के आरोप में त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले के विरुद्ध धारा 108 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है। अपराध दर्ज होने के बाद त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले ने इस अपराध की गिरफ्तारी से बचने के लिए बालाघाट की विद्वान अदालत में अग्रिम जमानत याचिका का पेश की थी। 16 जुलाई को विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। ज्ञात हो की आरोपी त्रिलोचन उर्फ त्रिलोक पटले मूल रूप से ग्राम साल्हे थाना लालबर्रा का निवासी है और वह छत्तीसगढ़ राज्य में विशेष सहस्त्र बल मैं आरक्षक है जिनकी पत्नी भी जिला पुलिस बल बालाघाट में आरक्षक है जो इन दिनों के अजाक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट में पदस्थ है।

श्री ज्ञानचंद बाफना का निधन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शहर के प्रसिध्द व्यवसायी कवि, लेखक, वकील, राजनेता, समाजसेवी श्री ज्ञानचंद बाफना का आज 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये है। उनकी अंतिम यात्रा कल 18 जुलाई दिन शुक्रवार को प्रात: 10:30 बजे मेन रोड़ स्थित निज निवास से निकाली जावेगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के

द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

घर की छत का पानी बाड़ी में आने का विवाद

केकती परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़े

दोनों पक्ष के 4 महिला सहित 7 लोग घायल, दोनों पक्ष के 6 महिला सहित 11 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कनिया के साहूटोला में मकान की छत का पानी बाड़ी में भरने से विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भीड़ गए और हाथ बुक्के और चले लाठी डंडे में एक ही परिवार के 7 लोग घायल हो गए और दोनों पक्ष ने एक दूसरे को जान से मार डालने की धमकी दे दी। बिरसा पुलिस ने दोनों पक्ष जिनमे राम जी पिता बैरागी केकती 31 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर तीन महिला सहित पांच लोग और मंगतू पिता हरलाल केकती 31 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर तीन महिला सहित 6 लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कनिया के साहूटोला के ये सभी लोग एक ही परिवार के हैं। खेती किसानी करते हैं और सभी का मकान लगा हुआ है। जलेश केकती के घर के छत का पानी मंगतू केकती की बाड़ी में भर जाता था। जिसके कारण दोनों परिवार के बीच विवाद होते रहता था। 16 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे जमकर पानी गिनने से जलेश केकती के घर की छत का पानी मंगतू केकती की बाड़ी में जमा हो गया था। शाम 7:30 बजे करीब मंगतू केकती अपने पत्नी सूरूज कंवर बाई छोटे भाई संतू केकती के साथ जलेश केकती के घर आए और जलेश को बोले की आप लोगों को बार-बार बोलने के बाद भी अपनी छत के पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं करवा रहे हो। आप लोग पानी की निकासी कहीं और से करवाओ और वे जलेश को गाली गुप्तार करने लगे और जलेश केकती की पत्नी जसोदा केकती को बाल पकड़ कर हाथबुक्के से मारपीट करने लगे। हल्ला सुनकर यशोदा केकती का देवर राम जी केकती बीच बचाव करने आया तो मंगतू केकती ने उसे भी डंडे से मारपीट किए और मंगतू केकती उसकी पत्नी सूरूज कुँवर और भाई संतू केकती ने रामजी केकती मारपीट कर उसे पकड़ कर घसीटते हुए रोड तरफ लाये। हल्ला होने पर जलेश की बेटी रवीना प्रतिज्ञा बीच बचाओ करने आये तो तीनों ने उन्हें भी डंडे से मारपीट करने लगे ।इसी दौरान राम जी केकती ने सूरुज कंवर , मंगतू केकती को भी लकड़ी से मारपीट कर दिया। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और चले हाथ बुक्के और लाठी से दोनों पक्ष के सात लोग घायल हो गए। मोहल्ले वालों ने बीच बचाव किये। इस मारपीट में रामजी केकती उसकी भाभी यशोदा केकती और रवीना केकती, प्रतिज्ञा केकती और मंगतू केकती उसकी पत्नी सूरुज कंवर बाई, छोटा भाई संतु केकती घायल हो गए। इस घटना के बाद सभी लोग रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचे। बिरसा पुलिस ने सभी घायलों का इलाज और मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये और राम जी पिता बैरागी केकती 33 वर्ष ग्राम कनिया द्वारा की गई रिपोर्ट पर मंगतू पिता हरलाल केकती 31 वर्ष, संतु पिता हरलाल केकती 33 वर्ष, सुरुज कुँवर बाई पति मंगतू केकती 30 वर्ष, मीना बाई पति संतु केकती, बासन में पति हरलाल केकती के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 333 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय संहिता 2023 और मंगतू पिता हरलाल केकती द्वारा की गई रिपोर्ट पर रमेश पिता बैरागी केकती, राम जी पिता बैरागी केकती, मीनू पिता जलेश केकती, यशोदा बाई पति जलेश केकती, प्रतिज्ञा पिता जलेश केकती, लोकेश पिता रामजी केकती के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज का विवेचना शुरू की है। घटना सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई है। जिसकी जांच विवेचना साले टेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धनसिंह धुर्वे द्वारा की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट